शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विजयेंद्र ने स्पीकर पर कांग्रेस पार्टी की कठपुतली की तरह काम करने का लगाया ..@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 03 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-91

वक्फ की हरकतों और हकीकतों से वाकिफ होना जरूरी

गोरी ने की थी शुरुआत, जिन्ना ने दिया था कानूनी शक्ल

दो गांवों से शुरू हुआ वक्फ आज 9.4 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। इसमें 8.7 लाख से ज्यादा सम्पत्तियां शामिल हैं। मस्जिदें, दरगाहें, कब्रिस्तान और इमामबाड़े इसके बड़े हिस्से हैं। यहां तक कि सरकारी जमीनें, इमारतें, गांव के गांव, पुरातात्विक महत्व के स्थान, हिंदू मंदिर भी वक्फ सम्पत्ति के दावे में हैं। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में 70 साल के किसान राजगोपाल अपनी बेटी की शादी के लिए अपनी 1.2 एकड़ जमीन बेचने की तैयारी कर रहे थे। सपने संजोए हुए थे कि बेटी का हाथ पीले करके उसे विदा करेंगे। लेकिन जब वे सब-रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें 20 पन्नों का एक दस्तावेज थमाया गया, जिसमें लिखा था कि उनकी जमीन तमिलनाडु वक्फ बोर्ड की है। सिर्फ उनकी जमीन ही नहीं, बल्कि उनका पूरा गांव तिरुचेन्थुरई, जहां 1500 साल पुराना सुंदरेश्वरार मंदिर भी है, सभी को वक्फ की सम्पत्ति बता दिया गया। गांव वाले हैरान थे, गुस्से में थे और डरे हुए भी। यह खबर जंगल की आग की तरह फैली और पूरे देश में वक्फ कानून पर बहस छिड़ गई। यह कोई अकेला मामला नहीं था। आसपास के 18 और गांवों को भी वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर दिया गया। लोग सवाल उठाने लगे कि आखिर यह वक्फ बोर्ड है क्या, जिसके पास आज 9.4 लाख एकड़ जमीन है? यह करीब 3,804 वर्ग किलोमीटर का इलाका है, जो भारतीय रेलवे और भारतीय सेना के बाद देश का सबसे बड़ा जमींदार माना जाता है।

शुभ-लाभ विमर्श

इसकी शुरुआत 12वीं सदी में दो गांवों के दान से हुई थी, और आज यह एक विशाल साम्राज्य बन चुका है। केंद्र सरकार अब वक्फ संशोधन विधेयक ला रही है। ऐसे में चलते हैं वक्फ की जड़ों तक, और समझते हैं कि वक्फ क्या है, भारत में कैसे आया और आज क्यों विवादों में है। वक्फ अरबी शब्द वकुफा से आया है, जिसका मतलब है ठहरना या रोकना। इस्लाम में वक्फ का अर्थ है ऐसी सम्पत्ति जो जन-कल्याण के लिए दान की जाए। इसे एक तरह का स्थायी दान कह सकते हैं, जिसे न बेचा जा सकता है, न उपहार में दिया जा सकता है, और न ही विरासत में हस्तांतरित किया जा सकता है। जो इसे दान करता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वाकिफ यह भी तय कर सकता है कि उसकी सम्पत्ति या उससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल किस काम के लिए होगा। मिसाल के तौर पर, अगर कोई कहे कि उसकी जमीन से होने वाली कमाई सिर्फ अनाथ बच्चों की पढ़ाई पर खर्च हो, तो ऐसा ही होगा।

वक्फ की प्रतीकात्मक तस्वीर

गोरी और जिन्ना का पाप : झेल रहा था भारत

इस्लाम में वक्फ की शुरुआत पैगंबर मोहम्मद के समय से मानी जाती है। एक कहानी है कि खलीफा उमर ने खैबर में एक जमीन हासिल की और पैगंबर से पूछा कि इसका सबसे अच्छा इस्तेमाल क्या हो सकता है। पैगंबर ने कहा, इसे रोक लो, बांध लो, और इससे होने वाला फायदा लोगों की जरूरतों पर खर्च करो। इसी तरह, मदीना में 600 खजूर के पेड़ों का एक बाग वक्फ किया गया था, जिसकी कमाई से गरीबों की मदद होती थी। यह वक्फ के सबसे पुराने उदाहरणों में से एक है।

भारत में वक्फ की कहानी इस्लाम के साथ शुरू होती है। इस्लामिक परंपरा के महत्वपूर्ण हिस्से वक्फ की भारत में सैकड़ों सालों से मौजूदगी है। इसका मतलब है ऐसी सम्पत्ति को जन-कल्याण के लिए दान करना, जिसे न बेचा जा सके, न उपहार में दिया जा सके, और न ही किसी को विरासत में हस्तांतरित किया जा सके। भारत में इसकी शुरुआत इस्लाम के आगमन से मानी जाती है, जो 7वीं सदी में अरब व्यापारियों के साथ शुरू हुई। लेकिन इसे शासकीय स्तर पर लागू करने की कहानी 12वीं सदी से शुरू होती है, जब मोहम्मद गोरी ने पहला कदम उठाया। इसके बाद कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, मुगल शासकों, ब्रिटिश काल और 20वीं सदी में मोहम्मद अली जिन्ना से जुड़े मुस्लिम वक्फ एक्ट तक यह परंपरा विकसित होती रही। ▶10पर

लोकसभा से पारित हुआ वक्फ संशोधन विधेयक-2025

नया वक्फ कानून बनने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर देर रात तक चली बहस के बाद मतदान के जरिए वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से 232 मतों के मुकाबले 288 मतों से पास हो गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वक्फ संशोधन विधेयक-2025 के लोकसभा से पारित होने की औपचारिक घोषणा की। बहस की शुरुआत विधेयक पेश करने वाले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने की। इसके बाद प्रमुख रूप से गृह मंत्री अमित शाह, जगदंबिका पाल, रविशंकर प्रसाद, अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल, ए राजा समेत अन्य सांसदों ने हिस्सा लिया।

विधेयक पेश करते हुए रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक के विशेष पहलुओं से संसद को परिचित कराया था और कहा था कि देश के सभी सांसदों और राजनीतिक दलों को वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि यह देशहित में लिया गया फैसला है, वोटहित में लिया जाने वाला फैसला नहीं हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना के बाद सबसे अधिक जमीनें वक्फ बोर्ड की हैं। रेलवे की सम्पत्तियां देश की हैं। उस सम्पत्ति की सुविधाएं देश के लोगों को मिलती हैं। इसी तरह सेना की सम्पत्ति भी देश की है। जिस पर सेना का प्रशिक्षण, शोध, प्रयोग, अभ्यास, शिक्षण और रिहाइश होती। सेना की सम्पत्ति देश की सुरक्षा में इस्तेमाल होती है। उसके बाद सबसे अधिक सम्पत्ति वक्फ बोर्ड की है। वक्फ सम्पत्ति भी देश की है, लेकिन उसका इस्तेमाल देश के लिए क्या हो रहा है, इसका

विधेयक के पक्ष में पड़े 288 वोट, विरोध में 232

मैंने एक शमा जलाई है हवाओं के खिलाफ : रिजिजू

कोई प्रमाण नहीं है। जितनी सम्पत्ति वक्फ बोर्ड के पास थी, उससे देश के गरीब मुसलमान सम्पन्न हो गए होते, महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई होतीं, बच्चे-बच्चियां सहूलियत से अपनी शिक्षा-दीक्षा कर रहे होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तो वक्फ बोर्ड का धन कहां इस्तेमाल होता रहा? रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक इन्हीं ज्वलंत सवालों का हल तलाशने का प्रयास है।

अल्पसंख्यक कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान संसद में कहा कि वक्फ का मामला सम्पत्ति का है, इन सम्पत्तियों का प्रबंधन मुतव्वली करते हैं। उन्होंने इस दौरान सदन में 3 मामलों का जिक्र किया, ताकि समझा सकें कि वक्फ का मजहब से कोई लेना-देना नहीं है। पहला, सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया। इसमें केरल हाईकोर्ट ने फ़ैसला दिया था कि वक्फ बोर्ड एक नियामक संस्था है, ये मुस्लिमों की प्रतिनिधि संस्था नहीं है। दूसरा, हाफिज जफर अहमद बनाम यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि वक्फ बोर्ड का काम सिर्फ़ सम्पत्तियों का प्रबंधन है, मुनव्वलियों के कामकाज की प्रकृति सेक्युलर है, मजहबी नहीं। ▶10पर

केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया

13000 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अवैध कब्जा

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के समक्ष यह स्वीकार किया है कि देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है। यह इतना बड़ा क्षेत्र है कि इतने में नौ दिल्ली (कुल क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर) बसाई जा सकती है। यह जमीन दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल भौगोलिक क्षेत्र से भी अधिक है।

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा भूमि पर अवैध कब्जा

यूपी में 265 वर्ग किलोमीटर भूमि अवैध कब्जे में

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13,056 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। अभी 10 राज्यों ने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। एनजीटी ने पिछले साल एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया था कि देश में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जो दिल्ली के आकार की तुलना में पांच गुना अधिक है।

मध्य प्रदेश में सबसे अधिक वन (5,460.9 वर्ग किलोमीटर) पर अतिक्रमण था। असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है। वहीं, कर्नाटक में कुल 863.08 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 575.54 वर्ग किलोमीटर, अरुणाचल प्रदेश में 534.9 वर्ग किलोमीटर और ओड़ीशा में 405.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अतिक्रमण है। उत्तर प्रदेश में 264.97 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 247.72 वर्ग किलोमीटर, झारखंड में 200.40 वर्ग किलोमीटर और छत्तीसगढ़ में 168.91 वर्ग किलोमीटर वन भूमि अतिक्रमण के अधीन है।

तमिलनाडु में यह आंकड़ा 157.68 वर्ग किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में 133.18 वर्ग किलोमीटर, गुजरात में 130.08 वर्ग किलोमीटर, पंजाब में 75.67 वर्ग किलोमीटर, उत्तराखंड में 49.92 वर्ग किलोमीटर, केरल में 49.75 वर्ग किलोमीटर, त्रिपुरा में 42.42 वर्ग किलोमीटर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 37.42 वर्ग किलोमीटर और मणिपुर में 32.7 वर्ग किलोमीटर है। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अभी वन अतिक्रमण पर विवरण नहीं दिया है, उनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 409.77 वर्ग किलोमीटर वन भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। ▶10पर

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा

लोकतंत्र में शासन कार्यपालिका करती है, न्यायालय नहीं

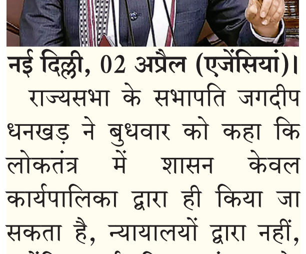

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र में शासन केवल कार्यपालिका द्वारा ही किया जा सकता है, न्यायालयों द्वारा नहीं, क्योंकि कार्यपालिका संसद और उसे चुनने वाले लोगों के प्रति जवाबदेह होती है। प्रश्नकाल के दौरान यह टिप्पणी जगदीप धनखड़ ने डीएमके सदस्य कनिमोझी की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के विकेंद्रीकरण की मांग पर की। ▶10पर

नेपाल सीमा से हो रही टेरर फंडिंग और सोने की तस्करी

नकली नोटों और मनी लॉन्ड्रिंग का धंधा खुलेआम

सोनौली (नेपाल सीमा), 02 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में सभी करेंसी बदलने की अवैध सुविधा है। इसके लिए देश और मांग के हिसाब से तीन से चार प्रतिशत तक कमीशन तय है। यहां सोने की तस्करी के लिए भी कमीशन तय होता है। भार-नेपाल बॉर्डर पर नकली नोटों के धंधे के साथ-साथ काले नोटों को सफेद करने (मनी लॉन्ड्रिंग) का धंधा भी बेखौफ चल रहा है।

नेपाल बॉर्डर पर करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर के विस्तृत भ्रमण के दौरान सीमा के सात जिलों में पीलीभीत से महराजगंज तक तस्करों का मजबूत नेटवर्क सामने दिखता है। गेहूं के साथ राइस ब्राउन का खेल खुलेआम हो रहा है। सोने की सौदेबाजी हो रही है। मनी एक्सचेंज का काला कारोबार बेतहाशा हो रहा है। सीमा पर हर करेंसी को 3 से 4 फीसदी कमीशन में नेपाली और भारतीय रुपए में बदलने का पूरा इंतजाम है। इसका खामियाजा नेपाल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची की कार्रवाई के रूप में भुगत रहा है। संस्था के अनुसार नेपाल टेरर फंडिंग के लिए सुरक्षित ठिकाना है। इसकी एक कड़ी अवैध मनी एक्सचेंज भी है। मनी एक्सचेंज में कमीशन देश, मांग और जरूरत के हिसाब से बदलता रहता है। बहराइच जिले के रुपईडीहा बॉर्डर पर तीन प्रतिशत पर भारतीय दो हजार रुपए को नेपाली मुद्रा में बदला जा रहा है। वहां पाकिस्तानी करेंसी भी बदली जा रही है। धंधे के एक एजेंट ने कहा, कितनी भी करेंसी हो एक्सचेंज होगी। ▶10पर

पाकिस्तानी सेना के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब

भारतीय सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

पुंछ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के नापाक इरादों को नाकाम कर दिया है। दरअसल, पड़ोसी मुल्क की सेना ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश की। उनकी ओर से फायरिंग भी की गई। हालांकि, भारतीय सेना के मुस्तैद जवानों की जवाबी कार्रवाई ने उन्हें उल्टे पैर भागने को मजबूर कर दिया। ▶10पर

तमिलनाडु विधानसभा में सर्व-समर्थन से प्रस्ताव पारित

भारत में वापस चाहिए कच्चातिवु द्वीप

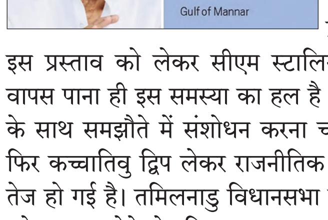

चेन्नई, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के लिए तमिलनाडु विधानसभा में आज एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव को लेकर सीएम स्टालिन ने कहा कि इस द्वीप को वापस पाना ही इस समस्या का हल है और केंद्र सरकार को श्रीलंका के साथ समझौते में संशोधन करना चाहिए।तमिलनाडु में एक बार फिर कच्चातिवु द्विप लेकर राजनीतिक गलियारे में सियासी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया, जिसे सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। विधानसभा के स्पीकर अप्पावु ने इस प्रस्ताव की घोषणा की। प्रस्ताव के पारित होने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब दिया। बता दें कि विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने डीएमके पर आरोप लगाया था कि सत्ता में रहते हुए सरकार ने इस मुद्दे को अनदेखा किया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कच्चातीवु द्वीप को वापस लेने के प्रस्ताव पर अब बात हो रही है, ▶10पर

विमानन क्षेत्र से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक राज्यसभा में मंजूर

मनमाने किराये और महंगे सामान पर कसेगी लगाम

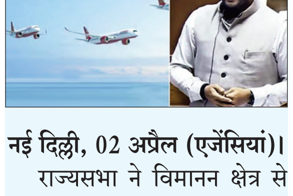

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा ने विमानन क्षेत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें विमान एवं इंजन जैसी विमानन परिसम्पत्ति की वसूली को लेकर एयरलाइन और पट्टा देने वालों के बीच विवादों का समाधान अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार करने का प्रावधान है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इससे हवाई किराए को कम करने में आंशिक रूप से मदद मिलने की उम्मीद है। ▶10पर

जैन समाज ने सदैव क्षेत्र के विकास के लिए सोचा: सावंत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। वरुर स्थित नवग्रह तीर्थ पर राष्ट्रसंत आचार्य श्री गुणधरनंदी महाराज, स्वास्तिश्री धर्म सेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी व अन्य पूज्य साधु भगवन्तों के दिव्य सानिध्य में पिछले 48 दिनों से जारी भगवान पार्श्वनाथ जी के महा मस्तकाभिषेक समारोह व सुमेरु पर्वत के उद्घाटन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुंदगोल विधायक एम आर पाटिल, हुब्बल्ली सेंट्रल क्षेत्र के विधायक महेश टैंगिंकाई उप-स्थित थे। भगवान श्री पार्श्वनाथ जी तीर्थंकर का प्रतीकात्मक अभिषेक करने के बाद सावंत ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में तीर्थ स्थलों का विकास हो रहा है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला। 12 वर्ष में एक बार आने वाला महामस्तकाभिषेक विश्व के लिए एक आदर्श है। यहां बना सुमेरू पर्वत भी अतुलनीय है। उन्होंने कहा गोवा सरकार जैन तीर्थ स्थलों सहित सभी सनातन धर्म क्षेत्रों के विकास में भी शामिल है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में केदारनाथ और सोमनाथ सहित कई क्षेत्रों का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है। इस अवसर पर डॉ सावंत ने आचार्य गुणधरनंदी महाराज से गोवा पधारने का आग्रह किया। विधायक महेश टैंगिंकाई ने कहा कि आचार्य गुणधरनंदी महाराज जैन समाज के लिए एक निगम बोर्ड बनवाने के लिए सरकार से आग्रह कर रहे है और इस पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने वादा किया है। यदि कांग्रेस सरकार के दौरान यह वादा पूरा नहीं हुआ तो अगले तीन साल बाद भाजपा सरकार फिर से प्रदेश की सत्ता में आएगी और हम समाज की मांग को पूरा करने का काम करेंगे। इस अवसर पर आचार्य गुणधरनंदी महाराज ने गोवा में जैन मंदिर के लिए 5 एकड़ जमीन देने की घोषणा के लिए गोवा के मुख्यमंत्री को बधाई देकर आभार जताया। इस दौरान महामस्तकाभिषेक समिति के महामंत्री महेन्द्र सिंघी ने सभी मेहमानों का परिचय एवं स्वागत किया। इस दौरान विधायक एमआर पाटिल, पूर्व विधायक संजय पाटिल ने भी संबोधित किया।

द्वादशम वार्षिक विशाल भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय श्री सुसवाणी माता मंदिर धाम अत्तिबेले के पवित्र प्रांगण में रविवार सायं 5 बजे से श्री सुसवाणी माता भक्त मंडल बेंगलूरु द्वारा द्वादशम वार्षिक विशाल भक्ति संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम स्थानीय कलाकार देवेन्द्र नाहटा एवं गुलाब बांठिया ने गणेश वंदना तथा माता रानी के गीत गाकर समां बांधा। भक्त मंडल की महिला विंग द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति हुई।

तदोपरांत बिकानेर से आए कलाकार नानू मास्टर उर्फ बर्फानी बाबा ने माता भजन सुसवाणी थारी छत्रछाया सारी दुनिया चावे, हर हर हर हर महादेव आदि भजनों से सभी श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उपरोक्त कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तों के लिए मंडल की तरफ से सुर्यास्त पूर्व भंडारे की व्यवस्था रखी गई थी। माइक्रोलेव्स के दिलीप सुर-राणा, बीजेपी के पुद्दुचेरी प्रभारी निर्मल सुराणा की सपरिवार गरिमामयी उपस्थिति रही। मंडल द्वारा बड़े ही उल्लासमय वातावरण में झुमते गाते माता को चुनड़ी अर्पित की गई। जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने भाग लिया। मंडल की ओर से बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों से कार्यक्रम स्थल के लिए बसों की व्यवस्था भी की गयी थी। सुराणा संघ के रिखबचंद सुराणा, अध्यक्ष महिपाल सुराणा, भक्त मंडल के अशोक सुराणा आदि अनेक माता भक्तों ने हाजरी लगाई। भक्त मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र दुगड़ ने बताया की कार्यक्रम की सफलता राजेन्द्र सुराणा के मार्गदर्शन एवं लक्ष्मीपत दुगड़ के संयोजन में विकास एन दुगड़, नवीन सुराणा, मनोज दुगड़, कमल दुगड़, प्रसन्न दुगड़, पंकज सुराणा, आनंद भंसाली, विक्रम दुगड़ आदि मंडल के सभी सदस्यों के अथक प्रयास से ही संभव हो पाया।

सीखे 25 बोल खास प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री संयम लता जी के सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के निर्देशन में गुरुदेव महाश्रमण का आगाज: सीखे 25 बोल खास प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। साध्वी रौनक प्रभा जी ने नमस्कार महामंत्र से प्रतियोगिता की शुरुआत की। साध्वी जी ने अलग-अलग ग्रुप बनवाएं और चारों ग्रुप के नाम आगम के हिसाब से रखें। आच-रांग, सूत्रकृतांग, भगवती, समवायांग, स्थानांग। पांच राउंड्स में यह प्रतियोगिता शामिल की गई, जिसमें आचारांग ग्रुप को पहला स्थान, सूत्रकृतांग ग्रुप को द्वितीय स्थान और समवायांग ग्रुप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी संभागी भाई बहनों को पुरस्कृत किया गया। संयोजिका सरिता संचेती का विशेष सहयोग रहा। तेरापंथ सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, जुगराज श्रीश्रीमॉल, महिला मंडल से अध्यक्ष ऊषा चौधरी, मंत्री लता नवलखा, तेयुप राजाजीनगर से अनिमेष चौधरी, रवि चौधरी, कन्या मंडल से पूर्वी मुथा और श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी कांता डी रायसोनी के निवास स्थान पर आयोजित की गई। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने मंडल के सदस्यों का स्वागत व नवरात्री व गणगौर कि शुभकामनाएँ दी। इस महीने की थीम नवरात्री पर थी। मंगलाचरण के पश्चात् गीतों के द्वारा त्योहारों के इस मौसम का स्वागत किया गया। जिस शासन काल में हम रहते है, भगवान महावीर के जीवन से संबंधित जानकारी हमें होनी चाहिए, इसलिए भगवान महावीर से संबंधित अनेक प्रश्नोत्तर किए गए। सभी ने खूब मन से हिस्सा लिया। सभी सदस्यों ने मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लिया। पिंकी इसरानी ने संचालन एवं आभार व्यक्त किया।*

संस्कार सभ्यता के आधार होते हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में मूर्तिपूजक संघ के मुनि आर्य शेखर विजय जी ने कहा कि संस्कार सभ्यता के आधार होते हैं। संतान को गर्भ से ही संस्कार देने चाहिए। गर्भावस्था भोग भोगने की अवस्था नहीं होती है। इस समय गर्भस्थ शिशु को शौर्य वीरता के किस्से सुनाने चाहिए और वीर रस का पान कराना चाहिए। इस समय धर्म ग्रन्थ पढ़ने से शिशु में तेजस्विता और गंभीरता आती हैं। मुनि आर्य शेखर विजय जी ने कहा कि बच्चे का निर्माण हम गर्भ अवस्था से ही कर सकते हैं। हम उसे संपत्ति के पहले संस्कार दें और व्यसन के पहले व्यवहार कुशल बनाएं। बच्चे को 5 साल की उम्र तक संस्कार दें और 15 साल की उम्र तक सहनशील बनाएं। बच्चे की हर जिद्द पूरी नही करें बल्कि उसे ना सुनने का भी अभ्यस्त कराएं। सहनशीलता का पाठ जरूरी है। उसे संघर्ष करने की विद्या दें और धैर्य वान बनाएं। बच्चों को दुख कष्ट से भी परिचय कराएं और भूख की वेदना भी बताएं। घर के वातावरण का भी बच्चों के मन पर असर होता है। जैसा आलंबन मिलेगा, वैसा ही वे व्यवहार करेंगे। हम उपदेश नहीं, उदाहरण पेश करें। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। आलेख मुनि जी ने मंगल पाठ दिया।

रान्या राव सोना तस्करी मामला

तीसरे आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आर्थिक अपराधों की विशेष अदालत ने बुधवार को रान्या राव सोना तस्करी मामले में तीसरे आरोपी साहिल जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने उसकी हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद बुधवार को उसे अदालत में पेश किया। मंगलवार को अभिनेता रान्या राव ने जमानत के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, क्योंकि कुछ दिनों पहले बेंगलूरु की एक सत्र अदालत ने राहत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। राव के वकील बीएस गिरीश ने याचिका प्रस्तुत की, जिस पर उच्च न्यायालय अगले सप्ताह सुनवाई करेगा। 27 मार्च को, बेंगलूरु में 64वें सीसीएच सत्र न्यायालय ने सोने की तस्करी के एक मामले में रान्या राव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रान्या राव को 3 मार्च को बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई से गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के साथ दर्ज की गई थी। शिकायत के अनुसार, दो विदेशी नागरिकों को 6 मार्च को भारत में 21.28 किलोग्राम सोने की तस्करी करने की कोशिश के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था, जिसकी कीमत 18.92 करोड़ रुपये है। शिकायत के अनुसार, 3 मार्च को रान्या राव की गिरफ्तारी के बाद 6 मार्च को मुंबई हवाई अड्डे पर दो विदेशी नागरिकों को भी 18.92 करोड़ रुपये के 21.28 किलोग्राम सोने की तस्करी करने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने सोना तस्करी मामले में डीआरआई के अतिरिक्त निदेशक अभिषेक चंद्र गुप्ता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है।

व्यक्ति ने अपनी बेटी समेत तीन लोगों की हत्या की, फिर आत्महत्या कर ली

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, चिकमगलूरु जिले के मगलूर गांव में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी, सास और साली की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। आरोपी की पहचान स्कूल वैन चालक रत्नाकर के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर दो साल पहले अपनी पत्नी के उसे छोड़कर चले जाने से परेशान था।

मंगलवार की रात, रत्नाकर 'होसा तोडुकू' उत्सव के दौरान अपने ससुराल वालों के घर में घुस गया और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उसकी सात वर्षीय बेटी मौल्या, उसकी 50 वर्षीय सास ज्योति और उसकी 26 वर्षीय साली सिंधु की मौत हो गई। हमले में सिंधु का पति भी घायल हो गया और वर्तमान में बालेहोन्नूर शहर के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। अपराध करने के बाद, रत्नाकर ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया जिसमें उसने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का विवरण दिया और फिर एक सुनसान जगह पर जाकर खुद पर बंदूक तान ली। वीडियो में, उसने अपनी पत्नी की अनुपस्थिति पर दुख व्यक्त किया, जिसमें बताया कि कैसे उसकी बेटी अक्सर अपनी माँ के बारे में पूछती थी। पुलिस के अनुसार, रत्नाकर की पत्नी उसे छोड़कर बेंगलूरु चली गई थी और अपनी बेटी को उसकी देखभाल में छोड़ गई थी। त्यौहार के दिन, उसकी सास मौल्या को स्कूल से उत्सव में शामिल होने के लिए ले गई थी। ऐसा संदेह है कि रत्नाकर को लगा कि उसकी अलग हो चुकी पत्नी वापस आ गई है, इसलिए वह उसे मारने के इरादे से घर पहुंचा, लेकिन गुस्से में आकर उसने अपनी बेटी और ससुराल वालों को गोली मार दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। बालेहोन्नूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

देवर दासिमैय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक: ईश्वर बी. खंड्रे

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। वन, जीव एवं पर्यावरण मंत्री तथा बीदर जिला प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने कहा कि प्रथम वचनकर देवर दासिमैय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक है। वे बुधवार को जिला प्रशासन, जिला पंचायत तथा कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बीदर में आयोजित देवर दासिमैय्या जयंती उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। महिलाओं को स्वतंत्रता, समानता और सशक्तिकरण प्रदान करना, समाज की बेहतरी में देवर दासिमैय्या का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने अपनी वचनों के माध्यम से असमानता और मूर्खता की खंडन की है। उन्होंने कहा कि बुनकर और व्यापारी अपने काम के प्रति समर्पित हैं और सभ्यता की बेहतरी में उनका योगदान बहुत बड़ा है।

लिंगायत महामठ के श्री प्रभुदेव महास्वामीजी ने अतिथि व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवकुमार शिलवंत, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के उप निदेशक सिद्धराम सिंधे और समुदाय के नेता सोमशेखर अमलापुरे, रामकृष्ण साले, नागप्पा जमगी, महादेव चौड़ेकर, शरणप्पा हावगोंड, प्रशांत सिंड्रे, धनराज हंगरगी और अन्य नेता उपस्थित थे।

मुडा घोटाला मामला : ईडी ने लोकायुक्त रिपोर्ट को खारिज करने के लिए विशेष अदालत में याचिका दायर की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में एक बार फिर कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रवर्तन निद-ेशालय (ईडी) ने लोकायुक्त पुलिस जांच रिपोर्ट को रद्द करने के लिए जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में याचिका दायर की है। ईडी का आरोप है कि सीएम सिद्धरामैया और उनके परिवार के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, उनका तर्क है कि लोकायुक्त रिपोर्ट में गलत तरीके से कहा गया है कि वह दोषी नहीं हैं। 8 पन्नों की याचिका में मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी और अन्य के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह मामला 2021 में सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मुडा द्वारा 14 भूखंडों के कथित आवंटन से संबंधित है। ईडी इस आरोप की जांच कर रहा है कि मुडा ने केसर गांव में पार्वती की 3.16 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था। आवेदन में ईडी के अनुसार हमारी जांच से साबित हुआ है कि सीएम और उनके परिवार ने गलतियां की हैं। हालांकि, चूंकि लोकायुक्त रिपोर्ट में कोई सबूत नहीं है, इसलिए यह निष्कर्ष निकाला गया है कि उनकी कोई गलती नहीं है। यह सही निष्कर्ष नहीं है। इसलिए, इस रिपोर्ट को खारिज करने का अनुरोध किया जाता है। फरवरी 2025 में, लोकायुक्त पुलिस ने सबूतों के अभाव में सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके साले और अन्य को मुडा साइट आवंटन मामले में लगभग क्लीन चिट दे दी थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि 14 साइटों के आवंटन में कोई राजनीतिक दबाव नहीं था, जिसके लिए मुडा अधिकारियों की गलती को जिम्मेदार ठहराया गया था। हालांकि, आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इस रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे और अब ईडी ने भी इसे खारिज करने की मांग की है। विपक्षी दल भाजपा और जेडीएस इस मामले का इस्तेमाल सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ करेंगे, जिन्होंने पहले ही कहा है कि लोकायुक्त रिपोर्ट सिद्धरामैया के पक्ष में एकतरफा रिपोर्ट है। कांग्रेस पार्टी ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा है कि ईडी केंद्र सरकार के निर्देश पर काम कर रही है। यह सिद्धरामैया के खिलाफ साजिश कर रही है। ईडी की याचिका पर जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत विचार करेगी और जल्द ही फैसला लिया जाएगा कि लोकायुक्त रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए या खारिज किया जाए। इस बीच, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पहले ईडी के समन को खारिज कर दिया था, लेकिन अब जांच के लिए दबाव फिर से बढ़ गया है।

ग्लोबल कंसर्न इंडिया में लगवाया आरओ वॉटर प्यूरीफायर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन ने एल.आर. नगर, कोरमंगला स्थित स्लम इलाकों में निवासरत जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई और देखभाल करने वाली संस्था ग्लोबल कंसर्न इंडिया में जाकर लाभार्थी प्रेमलता कांकरिया के सहयोग से एक आरओ वॉटर प्यूरीफायर लगवाया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि इस स्लम इलाके में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जो आर्थिक स्थिति की कमजोरी के कारण स्कूल नहीं जा सकते। ऐसे बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए 'ग्लोबल कंसर्न इंडिया' अतुलनीय कार्य कर रहा है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि 'मातृछाया' ने इस स्लम क्षेत्र में रहने वाले 50 बच्चों की एक वर्ष के लिए शिक्षा का दायित्व लिया है और आने वाले वर्षों में अधिक बच्चों को शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। सचिव रेशमा बडोला ने जानकारी दी कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, यूनिफॉर्म, और शिक्षण सामग्री प्रदान करने में सहायता करती है। ग्लोबल कंसर्न इंडिया के अध्यक्ष नारायण अड़िगे ने 'मातृछाया' के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में निम्न गुणवत्ता वाला पानी उपलब्ध होता है, जिससे बच्चों में बीमारियां फैल रही हैं। आपके सहयोग से अब उन्हें स्वच्छ पेयजल मिलेगा, जिससे वे स्वस्थ जीवन जी सकेंगे। एजुकेशनल कोऑर्डिनेटर जीना ने 'मातृछाया' से निवेदन किया कि इस स्लम इलाके में एक स्वास्थ्य एवं कैंसर जाँच शिविर का भी आयोजन किया जाए, ताकि जरूरतमंदों का समय पर उपचार संभव हो सके, जिस पर 'मातृछाया' ने सहमति व्यक्त की। मातृछाया की उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि 'मातृछाया' भविष्य में सरकारी स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चार और आरओ वाटर प्यूरीफायर स्थापित करेगी। इस अवसर पर रेशमा बड़ोला, कविता बन्दामुथा, कविता ओस्तवाल, चांदनी जैन, मनीषा सालेचा, सोनाली ललव-ानी, रिंकू जैन, मीना सोलंकी, रीटा जैन, ललिता जैन, पिंकी बन्दामुथा, गीता संचेती और ललीता आदि सदस्याएं उपस्थित रही।

सरकार ने उत्तर कर्नाटक के कई जिलों में सरकारी कार्यालयों के समय में बदलाव का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च तापमान को देखते हुए सरकार ने अप्रैल और मई में कलबुर्गी संभाग के सभी जिलों और बेलगावी संभाग के विजयपुरा और बागलकोट जिलों में सरकारी कार्यालयों का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक बदलने का आदेश दिया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने राज्य सरकार कर्मचारी संघ के अनुरोध पर इन जिलों में सरकारी कार्यालयों के समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। इन जिलों में सरकारी कर्मचारियों को बदले हुए समय के दौरान बिना किसी चूक या रुकावट के अपना कर्तव्य निभाना होगा। आदेश में कहा गया है कि यदि जिला मजिस्ट्रेट और जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के कार्यकारी अधिकारियों को किसी आपातकालीन स्थिति में कोई कार्य करने के लिए निर्देशित किया जाता है, तो उन्हें बिना किसी समय सीमा के अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, ताकि जनता को किसी भी असुविधा से बचाया जा सके।

18 विधायकों के निलंबन को वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन

विजयेंद्र ने स्पीकर पर कांग्रेस पार्टी की कठपुतली की तरह काम करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को विधानसभा में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और अपने 18 विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित किए जाने की निंदा की। पार्टी नेताओं ने इस फैसले को अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक बताते हुए निलंबन को तत्काल वापस लेने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा के सामने आयोजित प्रदर्शन में विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी वाई विजयेंद्र सहित कई विधायकों और एमएलसी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने भाग लिया। 21 मार्च को प्रभावी निलंबन अध्यक्ष की कुर्सी का अनादर करने और उन पर एक विधेयक की फटी प्रतियां फेंकने के आरोप में लगाया गया था।

मीडिया को संबोधित करते हुए आर अशोक ने अध्यक्ष यू टी खादर पर अनुचित तरीके से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा हम न्याय के लिए विधानसभा में विरोध कर रहे थे और 4 प्रतिशत मुस्लिम कोटे का विरोध कर रहे थे। अध्यक्ष को निर्वाचित प्रतिनिधियों को निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है।

अशोक ने खादर द्वारा विधानसभा की कार्यवाही को संभालने की आलोचना की और विधानसभा के भीतर हिंसा की पिछली घटनाओं को याद किया। उन्होंने अध्यक्ष पर व्यक्तिगत और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। बीवाई विजयेंद्र ने भी इन भावनाओं को दोहराते हुए निलंबन के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा अध्यक्ष को तटस्थ रहना चाहिए। उनके कार्यों से पता चलता है कि वह सत्तारूढ़ पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। हम निलंबन को बिना शर्त रद्द करने की मांग करते हैं। भाजपा नेताओं ने ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा।

विजयेंद्र ने चेतावनी दी कि सरकार का 'अहंकार' उल्टा पड़ेगा और उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से कीमतों में बढ़ोतरी पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। तनाव बढ़ने के साथ, भाजपा विधायकों और एमएलसी ने अपनी मांगें पूरी होने तक अपना विरोध जारी रखने की कसम खाई है, जिसमें निलंबन खत्म होने तक समिति की बैठकों का बहिष्कार करना भी शामिल है।

अध्यक्ष, जिन्होंने कहा था कि वे निलंबन वापस ले लेंगे, अब किस बात का इंतजार कर रहे थे। अध्यक्ष भी समझते हैं कि उनका निर्णय असंवैधानिक है। हालांकि, उन्होंने अध्यक्ष पर अहंकारी होने और सत्तारूढ़ पार्टी के दबाव में झुकने का आरोप लगाया।

उन्होंने न केवल इसे मतदाताओं का अपमान बताया, बल्कि यह भी मांग की कि 18 विधायकों का निलंबन तत्काल वापस लिया जाए। मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर अध्यक्ष चालाकी से काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अध्यक्ष का पद धर्म, संप्रदाय या पार्टी पर आधारित नहीं होता।

व्यय संबंधी निर्णय लेने का अधिकार संबंधित विभागों के प्रमुखों के पास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वित्त विभाग ने संबंधित विभागाध्यक्षों और आकलन अधिकारियों को चालू वित्त वर्ष में निर्दिष्ट सेवाओं और उद्देश्यों के लिए खर्च करने का अधिकार दिया है। चालू वर्ष के विनियोग विधेयक को राज्य विधानमंडल द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है, राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हो गई है, तथा इसे आधिकारिक रूप से राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है। इस प्रकार विभागीय अनुदान आवंटित करने वाले वित्त विभाग ने अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त, जिला कलेक्टर एवं संबंधित विभाग के जीपीएम को सूचित कर दिया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को अनुदान को निर्धारित उद्देश्यों के लिए खर्च करने की अनुमति है। व्यय को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार सभी विभाग प्रमुख और अन्य अधिकारी, किसी अधियाचना के तहत प्रदान की गई धनराशि को पुनः समायोजित नहीं कर सकते। यह सलाह दी गई है कि बिना सरकारी अनुमोदन के बचत से पुनर्समायोजन की अपेक्षा करते हुए किसी भी इकाई में अत्यधिक व्यय न किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुदान वर्ष के सभी महीनों में समान रूप से वितरित किया जाए। वित्त विभाग ने निर्देश दिया है कि नई सेवाओं के लिए तब तक कोई व्यय नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि साडिल-वार निधि या अनुपूरक अनुमानों के माध्यम से धनराशि जारी न हो जाए। वित्त विभाग ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे उन्हें दिए गए प्राधिकार तथा समय-समय पर जारी तिमाही किश्तों के आदेश के अनुसार अनुदान जारी करें तथा व्यय करें। विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि व्यय जी.पी.एम. के लिए बजट आवंटन में दर्शाई गई राशि से अधिक न हो। इसने क्षेत्रीय विभाग से मासिक रिपोर्ट प्राप्त की है तथा व्यय को नियंत्रित करने के निर्देश जारी किए हैं।

बोम्मई ने वंदे भारत ट्रेन को हावेरी में रोकने के आदेश देने पर रेल मंत्री को बधाई दी

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री वी.सोमण्णा ने बेंगलूरु से धारवाड़ के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हावेरी में रोकने का आदेश दिया है। जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी सांसद बसवराज बोम्मई ने सोमन्ना को बधाई दी। उन्होंने इस मामले पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत में सभी क्षेत्रों में बड़ी क्रांति आई है।

विशेषकर रेलवे कनेक्टिविटी, डिजिटल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आई है। विश्व में सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क वाले देश भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में कर्नाटक में सबसे अधिक रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष कर्नाटक में रेलवे परियोजनाओं के विकास के लिए 7,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। परिणामस्वरूप, कर्नाटक में हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के कारण है। बेंगलूरु और धारवाड़ के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन बेंगलूरु से हुब्बल्ली-धारवाड़ तक केवल पांच घंटे में पहुंचती है। यह कार्य केवल तुमकुरु, दावणगेरे और हुब्बल्ली-धारवाड़ के स्टॉप पर ही किया गया।

हावेरी जिले के लोग मांग कर रहे थे कि यह ट्रेन हावेरी में भी रुके। हावेरी सिरसी, कारवार, तटीय कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक (बेल्लारी सहित) के बीच संपर्क केंद्र है। इसलिए, हावेरी महाजनता और चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मांग की कि वंदे भारत ट्रेन हावेरी में रुके। मैंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर दबाव डाला था और राज्य के रेल राज्य मंत्री वी. सोमण्णा से जिले के लोगों की मांगों को पूरा करने की अपील की थी। उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने वंदे भारत ट्रेन को हावेरी में रोकने का आदेश दिया है। यह फिलहाल परीक्षण के आधार पर है। यदि यात्रियों की संख्या बढ़ेगी तो वे इसे स्थायी बना देंगे। इस रेल स्टॉप के उद्घाटन की तिथि जल्द ही तय की जाएगी। मैं हावेरी के लोगों को हावेरी में वंदे भारत ट्रेन को सफलतापूर्वक रोकने के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने हावेरी के लोगों से वंदे भारत ट्रेन का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की।

सिंचाई के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिंचाई के लिए पानी छोड़ने की मांग कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।

मंत्री शरणबसप्पा गौड़ा दर्शनपुर के नेतृत्व में कर्नाटक राज्य किसान संघ और किसान सेना के प्रतिनिधियों ने बुधवार को शिवकुमार से उनके सदाशिवनगर स्थित आवास पर मुलाकात की। उन्होंने सरकार से नारायणपुर बसवसागर जलाशय की दाईं और बाईं नहरों से 15 अप्रैल तक पानी छोड़ने का आग्रह किया, ताकि 89,000 हेक्टेयर में खड़ी फसलों को बचाया जा सके। शिवकुमार ने उनकी चिंताओं को स्वीकार किया लेकिन बताया कि पानी की कमी के कारण किसानों को दूसरी फसल न बोने की सलाह दी गई है। उन्होंने राज्यों द्वारा केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने के बजाय जल-बंटवारे के विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कृष्णा नदी के जल मुद्दों के बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस को पत्र लिखा था। कीमतों में बढ़ोतरी पर राजनीतिक विरोध का जवाब देते हुए शिवकुमार ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ भाजपा के विरोध की आलोचना की और इसे किसान विरोधी बताया। उन्होंने तर्क दिया कि कर्नाटक में दूध और दही अन्य राज्यों की तुलना में अधिक किफायती हैं और भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि अगर वे वास्तव में जनता की परवाह करते हैं तो ईंधन और मवेशियों के चारे की कीमतें कम करें। बेंगलूरु में संशोधित जल शुल्क के संबंध में, उन्होंने एक पैसे प्रति लीटर की मामूली वृद्धि को उचित ठहराया, और बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के 1,000 करोड़ रुपये के वार्षिक घाटे का हवाला दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मूल्य समायोजन से वंचितों पर बोझ नहीं पड़ेगा और जल संरक्षण के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। अपशिष्ट प्रबंधन पर, शिवकुमार ने भाजपा पर उपकर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह कानून केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया था और बाद में 2022 में राज्य की भाजपा सरकार द्वारा लागू किया गया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए नागरिकों पर वित्तीय दबाव को कम करने के प्रयास चल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी के अपने भाई एक दूध सहकारी समिति के अध्यक्ष हैं और उनके पास दूध की कीमतें कम करने का अधिकार है। उन्होंने कहा देखते हैं कि क्या वह हासन में दूध की कीमत 4 रुपये कम करते हैं। उन्होंने किसानों और स्थानीय शासन को समर्थन देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

डीके, उडुपी में नंदिनी दूध, डेयरी उत्पादों की संशोधित कीमतें लागू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में नंदिनी दूध और दही की कीमतों में संशोधन किया गया है। राज्य सरकार और केएमएफ के निर्देशों के अनुसार नई दरें आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल से लागू हो गई। संशोधित कीमतों के अनुसार, टोंड दूध अब 500 मिलीलीटर के लिए 24 रुपये और 1000 मिलीलीटर के लिए 46 रुपये है, जबकि होमोजेनाइज्ड गाय के दूध की कीमत 500 मिलीलीटर के लिए 26 रुपये और 6 लीटर के जंबो पैक के लिए 312 रुपये है। शुभम दूध की कीमत 500 मिलीलीटर के लिए 27 रुपये है। दही की कीमत 200 ग्राम के लिए 15 रुपये, 415 ग्राम के लिए 27 रुपये और 6 किलोग्राम के जंबो पैक के लिए 336 रुपये निर्धारित की गई है। अन्य डेयरी उत्पादों में मीठी लस्सी (200 मिली) 15 रुपये, आम लस्सी (200 मिली) 19 रुपये, मसाला छाछ (200 मिली) 12 रुपये, मसालेदार छाछ (180 मिली) 8 रुपये, जीरा छाछ (250 मिली) 14 रुपये, सादा छाछ (500 मिली) 26 रुपये और सादा छाछ (1000 मिली) 51 रुपये है। फेडरेशन के प्रबंध निदेशक विवेक डी ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा जब तक मौजूदा पाउच फिल्म स्टॉक खत्म नहीं हो जाता, तब तक पुरानी छपी कीमतों वाले दूध और डेयरी उत्पाद बेचे जाते रहेंगे। हालांकि, सभी उपभोक्ताओं और अधिकृत नंदिनी डीलरों को संशोधित दरों का पालन करना होगा।

हनीट्रैप विवाद मामला : जांच पर फैसला सीएम और गृह मंत्री करेंगे: मंत्री के एन राजन्ना

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने कथित तौर पर उन्हें निशाना बनाकर किए गए विवादास्पद हनी-ट्रैप प्रयास पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मामले के कुछ तथ्यों को उजागर नहीं किया जा सकता है और औपचारिक जांच करने का निर्णय मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर को लेना है। राजन्ना ने पहले कर्नाटक विधानसभा में एक बयान दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने उनके राजनीतिक करियर को खत्म करने के लिए उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाने की कोशिश की थी। इस खुलासे से व्यापक अटकलें और विवाद पैदा हो गए हैं। अपने बयान के बाद, राजन्ना ने गृह मंत्री परमेश्वर को एक याचिका प्रस्तुत की, जिसके बाद आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने मामले की जांच शुरू कर दी। तुमकुरु में सिद्धगंगा मठ में पत्रकारों से बात करते हुए, राजन्ना ने कहा हनी-ट्रैप मामले की जांच सरकार को जिस तरह से उचित लगे, उसे आगे बढ़ने दें। अगर वे मुझे नोटिस जारी करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करने दें। उन्होंने आगे कहा मुझे नहीं पता कि इस मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) या किसी अन्य एजेंसी द्वारा की जाएगी या नहीं। यह निंदनीय है कि कुछ लोग इतने निचले स्तर पर गिर गए हैं। मैं इस बयान से किसी को निशाना नहीं बना रहा हूं - यह बात मुझ पर भी लागू होती है। इस मामले को लेकर उठे विवाद ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर दरार को गहरा कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल पहले ही इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप कर चुके हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के लिए नई दिल्ली रवाना होने वाले हैं, जहां हनी-ट्रैप मामले और अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इससे संबंधित घटनाक्रम में, तुमकुरु शहर में क्यात्संद्रा पुलिस ने राजन्ना के बेटे एमएलसी राजेंद्र राजन्ना की हत्या की साजिश के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। कर्नाटक पुलिस ने इस मामले के संबंध में पिछले शनिवार को तीन पुरुषों और एक महिला सहित पांच व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। एमएलसी राजेंद्र राजन्ना ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ उनके पिता के मजबूत राजनीतिक गठबंधन के कारण, वे बेंगलूरु में कई प्रभावशाली लोगों की राजनीतिक दुश्मनी का निशाना बन गए थे। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश रची थी। साजिश से जुड़ी एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद, पुलिस ने मामले के सिलसिले में एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। सीआईडी ने हनी-ट्रैप मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। भाजपा विधायक एन मुनिरत्न ने आरोप लगाया है कि हनी-ट्रैप के प्रयास के पीछे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार हैं, हालांकि शिवकुमार ने आरोपों से दृढ़ता से इनकार किया है।

फ्रीडम पार्क में भाजपा का रात्रिकालीन धरना शुरू

कांग्रेस सरकार ने लोगों को मूल्य वृद्धि की गारंटी दी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य में सत्तासीन कांग्रेस पार्टी की सरकार मूल्य वृद्धि की गारंटी देती है। वह बुधवार को फ्रीडम पार्क में भाजपा के दिन-रात के धरने के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे, जिसमें कांग्रेस सरकार की मूल्य वृद्धि नीति के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। वे विज्ञापन दे रहे हैं कि सरकार ने वादे के अनुसार काम किया है।

यह कोई मानवीय सरकार नहीं है। उन्होंने कहा था कि सत्ता में आने के 24 घंटे के भीतर ही वे इस गारंटी को लागू कर देंगे। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि महीनों बीत जाने के बाद भी गारंटियों का उचित ढंग से क्रियान्वयन नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री, कृपया अपना एसी बंद कर कमरे से बाहर आएं। आप बेंगलूरु के मुख्यमंत्री नहीं हैं। सिद्धरामैया ने कहा कि अतीत में राजा और सम्राट भेष बदलकर अपनी प्रजा का हालचाल जानने जाते थे। फिर वे ऐसी योजना लागू करते थे, जिससे लोगों को लाभ हो। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा यदि आप महाराजा के पद पर होते हुए अपनी कुर्सी की असुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, तो डी.के. शिवकुमार को अपने साथ ले जाइए। बुवाई के बीज की कीमत बढ़ गई है।

उन्होंने सरकार से राज्य का दौरा कर यह पता लगाने का आग्रह किया कि क्या लोग पिछले 20 महीनों के प्रशासन से खुश हैं। वह महिलाओं के लिए 2,000 रुपये और बिजली सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में भाषण देते हैं। हालाँकि इन्हें ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने इस सरकार पर लोगों पर मूल्य वृद्धि थोपने का आरोप लगाया। गरीब, किसान और आम लोग आज इतनी विकट स्थिति में हैं कि वे आराम से नहीं रह सकते। उन्होंने पेट्रोल, डीजल, दूध की कीमतों और सरकारी अस्पताल की फीस में बढ़ोतरी की आलोचना की।

उन्होंने कहा हम 7 अप्रैल से जनाक्रोश यात्रा शुरू करेंगे। विजयेंद्र ने बताया कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने सरकारी नौकरियों में मुसलमानों को अवैध रूप से 4 प्रतिशत आरक्षण दिया है। दूसरी ओर, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए निर्धारित एसईपी और टीएसपी निधियों का दुरुपयोग किया गया है। वहीं कीमतों में बढ़ोतरी जारी है।

उन्होंने कहा कि वे इस सब के विरोध में एक सार्वजनिक विरोध मार्च निकालेंगे। उन्होंने बताया कि यह भारतीय जनता पार्टी द्वारा भ्रष्ट कांग्रेस सरकार की मूल्य वृद्धि के खिलाफ छेड़ी गई लड़ाई है। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले देश की जनता से कई वादे किए थे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार लोगों की आंखों में धूल झोंककर सत्ता में आई है। राज्य सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने सरकार को भ्रष्ट बताया।

उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह ऐसी सरकार है जो भ्रष्टाचार की गारंटी देती है। आने वाले दिनों में कर्नाटक में भाजपा की सरकार सत्ता में आएगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जिन्होंने हम पर 40 प्रतिशत कमीशन का झूठा आरोप लगाया था, अपने झूठे आरोपों के लिए इस्तीफा दें।

उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा डा. अंबेडकर और उनके संविधान को सम्मान देने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व डीसीएम डॉ. अश्वथ नारायण, वरिष्ठ नेता सी.टी. रवि, बी. श्रीरामुलु, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, सभी पूर्व मंत्री, विधायक एवं विधान परिषद सदस्य, पराजित प्रत्याशी, राज्य के सभी जिला अध्यक्ष, मोर्चों, प्रकोष्ठों के संयोजक, सह-संयोजक एवं प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य के समग्र विकास में कानून और व्यवस्था की अहम भूमिका: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कानून और व्यवस्था, पूंजी निवेश, विकास और रोजगार सृजन एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं, इसलिए राज्य के समग्र विकास में कर्नाटक राज्य पुलिस की भूमिका अहम है। यहां बेंगलूरु में पुलिस ध्वज दिवस पर बोलते हुए उन्होंने कहा बेरोजगारी तेजी से एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रही है। इससे प्रभावी तरीके से निपटने के लिए कानून और व्यवस्था प्रबंधन की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने बढ़ते साइबर अपराध से निपटने और राज्य में नशीले पदार्थों के खतरे को जड़ से खत्म करने तथा कर्नाटक को 'ड्रग्स मुक्त' बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कर्नाटक राज्य पुलिस को बीट सिस्टम को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी सभी जरूरतों के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी, लेकिन सरकार कर्तव्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

पिछले तीन वर्षों से नहीं दिए जाने वाले मुख्यमंत्री पुलिस पदक 2 अप्रैल को कुल 475 कर्मियों को दिए गए - 2022 (131 कर्मी), 2023 (124 कर्मी) और 2024 (220 कर्मी)। कर्नाटक राज्य खुफिया और नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) के कुल 22 कर्मियों को राज्य को 'नक्सल मुक्त' बनाने के लिए पदक से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में खुफिया प्रमुख हेमंत निंबालकर, आईजीपी वाई.एस. रविकुमार, डीआईजी सुधीर कुमार रेड्डी, डीआईजी, राज्य खुफिया और एसपी हरिराम शंकर शामिल हैं, जिन्होंने नवंबर 2024 में माओवादी कार्यकर्ता विक्रम गौड़ा के मुठभेड़ के बाद राज्य में सभी सक्रिय माओवादी कार्यकर्ताओं के आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे राज्य 'नक्सल मुक्त' हो गया। विक्रम गौड़ा के खिलाफ ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले एएनएफ के एसपी जितेंद्र कुमार दयामा और ऑपरेशन में भाग लेने वाले अन्य लोगों को भी सीएम पदक से सम्मानित किया गया। माओवादी कार्यकर्ताओं को मुख्यधारा में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नागरिक समाज समूह शांतिगागी नगरकिरा वेदिके ने सभी माओवादी कार्यकर्ताओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को सीएम पदक से सम्मानित करने का स्वागत किया है।

डीके, उडुपी समेत 11 जिलों में अगले चार दिनों के लिए येलो अलर्ट

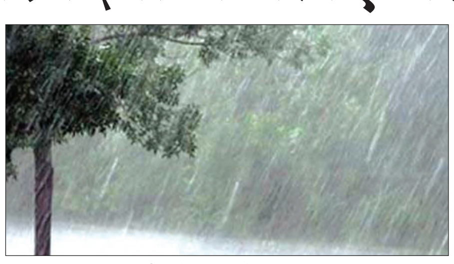

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों में कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की है। राज्य के तटीय और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है, जबकि 11 जिलों को येलो अलर्ट के तहत रखा गया है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़, शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, मैसूरु, हासन, कोडागु और चामराजनगर उन जिलों में शामिल हैं, जहां बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का भी अनुमान लगाया है। बेंगलूरु में मंगलवार से बादल छाए हुए हैं और आईएमडी ने गुरुवार से बारिश की भविष्यवाणी की है। शिवमोग्गा, कोडागु, हासन, चिक्कमगलूरु, हावेरी, गदग, धारवाड़, बेलगावी, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विजयनगर, तुमकुरु, रामनगर, मैसूरु, मांड्या, कोलार, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, चिक्कबल्लापुर, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण और बेंगलूरु शहरी में मध्यम बारिश की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक सी एस पाटिल के अनुसार, आईएमडी ने 4, 5 और 6 अप्रैल को भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिसके कारण कई प्रमुख जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। धारवाड़, कलघाटगी और बेलगावी में पहले ही बारिश हो चुकी है, जबकि कलबुर्गी में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित होने वाले एक चक्रवाती सिस्टम से महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु पर असर पड़ने की उम्मीद है।

भाजपा, जेडीएस ने कर्नाटक सरकार द्वारा डीजल की कीमतों में वृद्धि की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को डीजल की कीमतों में तत्काल 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की, जिस पर विपक्षी दलों भाजपा और जेडीएस ने तीखी आलोचना की। इस बढ़ोतरी से पहले राज्य में डीजल की कीमत 88.99 रुपये प्रति लीटर थी।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे लोगों पर बोझ बताया। उन्होंने कहा कर्नाटक के लोगों के लिए जनविरोधी मूल्य-वृद्धि राक्षस सरकार से एक और झटका। कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने पिछले 10 महीनों में डीजल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई शुरुआत के प्रतीक उगादी के अवसर पर, कुमारस्वामी ने सरकार पर नागरिकों पर नई वित्तीय मुश्किलें थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा जैसे ही लोग सुबह उठते हैं, कर्नाटक ईस्ट इंडिया कांग्रेस कंपनी उन्हें लूट के साथ थप्पड़ मारती है।

इस कांग्रेस कंपनी की सरकार के पास न तो दूरदर्शिता है और न ही करुणा। लोगों के पास इस क्रूर शोषण के विरोध में सड़कों पर उतरने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने भी इस फैसले की आलोचना की और इसे आम आदमी के लिए एक और झटका बताया।

उन्होंने कहा सिद्धरामैया सरकार ने एक बार फिर अपनी अतृप्त लालच को उजागर किया है, डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है - यह कदम आम आदमी को और अधिक परेशान करेगा। उन्होंने कहा गरीब, बुजुर्ग, किसान और वेतनभोगी कर्मचारी - सभी इस सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण लगातार पीड़ित हैं। हर नया फैसला उन्हें और अधिक निचोड़ता है, जिससे उन्हें कोई राहत, कोई सहारा नहीं, केवल दर्द मिलता है। उन्होंने कहा हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक कि इन अमानवीय मूल्य वृद्धि को वापस नहीं लिया जाता।

कर्नाटक इससे बेहतर का हकदार है - यह शोषण बंद होना चाहिए। डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे दिन हुई है जब संशोधित बिजली शुल्क और दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी भी लागू हुई है। डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की आखिरी मिनट की अधिसूचना ने लोगों के असंतोष को और बढ़ा दिया है।

राज्य में अपराध और मादक पदार्थ गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने का करें प्रयास: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य में अपराध और मादक पदार्थ गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने सहित महिलाओं की सुरक्षा पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। कोरमंगला के केएसआरपी परेड ग्राउंड में आयोजित पुलिस झंडा दिवस समारोह और मुख्यमंत्री पदक वितरण समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर में शांति कायम रहनी चाहिए। परिणामस्वरूप, राज्य में अधिक पूंजी प्रवाहित होगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नौकरियां बढ़ेंगी। प्रदेश में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता की खुशहाली को भी बरकरार रखा गया है। साम्प्रदायिकता भड़काने वाले छिपे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस विभाग को कार्यकुशलता और ईमानदारी के मामले में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहिए।

पुलिस विभाग का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा इसके कर्मियों की बेहतरी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कई योजनाओं की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि हमारे विभाग को चुनौतियों से पार पाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। साइबर अपराध देश में सबसे बड़ी चुनौती है। राज्य में प्रतिवर्ष 20,000 मामले दर्ज होते हैं। बेंगलूरु एक आईटी शहर है और यहां इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने के कारण साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। इसे समतल करने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। बेंगलूरु सिटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सेंटर ने एस्ट्राम ऐप लॉन्च किया है।

यह सराहनीय है कि इसे राष्ट्रीय मान्यता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवास बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान बजट में पुलिस आवास परियोजना को अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखा गया है। राज्य में युवा समुदाय को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है। अब तक पुलिस विभाग ने स्कूल और कॉलेज के छात्रों सहित 10 लाख युवाओं को जागरूक किया है। कर्नाटक पुलिस अच्छा काम कर रही है। उन्होंने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करवाया है और कर्नाटक को नक्सल मुक्त बनाया है।

मेंगलूरु में बैंक मामले के आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। दावणगेरे डकैती मामले में आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों रुपए के कीमती सोने के आभूषण बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इसी तरह ईमानदारी व कार्यकुशलता से कार्य करते हुए मुख्यमंत्री पदक प्राप्त करेंगे। मैं उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सलाम करता हूं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से विभाग की सेवा की, दिन-रात काम किया और कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। 2 अप्रैल पुलिस विभाग में एक विशेष दिन है। झंडा दिवस 2 अप्रैल को मनाया जाता है, क्योंकि 1955 में कर्नाटक में पुलिस अधिनियम लागू हुआ था। उन्होंने इस दिवस पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद, राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव उमाशंकर सिंह, पुलिस विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पार्किंग और कचरा शुल्क लोगों पर बोझ नहीं बनेगा: तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने स्पष्ट किया है कि नए पार्किंग शुल्क और कचरा कर लगाने के फैसले से जनता पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने परिसर के अंदर वाहन पार्किंग पर कर तथा वाहन कर के मुद्दे को स्पष्ट किया। पहले पार्किंग शुल्क का 50 प्रतिशत लिया जाता था। इस पर आपत्ति जताई गई है कि अब यह बहुत ज्यादा हो गया है। इससे पहले, फीस जोन के आधार पर निर्धारित की जाती थी, और हम प्रति जोन राजस्व कमा रहे थे। हालांकि, उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था से राजस्व में 43 करोड़ रुपये की कमी आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमने नई व्यवस्था बनाई है, ताकि भले ही हमें करोड़ों का खर्च आए, लेकिन इससे लोगों को मदद मिलेगी, जिससे जनता को असुविधा नहीं होगी। इसी तरह कचरा संग्रहण कर को लेकर भी काफी चर्चा है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में एक उपनियम है। उन्होंने कहा कि 2020 में बीबीएमपी ने एक उपनियम बनाया और अपशिष्ट उत्पादन पर दरें निर्धारित कीं। 2020 में जब जनप्रतिनिधि बैठे, तब ये बनकर तैयार था। योजना ये थी कि आम लोगों पर कैसे टैक्स लगाया जाए। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली विभिन्न राज्य एवं स्थानीय प्रशासनों में पहले से ही लागू है। पुणे और मुंबई सहित कई स्थानों पर कचरे पर कर लगाने की व्यवस्था पहले से ही लागू है। आयुक्त ने बताया कि 2020 में कोविड के प्रकोप के कारण हम इसे लागू नहीं कर पाए थे, लेकिन अब हम इसे सरकारी अनुमति से लागू कर रहे हैं। लेकिन हम उपनियम से 50 प्रतिशत कम कर वसूलने के लिए उपनियम लागू कर रहे हैं। हमने वाणिज्यिक, थोक अपशिष्ट उत्पादकों से शुल्क लिया है। नियम 2020 में बनाए गए थे, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया गया। अब चूंकि एक उपनियम था, हमने इसे लागू कर दिया। उन्होंने कहा कि कचरा निपटान प्रबंधन का खर्च अब एकत्रित धनराशि से पूरा किया जाएगा।

चिली के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी की तारीफ में खूब पढ़े कसीदे

मोदी भू-राजनीति के सबसे अहम खिलाड़ी

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने भारत दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी को इस वक्त का सबसे ताकतवर नेता बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल में प्रधानमंत्री मोदी सबसे अहम खिलाड़ी हैं। भारत के भू-राजनीतिक रुख पर बोलते हुए चिली के राष्ट्रपति ने कहा, भारत विश्व में शांति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी की आजकल एक अजीब स्थिति है कि वे दुनिया के हर नेता व्लादिमीर पुतिन, डोनाल्ड ट्रंप, वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात कर सकते हैं। वे यूरोपीय संघ, ब्रिक्स या ईरान और ब्रिक्स में लैटिन अमेरिकी नेताओं समेत सभी से संपर्क कर सकते हैं, उन्हें अहम सुझाव दे सकते हैं। यह कुछ ऐसा है, जो अब कोई अन्य नेता नहीं कर सकता। आप आजकल भू-राजनीतिक माहौल में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में चिली के राष्ट्रपति का स्वागत किया और उनके सम्मान में भोज का आयोजन किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चिली के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों सहित अन्य नेता मौजूद थे। यहां उन्होंने कहा, भारत में किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत हूं। मैं पहली बार राजकीय यात्रा पर यहां आया हूं। मैं यहां मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 16 वर्षों से चिली से कोई भी यहां नहीं आया है और इन 16 वर्षों में भारत बहुत बदल गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट के सम्मान में एक भोज का आयोजन किया। इस दौरान वहां मौजूद अतिथिगणों को संबोधित करते हुए चिली के राष्ट्रपति कहा कि चिली भारत के साथ हमारे संबंधों पर काम करना चाहता है। उन्होंने कहा, चिली एक ऐसा देश है जो दुनिया से जुड़ा हुआ है और अब हम भारत के साथ अपने संबंधों पर काम करना चाहते हैं। आज हमने कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने भारत के साथ अपने देश के संबंधों की अहमियत पर भी बात की। उन्होंने रणनीतिक आजादी और आपसी सहयोग की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, चिली एक ऐसा देश है जो दुनिया से जुड़ा हुआ है। हम किसी एक विशेष देश पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि हमारे चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, हमारे क्षेत्र के देशों, लैटिन अमेरिका, एशिया प्रशांत, जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध हैं। अब हम भारत के साथ अपने संबंधों को और अधिक गहराई से काम करना चाहते हैं। इसके लिए हमने आज कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक और प्रधानमंत्री मोदी दोनों की पहली मुलाकात नवंबर 2024 में रियो डी जेनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। वायुसेना स्टेशन पालम पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति बोरिक के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी राष्ट्रपति बोरिक से मुलाकात की। राष्ट्रपति बोरिक के साथ विदेश मामलों, कृषि, खनन, महिला और लैंगिक समानता तथा संस्कृति, कला और विरासत मंत्री, संसद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी नेता भी आए हैं।

भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया : अश्विनी

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया है जिसमें परिचालनिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि रेल मंत्रालय ने 2024 से समूह 'ग' पदों की भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है, जिससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति आएगी।

भारतीय जनता पार्टी के बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री से भारतीय रेलवे, विशेषकर छत्तीसगढ़ में रिक्तियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी। उन्होंने इन रिक्तियों को भरने की समय-सीमा और नए भर्ती कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर जानकारी मांगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रेलवे में रोजगार और उनके प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रेलवे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता आवश्यक है ताकि योग्य अभ्यर्थियों को उचित अवसर मिल सके। छत्तीसगढ़ में रेलवे भर्ती और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधनों को सुदृढ़ करने की मांग करते हुए उन्होंने रेल मंत्रालय से विशेष ध्यान देने का आग्रह किया ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

रेल मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील देने के बाद रेलवे ने दो प्रमुख परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया और 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गयी। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल (2004-2014) में 4.11 लाख भर्तियां हुई थीं, जबकि भाजपा के 10 वर्ष के शासनकाल (2014-2024) में 5.2 लाख भर्तियां हुई हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य या क्षेत्र के उम्मीदवारों को विशेष प्राथमिकता नहीं दी जाती और न ही भर्ती प्रक्रिया को किसी राज्य तक सीमित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में रेलवे कर्मचारियों के प्रशिक्षण को लेकर भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोनल मुख्यालय बिलासपुर स्थित क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान और रायपुर, भिलाई, उसलापुर (बिलासपुर) में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र रेलवे कर्मचारियों की दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही तकनीकी कौशल को उन्नत करने के लिए पुनश्चर्या और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

गुजरात के जामनगर में बड़ा हादसा

जगुआर फाइटर प्लेन क्रैश, दूर तक बिखरे विमान के टुकड़े

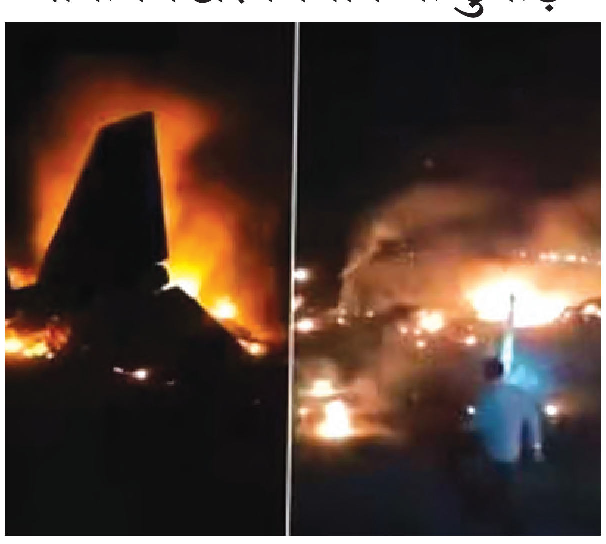

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर में उस समय हड़ंप मच गया जब एक फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। रक्षा सूत्रों के मुताबिक घटना सुवरडा गांव के बाहरी इलाके की है, जहां जगुआर फाइटर प्लेन क्रैश होकर कई टुकड़ों में टूट गया। विमान के टुकड़े दूर तक जाकर गिरे। हादसे के बाद इलाके में धुएं का गुबार फैल गया।

घटना के बाद का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पायलट जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है और उसके आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा है. साथ ही आसपास विमान के टुकड़े बिखरे पड़े हैं और आग लगी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पायलट को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वायुसेना के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और क्रैश के कारणों का पता लगाने में जुट गए। बता दें कि पिछले महीने भी हरियाणा के पंचकूला के पास सिस्टम में खराबी के कारण एक और जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। पायलट सुरक्षित रूप से विमान को आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने में कामयाब रहा। विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी।

नक्सल विरोधी अभियान में मुठभेड़ में 02 खूंखार नक्सली धराशायी

भोपाल, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्र एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा मार्च, 2026 तक भारत को वामपंथी अतिवाद की पुरानी समस्या से मुक्त करने के उद्देश्य से अपनाई गई बहुआयामी रणनीति के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने आज एक मुठभेड़ में माओवादियों के एम.एम.सी. जोन (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) के के.बी. डिवीजन (कान्हा भोरमदेव) की भोरमदेव एरिया कमेटी के 02 हार्डकोर महिला नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के विरुद्ध लगातार आक्रामक कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के मुंडीदादर-गनेरीदादर-परसाटोला जंगल क्षेत्र में माओवादियों की सूचनाएं मिलने पर इनकी तलाश के लिए सुरक्षा बलों को जंगल में भेजा गया था।

आप्रवास विधेयक को संसद की मंजूरी, देश में आने वालों पर कड़ी नजर रखी जायेगी: राय

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा ने देश में प्रवेश, निवास और यात्रा से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल तथा पारदर्शी बनाने और विदेशियों तथा आप्रावसन से संबंधित सभी मामलों को विनियमित करने वाले आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक 2025 को विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इसके साथ ही इस विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है।

विपक्षी सदस्यों ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन से बहिर्गमन किया।

श्री राय ने विधेयक पर चार घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पुराने कानून के कमजोर और बिखरे हुए होने के कारण संबंधित कानूनों को समाहित करके नया कानून बनाना जरूरी हो गया था। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश की आंतरिक सुरक्षा तथा अर्थतंत्र को मजबूती देगा और वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए मजबूत नींव रखने के लिए लाया गया है।

विपक्ष के देश में भय का माहौल बनाने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में भय का माहौल बनाने के लिए नहीं बल्कि देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त विदेशियों को देश से बाहर निकालने तथा उनके देश में प्रवेश पर रोक लगाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि देश में आने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जायेगी।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तीन वर्ष के गहन विचार विमर्श के बाद देश की आवश्यकता के अनुरूप लाया गया है और इसमें देश में आने वाले के लिए वैध दस्तावेजों की अनिवार्यता की गयी है।

उन्होंने कहा कि देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए आने वाले लोगों का स्वागत है लेकिन देश विरोधी गतिविधि चलाने वालों को देश में नहीं रुकने दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसीलिए देश में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सूचना और निगरानी को अनिवार्य बनाया गया है।

श्री राय ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तत्कालीन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के शासन में घुसपैठ को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सीमा में अभेद्य बाड लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है। जमीन मिलते ही सरकार वहां बाड़ लगाने का काम शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को वहीं सफलता मिल रही है जहां भाजपा की सरकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बीएसएफ के कार्य में बाधा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों से घुसपैठ में कमी आयी है और राज्य सरकार को इसमें और सहयोग करना चाहिए।

विपक्ष के ज्यादातर दलों ने उनकी इस बात का विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

उन्होंने कहा कि आप्रवास ब्यूरो देश में पहले से ही कार्य कर रहा है और इस तरह के ब्यूरो कई अन्य देशों में भी हैं। इससे अप्रवासियों की सुविधा बढ़ेगी ।

श्री राय ने कहा कि विधेयक के प्रावधानों में देश के करोड 72 लाख एनआरआई की सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार किसी को डराना नहीं चाहती है लेकिन देश विरोधी गतिविधियां चलाने वालों को तो डरना ही पडेगा। उन्होंने सदस्यों के इस आरोप का खंडन किया कि सीएए कानून अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सीएए कानून की अधिसूचना पिछले वर्ष ही कर दी गयी थी। उन्होंने कहा कि इस कानून के आधार पर 36 हजार घुसपैठियों को बाहर किया गया है। विधेयक में अपील का कानून नहीं होने पर उन्होंने कहा कि यह किसी देश में नहीं है।

इस विधेयक से देश की छवि बिगड़ने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि देश की छवि उस समय बिगडती है जब देश में आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है।

विधेयक में पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) एक्ट, 1920, विदेशियों का पंजीकरण एक्ट, 1939, विदेशी विषयक एक्ट, 1946 और आप्रवास (वाहक दायित्व) एक्ट, 2000 को निरस्त कर इसकी जगह पर एक समावेशी कानून बनाया गया है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माला जंगल में धधकी आग

पीलीभीत, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में सप्ताहभर में आग लगने की दूसरी घटना हुई है। माला जंगल में मंगलवार को भड़की आग ने बुधवार को विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों और किसानों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में मंगलवार को माला रेंज के जंगल में धधकी आग ने बुधवार को विकराल रूप धारण कर लिया। आग खेतों के नजदीक बढ़ती देख हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों के अलावा किसानों ने 10 से अधिक ट्रैक्टरों की मदद से आग पर बमुश्किल काबू पाया। किसानों का आरोप है कि जंगल में आग बुझाने में लापरवाही से बरती गई।

गर्मी और तेज हवा चलने से आग की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। इसको देखते हुए पीटीआर में भी फायर सीजन शुरू कर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। कंट्रोल रूम स्थापित करने के साथ रेंज स्तर पर भी गंभीरता बरतने की हिदायत दी गई, लेकिन सतर्कता के दावों के बीच पांच दिन पूर्व महोफ के जंगल में आग लगने से 50 हेक्टेयर दायरे में ग्रासलैंड और पेड़ों को नुकसान पहुंचा था।

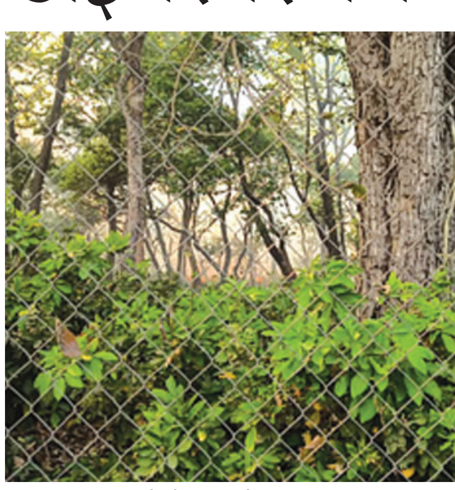

मंगलवार को माला रेंज के जंगल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देर शाम जानकारी होने पर पीटीआर की टीम आग पर काबू पाने के प्रयासों में जुटी, लेकिन बुधवार को हवा चलते ही आग फिर धधक उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मथना बैरियर के निकट नहर के क्षेत्र में होकर आग जंगल सीमा की ओर बढ़ने लगी। आग की लपटें देख जंगल से सटे इलाकों के किसानों में खलबली मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गेहूं की फसल को बचाने के लिए किसान एकत्र हुए और 10 से अधिक ट्रैक्टरों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए।

माला जंगल के मथना क्षेत्र में लगी आग जैसे ही मथना जप्ती और पुरैनी दीपनगर की सीमा में पहुंची तो सैकड़ों किसान एकत्र हो गए। किसानों ने स्प्रे मशीन के अलावा जुताई कर आग पर काबू पाया। सुरक्षा के लिहाज से किसान देर शाम तक खेतों की ओर जुटे रहे। किसानों का आरोप है कि मंगलवार को जंगल में आग लगी थी। बुझाने में लापरवाही बरतने से आग जंगल सीमा से सटे इलाके तक पहुंच गई। प्रयास कर आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तो फसलों को बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 भी मौके पर पहुंची थी।

माला जंगल में लगी आग का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आग कितने दायरे में फैली और नुकसान की क्या स्थिति रही, इसपर भी अभी संशय है। अफसरों ने घटना की हकीकत परखने के लिए एसडीओ स्तर के अधिकारी जिम्मेदारी सौंपी है। डीएफओ मनीष सिंह ने बताया कि माला रेंज के जंगल में आग लगने की वजह आदि की जांच कराई जा रही है।

जिले में आग की घटनाओं से निपटने के लिए संसाधनों की भी काफी कमी है। दमकल विभाग के आंकड़ों के अनुसार उनके पास तीन बड़े वाहन हैं। इसमें एक मुख्यालय व एक-एक पूरनपुर और बीसलपुर में वाहन उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा कूड़े आदि की आग बुझाने के लिए एक फायर बाइक है। तीन बड़े वाहनों में ढाई से लेकर पांच हजार लीटर तक का स्टोरेज ड्रम हैं। सीएफओ अनुराग सिंह ने बताया कि उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। सूचना पर टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुट जाती है। चालक की कमी नहीं है।

वक्फ बिल पर चर्चा संसद में, हलचल यूपी में

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में वक्फ अधिनियम 1995 पर चर्चा चल रही थी। इस बीच उत्तर प्रदेश में शांति व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बलों की तैनाती चाक-चौबंद की गई। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। स्वीकृत छुट्टियां लेने वाले जवानों को वापस ड्यूटी पर बुला लिया गया। उत्तर प्रदेश के आईजी (लॉ एंड ऑर्डर) की ओर से प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश दिया।

उधर, वक्फ संशोधन बिल को लेकर पुराना लखनऊ के घंटाघर इलाके में पुलिस फोर्स और पैरामिलिट्री फुट पेट्रोलिंग कर रहे हैं। पुलिस हजरतगंज, परिवर्तन चौक, लोक भवन और विधान भवन के आस-पास भी पेट्रोलिंग कर रही है। वाराणसी में बिल को लेकर विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस प्रशासन लगातार संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रही है।

इंटेलिजेंस की सूचना के अनुसार, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया से जुड़े लोग इन दिनों वाराणसी में सक्रिय हैं। मस्जिदों के आसपास फोर्स तैनात की गई है। कानपुर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जिले में ईद से पहले जुमा की नमाज में कुछ लोगों ने काली पट्टी बांधकर वक्फ बिल का विरोध किया था। इसे देखते हुए पुलिस सावधानी बरत रही है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

दंगाई, कसाई, राष्ट्रवाद सिर्फ शब्द नहीं, ये चुनावी शंखनाद है : योगी

बरेली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, दंगाई, कसाई, राष्ट्रवाद ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, यह चुनावी शंखनाद है। बरेली कॉलेज के मंच से सीएम विरोधियों पर जमकर बरसे। कभी विपक्षियों का नाम लेकर तो कभी इशारों-इशारों में उनकी पोल खोली। अपनी सरकार की खूबियां गिनाना भी नहीं भूले।

रुहेलखंड की धरती से उन्होंने अघोषित रूप से विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंक दिया। मुख्यमंत्री की कट्टर हिंदूवादी नेता की छवि पूरे आयोजन में दिखी। भगवा मंच से विकास की चर्चा के बीच नवरात्र, मां भगवती, नाथ नगरी, भगवान शिव और अंत में जय श्रीराम बोलकर इरादे जता दिए। मंच पर मौजूद अन्य नेताओं ने भी राष्ट्रवाद की विचारधारा संग भाजपा की चुनावी तैयारियों का संदेश दिया। सीएम की मौजूदगी में आंवला विधायक और पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आयोजन को धार्मिक और सियासी जामा पहनाया।

मंच से ही उन्होंने नारा लगवाया, योगीजी सब पर भारी, अयोध्या, वाराणसी के बाद अब मथुरा की बारी। इस नारे के साथ उन्होंने यह संदेश भी दे दिया कि अब सरकार मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मामले में कुछ बड़ा करने की तैयारी में है। जानकारों का कहना है कि सुन्नी बरेलवी मुसलमानों के सबसे बड़े मरकज आला हजरत दरगाह वाले शहर में सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी के बड़े मायने हो जाते हैं। उनका एक-एक लफ्ज यह बता रहा था कि यह सिलसिला अब विधानसभा चुनाव तक जारी रह सकता है।

अटल आवासीय स्कूल में राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्तों की फौज का जिक्र कर उन्होंने साफ संदेश दिया कि प्रदेश का भविष्य अब राष्ट्रवाद की विचारधारा से ही तय होगा। राष्ट्रवाद के रास्ते पर चलकर ही प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री ने जहां प्रदेश के विकास के पथ पर अग्रसर होने की बात कही, वहीं उन्होंने गोसेवा से पुण्य कमाने और दंगाइयों पर सख्त कार्रवाई की बात कर यह भी साफ कर दिया कि भारतीय परंपरा का निर्वहन करते हुए वह कानून-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं करने वाले हैं।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा

वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है

मथुरा, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा में एक कार्यक्रम में आए बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है। राज्यपाल ने वक्फ जमीनों का इस्तेमाल गरीबों के लिए करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जब वह उत्तर प्रदेश में मंत्री थे, तब वक्फ विभाग उनके पास था। उस समय वहां 90 प्रतिशत मुकदमे के सिवाय कुछ भी नहीं था। वह बुधवार को लोहवन स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

राज्यपाल ने सवाल करते हुए कहा कि मथुरा में जितने वक्फ हैं, उसमें समाज के लिए कोई काम हो रहा है? कहा कि एक जमीन पर कई मुकदमे हैं, जिसका निदान होना चाहिए। गरीबों को इससे कोई फायदा नहीं पहुंच रहा है, आज वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि गरीबों के फायदे के लिए इसका प्रयोग हो। किसी राजनेता के बयान पर कोई टिप्पणी करने से उन्होंने इन्कार कर दिया। इस दौरान विधायक पूरनप्रकाश भी मौजूद रहे।

आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस जांच शुरू

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। 2006 बैच के आईएएस अभिषेक प्रकाश के तकरीबन पूरे कार्यकाल की विजिलेंस द्वारा जांच की जाएगी। इससे संबंधित आदेश सीएम योगी ने जारी किया था। इन्वेस्ट यूपी में निवेशक से वसूली के आरोप में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद से निलंबित किए गए आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस ने भी गोपनीय जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसूली के आरोप के बाद अभिषेक प्रकाश की सभी चल-अचल सम्पत्तियों की जांच का आदेश दिया था, जिसके बाद नियुक्ति विभाग ने गृह विभाग को पत्र लिखा था। गृह विभाग ने परीक्षण के बाद विजिलेंस को जांच शुरू करने का निर्देश दिया है।

वर्ष 2006 बैच के आईएएस अभिषेक प्रकाश के तकरीबन पूरे कार्यकाल की विजिलेंस द्वारा जांच की जाएगी। इन्वेस्ट यूपी में

तैनाती से पूर्व वह लखीमपुर खीरी, बरेली, हमीरपुर, लखनऊ, अलीगढ़ के डीएम रह चुके हैं। वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के पद पर भी तैनात रहे हैं। लखीमपुर और बरेली में डीएम रहने के दौरान कई बीघा कृषि योग्य भूमि खरीदने के आरोपों की बीते दिनों जांच भी कराई गई थी, हालांकि यह भूमि उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदे जाने की वजह से उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी।

अब विजिलेंस उनकी और उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदी गई सभी चल-अचल सम्पत्तियों का ब्योरा जुटाएगा। साथ ही, यह पड़ताल भी करेगा कि पूरे कार्यकाल के दौरान कुल वैध आय कितनी रही और उन्होंने चल-अचल सम्पत्तियों को खरीदने और भरण-पोषण पर कितना व्यय किया। विजिलेंस गोपनीय जांच पूरी करने के बाद अभिषेक प्रकाश का स्पष्टीकरण लेगा और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगा। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर विजिलेंस शासन के निर्देश पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करेगा।

इन्वेस्ट यूपी मामले में अभिषेक प्रकाश के करीबी बिचौलिए निशांत जैन की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने भी इस प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर आयकर विभाग डिफेंस कॉरिडोर भूमि घोटाले की जांच करने जा रहा है।

इस घोटाले के दौरान अभिषेक लखनऊ के डीएम थे। राजस्व विभाग की जांच रिपोर्ट में उन्हें भी दोषी बताया गया है। इसके अलावा उनके खिलाफ नियुक्ति विभाग विभागीय जांच भी कर रहा है। नियुक्ति विभाग ने उन्हें आरोप पत्र भी थमाया है।

लखनऊ में हुआ बहुचर्चित घोंघा बसंत हास्य आयोजन

ब्रजेश पाठक का विद्या बालन से हुआ गंधर्व विवाह

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिया 11 रुपए का नेग

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ के चर्चित घोंघा बसंत आयोजन में ब्रजेश पाठक का गंधर्व विवाह डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साथ कराया गया। इस मौके पर कई लोगों को मूर्खरत्न का सम्मान मिला। इस वर्ष भी रंगभारती संस्था की ओर से एक अप्रैल को मूर्ख दिवस के रूप में हास्य उत्सव घोंघा बसंत का आयोजन चारबाग स्थित रवींद्रालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बनाए गए गधे से कराया गया। कवियों ने रचनाओं से खूब ठहाके लगवाए। डॉ. सुरेश अवस्थी को बेढब बनारसी रंगभारती सम्मान और डॉ. ताराचंद तनहा को सूंड़ फैजाबादी रंगभारती सम्मान दिया गया।

वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका पद्मा गिडवानी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पत्नी नम्रता पाठक के साथ मौजूद

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि रंगभारती के अध्यक्ष श्याम कुमार 64 वर्षों से इस आयोजन को कराते चले आ रहे हैं, यह उनकी जिजीविषा को दर्शाता है।

मंच पर पांच विभूतियों का गंधर्व विवाह भी कराया गया। इनमें डॉ. सुरेश अवस्थी का करीना कपूर के साथ, डॉ. अम्मार रिजवी का महबूबा मुफ्ती, आईएएस अभिषेक प्रकाश का ईडी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का विद्या बालन और श्याम कुमार का माधुरी दीक्षित के साथ गंधर्व विवाह कराया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की ओर से हर जोड़े की वधू को सदा सुहागन रहो के आशीर्वाद के साथ 11-11 रुपये का नेग दिया गया।

रंगभारती के अध्यक्ष श्याम कुमार इस बार किन्नर अखाड़े की नामांकित महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी की वेशभूषा में कमंडो के साथ मंच पर जब आए तो पूरा सभागार ठहाकों और तालियों से गूंज उठा। हास्य कलाकार राजेंद्र विश्वकर्मा हरिहर ने उनका स्वागत जूतों से बनी माला से किया।

महाकुंभ के दौरान अपनी टिप्पणियों से चर्चा में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल यादव, जया बच्चन, लालू यादव, स्टालिन, मल्लिकार्जुन खड़गे, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को मूर्खरत्न का राष्ट्रीय सम्मान दिया गया। ढेंचू सम्मान से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नवाजा गया। कुंभकर्ण सम्मान नगर निगम के अतिक्रमण उन्मूलन प्रभाग, एलडीए, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, वन विभाग, मुख्यमंत्री पोर्टल को नवाजा गया।

कवि सम्मेलन में डॉ. सुरेश अवस्थी (कानपुर) ने सुनाया- इनको पूरी छूट है, उनको पूरी छूट।हम हैं लुटने के लिए, जो चाहे ले लूट। अयोध्या के डॉ. ताराचंद तनहा ने पढ़ा- गोरी तेरे होंठ यूं, ज्यों फागुन के छंद। जाने किसके नाम है, निविदा मोहरबंद। विनोद सिंह कलहंस (बलरामपुर) ने सुनाया- हुई कुटाई, हुई धुनाई, तब मुझको ये इल्म हुआ, इश्क में इतने डंडे खाना सबके बस की बात नहीं। संदीप अनुरागी (बाराबंकी) ने सुनाया- पत्नी ने जब प्यार से कहा- खाना खाइए। टिंडे वाली सब्जी भी खीर लगने लगी।

अरविंद झा, श्याम कुमार, जमुना प्रसाद पांडेय अबोध, अमित अनपढ़, निर्भय निश्छल, कमलेश मौर्य मृदु (सीतापुर), समीर शुक्ल (फतेहपुर), राज बनारसी (वाराणसी), शेखर त्रिपाठी ने भी खूब हंसाया। कवियों को हास्य से भरे सम्मान दिए गए। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल की ओर से पत्तलों की जयमाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की ओर से गोबर के कंडे से बने जयमाल। लखनऊ के डीएम विशाख जी की ओर से स्वास्थ्य लाभ हेतु टमाटर। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल की ओर से राजमुकुट। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर से लॉलीपॉप भेंट किया गया।

ताजिया का साइज छोटा करें हाइटेंशन लाइन से बचें

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों को सलाह दी है कि वे मुहर्रम में ताजिये की साइज छोटा रखें, वरना हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने का खतरा रहता है। योगी ने कांवड़ यात्रियों को भी सलाह दी कि डीजे का साइज छोटा करो। ऐसा नहीं किया तो सरकार कार्रवाई करेगी। योगी ने कहा, कानून सबके लिए बराबर है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास से लेकर कानून व्यवस्था तक की बात की और कहा कि राज्य तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है। 2030 तक यह देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर होगी। उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। पिछले कुछ दशकों में राज्य के विकास की उपेक्षा करने के लिए योगी ने पिछली सरकारों की आलोचना की।

योगी ने कहा, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। 2016-17 में यह

राष्ट्रीय औसत के एक तिहाई तक कम हो गई। हम इसे 2016-17 के स्तर से दोगुना करने में सफल रहे हैं। मेरे आकलन के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था होगी। सीएम ने कहा कि हमने एक समय सीमा तय की है और जिस तरह से हम विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि हम 2029-30 तक अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

आठ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों से जुड़े सवाल के जवाब में सीएम ने कहा पिछले आठ वर्षों में हमने उन कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया है, जो पिछली सरकारें 70 वर्षों में हासिल नहीं कर सकीं। 1947 से 2017 के बीच 70 वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12-12.5 लाख करोड़ रुपए के दायरे में थी और देश में सातवें या आठवें स्थान पर थी। उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था 27.5 लाख करोड़ रुपए को पार कर गई है और देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा धर्म को स्वार्थ से नहीं जोड़ती है। क्या वह खुद को एक धार्मिक व्यक्ति या एक राजनीतिक नेता के रूप में अधिक मानते हैं? इस पर सीएम ने जोर देकर कहा, मैं एक नागरिक के रूप में काम करता हूं और खुद को विशेष नहीं मानता। एक नागरिक के रूप में, मेरे संवैधानिक कर्तव्य पहले आते हैं। मेरे लिए, राष्ट्र सर्वोपरि है। अगर देश सुरक्षित है, तो मेरा धर्म सुरक्षित है। जब धर्म सुरक्षित है, तो कल्याण का मार्ग अपने आप खुल जाता है।

यह पूछे जाने पर कि वह कैसे चाहते हैं कि उन्हें या उनकी विरासत को याद किया जाए? इस पर सीएम ने जवाब दिया कि दूसरों को उन्हें याद करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह हमेशा मौजूद हैं। उन्होंने कहा, नाम नहीं बल्कि काम को याद रखना चाहिए। किसी की पहचान उसके काम से होनी चाहिए, नाम से नहीं। उन्होंने कहा मैं वर्तमान में जी रहा हूं।

मुस्लिमों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि उन्हें राज्य के विकास में उचित हिस्सा मिलेगा, लेकिन सिर्फ इसलिए विशेष रियायतें की उम्मीद न करें कि वह अल्पसंख्यक हैं। मुसलमानों के साथ भेदभाव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुसलमान राज्य की आबादी का 20 प्रतिशत हैं, लेकिन सरकारी कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों में उनकी हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत है। हम न तो भेदभाव में विश्वास करते हैं और न ही तुष्टिकरण में।

मेरठ में उनके प्रशासन द्वारा सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ चेतावनी पर विवाद के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सड़कें चलने के लिए होती हैं और जो लोग (फैसले के खिलाफ) बोल रहे हैं, उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। प्रयागराज में 66 करोड़ लोग पहुंचे। कोई डकैती, सम्पत्ति का विनाश, आगजनी, अपहरण नहीं हुआ। इसे धार्मिक अनुशासन कहा जाता है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए सीएम ने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ लूट खसोट (सम्पत्ति हड़पने) का अड्डा बन गए हैं और मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है। हिंदू मंदिरों और मठों द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में दान के उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने पूछा कि क्या किसी वक्फ बोर्ड ने कई गुना अधिक सम्पत्ति होने के बावजूद इस तरह का कल्याणकारी काम किया है। उन्होंने पूछा कि पूरे समाज की बात तो छोड़िए, क्या वक्फ सम्पत्तियों का इस्तेमाल मुसलमानों के कल्याण के लिए किया गया है।

एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा बुलडोजर मॉडल को अब अन्य राज्यों में भी त्वरित न्याय के रूप में अपनाया जा रहा है, हालांकि इसकी वैधता पर अक्सर सवाल उठते रहते हैं।

रामनवमी पर रामलला का 18 घंटे तक होगा दर्शन

अयोध्या, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राम मंदिर ट्रस्ट छह अप्रैल को रामलला के दर्शन की टाइमिंग बढ़ाए जाने की तैयारी कर रहा है। मंदिर को सुबह पांच बजे से ही भक्तों के लिए खोला जा सकेगा। रामनवमी के मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ाएगी। इस दिन रामलला 18 घंटे तक दर्शन देंगे। मंदिर सुबह पांच बजे से लेकर रात 11 बजे तक खुलेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किए जाने की संभावना है। हालांकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रामनवमी मेले के आखिरी तीन दिन चार, पांच और छह अप्रैल को अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इन तीनों दिनों के दौरान रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव किए जाने की तैयारी है। ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर सकें। अनुमान है कि मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर 20 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए राममंदिर ट्रस्ट और प्रशासन सुविधाएं भी विकसित करने में जुटा है।

रामजन्मभूमि पथ पर अस्थाई कैनोपी लगाई जा चुकी है और मुख्य पर्व तक पथ पर लाल कारपेट भी बिछा दिया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 200 स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की जा रही है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने रामनवमी पर हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी है। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि प्रभु श्रीराम के ललाट पर सूर्य अभिषेक की तैयारियां चल रही हैं और विशेषज्ञों की एक टीम इस काम में जुटी हुई है।

उन्होंने यह भी बताया कि सूर्य अभिषेक का प्रसारण पूरे विश्व में किया जाएगा। चंपत राय ने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

भक्तिपथ पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। 600 मीटर लंबे भक्तिपथ पर अस्थाई रूप से शेड लगाया गया है। श्रद्धालु इस मार्ग से होकर सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी और कनक भवन दर्शन के लिए जाते हैं, जहां लंबी कतारें लगती हैं। रोजाना 70 हजार से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं और मुख्य पर्व पर यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है। शेड लगाने से श्रद्धालुओं को तेज धूप से राहत मिलेगी। भक्तिपथ पर पेयजल की व्यवस्थाएं भी बढ़ाई जा रही हैं, और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी।

राममंदिर के शिखर पर कलश की विधिपूर्वक पूजा की गई। राममंदिर के अलावा परिसर में स्थित सभी 16 मंदिरों के शिखरों पर कलश स्थापित किए जाएंगे। इन सभी कलशों का सामूहिक पूजन नवरात्र की पंचमी तिथि को वैदिक आचार्यों के मार्गदर्शन में किया गया।

संपादकीय

स्मार्ट सिटी कितनी हकीकत

अब अर्ज किया है कि स्थिति में हिमाचल के दो स्मार्ट शहर अपनी हस्ती का सामान लेकर आए हैं। देश ने करीब दस साल पहले सौ स्मार्ट सिटी के कदम चुने, तो वकालत के चश्मों ने सर्वप्रथम धर्मशाला देखा, फिर शिमला को निहारा और इस तरह हिमाचल में शहरीकरण को एक नए पहलू में अंगीकार किया गया। यह दीगर है कि इस फैसले में फासले बहुत रहे हैं और यही वजह है कि तीसरी मोहलत मार्च आते-आते गुजर गई और अब फिर अर्जियां खाली तख्तियों पर गुजारिश कर रही हैं। न धर्मशाला की परियोजनाएं और न ही शिमला की महत्त्वाकांक्षा में स्मार्ट सिटी अपनी जवानी में आई। एक मुकाबला इन दोनों शहरों के बीच व्यवस्था का भी रहा और खींचतान से समय की बर्बादी कर दी। प्रदेश की पहली स्मार्ट सिटी घोषित होते ही धर्मशाला को नाको चने चबाने के लिए भाजपा के सुरेश भारद्वाज अदालत सिर्फ इसलिए चल गए कि यह चयन शिमला की छाती पर मूंग दल रहा था। यही सुरेश भारद्वाज जब शहरी विकास मंत्री बनते हैं, तो शिमला स्मार्ट सिटी की पलकें खोलने के बजाय धर्मशाला के कई रोशनदान बंद करने लगे और इस अखाड़े में परियोजनाएं सिकुड़ गईं, राज्य सरकार की हिस्सेदारी बदल गई। अगर डबल इंजन सरकार की नीयत से भाजपा की तत्कालीन सरकार पैरवी करती तो अंग्रेजों के बसाए दो शहर हिमाचल के शहरी विकास को आगे के लिए एक मॉडल की हैसियत और शहरी आर्थिकी को प्रमाणित करते। भले ही सुरेश भारद्वाज धर्मशाला के इंटेग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल एरिया को दरी समझकर शिमला में बिछाने की कोशिश करते रहे, लेकिन इससे स्मार्ट सिटी का आधारभूत प्रारूप ही चोटिल हो गया। ऐसा नहीं इस दौरान सरवीण चौधरी भी कुछ समय शहरी विकास मंत्री रहीं, लेकिन वह धर्मशाला के तत्कालीन विधायक स्व. किशन कपूर के साथ व्यक्तिगत विवादों के कारण स्मार्ट सिटी परियोजना के महत्त्व को समझ ही नहीं पाईं। आज जब पुनः दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मुकम्मल होने की दरख्वास्त दे रही हैं, तो इसे राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी समझना होगा। राष्ट्रीय स्तर पर अन्य 84 स्मार्ट शहरों में करीब पंद्रह हजार करोड़ के कार्य अधूरे हैं। हिमाचल में शिमला के बजाय धर्मशाला में कुछ हद तक परियोजनाओं के अर्थ दिखाई देते हैं, लेकिन दोनों ही शहरों में स्मार्ट सिटी के धन से सरकारों ने अपने विभागीय खर्च के वैकल्पिक मार्ग चुने हैं। मसलन शिमला में बीस तो धर्मशाला में 15 इलेक्ट्रिक बसों पर करोड़ों खर्च करके इन्हें बिना शर्त-बिना फर्ज अदा किए एचआरटीसी को सौंप दिया। क्या इससे शहरी या स्थानीय परिवहन सेवाओं में सुधार हुआ। धर्मशाला में अगर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत एक बहुआयामी बस स्टैंड विकसित होता, तो आय का संचार भी होता, लेकिन इसके बजाय एचआरटीसी की वर्कशाप में बारह करोड़ लगा दिए गए। स्मार्ट सिटी जोनल अस्पताल को मशीनें, स्कूलों के स्मार्ट रूम और उधर शिमला में एंट्री गेट, बुक कैफे और लोहे व कंक्रीट के जाल बुन रही थीं। शिमला में दो बस अड्डों व लिफ्टों का निर्माण, धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबाल ग्राउंड व फूड स्ट्रीट जैसी परियोजनाएं सार्थक हो सकती हैं, लेकिन अभी भी रेहड़ी-फड़ी वाले फुटपाथों पर घमासान मचाए हुए हैं, ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था शहरी जीवन को अफरातफरी में फंसाए हुए हैं। बस स्टाप सिर्फ बनाए गए, सुविधा के लिए चलाए नहीं गए। कहना न होगा स्मार्ट सिटी के विजन को हिमाचल का शहरीकरण न कुछ सीख और न ही कुछ कर पाया। यह दीगर है कि अब शिमला-धर्मशाला में नगर निगमों के बाद होड़ यह है कि इनकी संख्या पटवारखानों की तरह बढ़ जाए, लेकिन परिकल्पना, बजट और आर्थिक स्रोत क्या होंगे, कोई नहीं जानता। कौनसा शहर किस रूप-किस प्रारूप में बेहतर नागरिक सुविधाओं और आर्थिक क्षमता में निखर सकता है, कोई कल्पना नहीं। बहुत पहले स्व. सुखराम ने मंडी शहर के केंद्रीय हिस्से की व्यथा को इंदिरा मार्किट की क्षमता में बदल दिया था।

देश ने करीब दस साल पहले सौ स्मार्ट सिटी के कदम चुने, तो वकालत के चश्मों ने सर्वप्रथम धर्मशाला देखा, फिर शिमला को निहारा और इस तरह हिमाचल में शहरीकरण को एक नए पहलू में अंगीकार किया गया। यह दीगर है कि इस फैसले में फासले बहुत रहे हैं और यही वजह है कि तीसरी मोहलत मार्च आते-आते गुजर गई और अब फिर अर्जियां खाली तख्तियों पर गुजारिश कर रही हैं। न धर्मशाला की परियोजनाएं और न ही शिमला की महत्त्वाकांक्षा में स्मार्ट सिटी अपनी जवानी में आई। एक मुकाबला इन दोनों शहरों के बीच व्यवस्था का भी रहा और खींचतान से समय की बर्बादी कर दी। प्रदेश की पहली स्मार्ट सिटी घोषित होते ही धर्मशाला को नाको चने चबाने के लिए भाजपा के सुरेश भारद्वाज अदालत सिर्फ इसलिए चल गए कि यह चयन शिमला की छाती पर मूंग दल रहा था। यही सुरेश भारद्वाज जब शहरी विकास मंत्री बनते हैं, तो शिमला स्मार्ट सिटी की पलकें खोलने के बजाय धर्मशाला के कई रोशनदान बंद करने लगे और इस अखाड़े में परियोजनाएं सिकुड़ गईं, राज्य सरकार की हिस्सेदारी बदल गई। अगर डबल इंजन सरकार की नीयत से भाजपा की तत्कालीन सरकार पैरवी करती तो अंग्रेजों के बसाए दो शहर हिमाचल के शहरी विकास को आगे के लिए एक मॉडल की हैसियत और शहरी आर्थिकी को प्रमाणित करते।

भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो

सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है। केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है।

दृष्टि कोण

हिमालयी प्राकृतिक स्वरूप का संरक्षण जरूरी

गत माह उत्तराखंड के चमोली में हिमस्खलन हुआ। चमोली जनपद के सीमांत गांव माणा के समीप हुए हिमस्खलन के बाद उसके नीचे 55 श्रमिक दब गए थे। इनमें से 50 श्रमिकों को तो कुछ घंटों के बाद सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था, लेकिन 4 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। जिस दिन सीमा सडक़ संगठन के श्रमिक हिम से ढके मार्गों को साफ कर रहे थे, उससे एक-दो पहले लगभग पूरी हिमालय श्रृंखला में तेज वर्षा के साथ अत्यधिक हिमपात भी हुआ था। चमोली में भी बहुत अधिक हिमपात हुआ। यह पहली बार नहीं है, जब उत्तराखंड के संवेदनशील पर्वतीय जनपद में इस तरह की दुर्घटना हुई है। उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में भी गत कई वर्षों से ऋतुविकृतियों के कारण अनेक दुर्घटनाएं घट चुकी हैं। प्रायः वर्षा ऋतु में तो पर्वतीय क्षेत्र प्राकृतिक विप्लवों, विघटनों, विचलनों एवं विनाशक गतिविधियों का सामना करते ही करते हैं, लेकिन इस बार तो बसंत ऋतु में भी हिमालयी पट्टिका में वर्षा व हिमपात के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित व असुरक्षित हुआ है। अभी भी स्थिति संतुलित नहीं है। प्रति वर्ष, प्रति माह, प्रति सप्ताह, प्रति दिन और एक दिन में भी प्रहर-प्रति-प्रहर पर्यावरण की गति भयंकर असंतुलन को प्राप्त हो रही है। दस-बारह वर्ष पूर्व केदारनाथ में हुई अतिवृष्टि के बाद तो उत्तराखंड के पर्वतीय भूभाग अत्यंत संवेदनशील एवं शक्तिहीन हो चुके हैं। तब से कई प्राकृतिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। वर्षाजन्य, हिमजन्य और भूकंपजन्य आपदाओं की निरंतरता के कारण पर्वतों का भौगोलिक स्थायित्व समाप्त हो चुका है। वर्षा ऋतु में तो पहाड़ों पर अतिवृष्टियों की आशंकाएं प्रतिक्षण बनी रहती हैं। इस बार तो बसंत ऋतु में भी मौसम का विचलन प्राकृतिक विपदा के रूप में सम्मुख है। यह विचित्र है। हमें प्रकृति के इस संकेत पर ध्यान देना चाहिए। हिमालय के पर्वतों का, विकास-यात्रा तीव्र करने के लिए जिस प्रकार दोहन किया जा रहा है, उस पर नियंत्रण एवं प्रतिबंध लगाने की युक्तियां करनी होंगी। पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध सामरिक दीवाल के रूप में उपयोग होती आ रही हिमालयी पट्टी को धीरे-धीरे इसके स्वाभाविक स्वरूप में छोड़ देने का समय आ चुका है। जम्मू कश्मीर से होते हुए हिमाचल और फिर उत्तराखंड तक बांधों, विद्युत उत्पादन निर्माणियों व राजमार्गों के निर्माण के लिए पर्वतीय संरचनाओं को जिस प्रकार व्यापक स्तर पर तोड़ा-फोड़ा-जोड़ा गया और जिस तरह आए दिन इनकी टूट-फूट हो रही है, उससे प्रतिकूल प्राकृतिक स्थितियां उत्पन्न होती जा रही हैं। कहीं ऐसा न हो कि शत्रु देशों के विरुद्ध इन्हें सामरिक संसाधन बनाने हेतु किए जा रहे तरह-तरह के निर्माण कार्य आगामी दिनों में बड़े प्राकृतिक विप्लव का कारण बनें। आज विद्युतीय आवश्यकताओं के लिए पहाड़ों पर बांध निर्माण से लेकर परिवहन के लिए मार्ग निर्माण के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। आधुनिक व आर्थिक विकास की प्रतिस्पद्र्धा, चकाचौंध में ऐसे निर्माण कार्यों के विनाशक परिणामों की जानबूझ कर उपेक्षा की जा रही है। जम्मू-कश्मीर से नीचे हिमाचल और फिर उत्तराखंड में उतरती हुई हिमालय पर्वतों की श्रृंखलाएं भीतर ही भीतर चट्टानों से रिक्त होती जा रही हैं। पर्वतों के बहुत नीचे कहीं गहराई में एक-दूसरे पर अवलंबित रहीं चट्टानें अपने स्थान से खिसक चुकी हैं। आधुनिक यंत्रों, विस्फोटकों और खुदाई की मशीनों द्वारा जितनी तेजी से पहाड़ काटे जा रहे हैं तथा जितनी गहराई तक उनकी खुदाई की जा रही है, उतनी ही तेजी व गहराई से धरातल पर हिमालयी पर्वतों की पकड़ शक्तिहीन हो रही है। संतुलित भूस्थापन में पर्वतों की बड़ी भूमिका होती है। पर्वतों पर निर्माण कार्यों की तेजी से संपूर्ण पर्वतीय पारिस्थितिकी ही असंतुलित नहीं हो रही, अपितु धरती का पूरा ऋतुचक्र भी विकृत हो रहा है। फलस्वरूप पूरे भारत और विश्वभर में अतिवृष्टि, भूकंपन, हिमस्खलन, शीताधिकता, ग्रीष्माधिकता की ऋतुविकृतियां उत्पन्न हो रही हैं। समशीतोष्ण पारिस्थितिकी में कमी और महामारियों की प्राकृतिक परिस्थितियों में वृद्धि हो रही है। भला मनुष्य के लिए ऐसे आधुनिक, भौतिक और प्रगतिपरक विकास के क्या मायने होंगे, जो उसके सशरीर होने के मुख्य आधार पंचतत्त्वों को ही दिन-प्रतिदिन लील रहा हो। इस पर गंभीर होकर सोचना होगा। इस पर बार-बार और निरंतर विचार-विमर्श करना होगा। यदि संपूर्ण पृथ्वी के ऋतु असंतुलन पर विचार करते हुए इस दिशा में चिंतन किया जाए, तो यही निष्कर्ष निकलता है कि अखिल भारत व भारतीय महाद्वीप की मौसम संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए हिमालय पर्वत और इससे संबद्ध पूरी पर्वतमाला को प्राकृतिक रूप-स्वरूप में संरक्षित रखना अति अनिवार्य है। हिमालयी शैल-श्रृंखला को विद्युत उत्पादन, पर्यटन वद्र्धन और सडक़ मार्ग निर्माण के माध्यम से विकास की अंधभेंट चढ़ाना पर्यावरणीय व मानवीय दृष्टि से अत्यंत हानिकारक होगा।

कुछ अलग

जल-थल में प्लास्टिक

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

देश दुनिया से

नेपाली राजशाही के लिए हिंसक प्रतिरोध के निहितार्थ

इसके बाद नेपाली राजशाही के 240 साल के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्यमय और दुर्भाग्यपूर्ण पल सामने आया। वर्ष 2001 में बीरेंद्र के परिवार को भारी सुरक्षा वाले शाही महल में गोली मार दी गई। इसके बाद शुरू शाही जांच में तत्कालीन युवराज दीपेंद्र को नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि वे कुछ दिनों तक बेहोश रहे, उन्हें कोमा में राजा घोषित किया गया, और उनकी मृत्यु हो गई। यह जांच बीरेंद्र के दो भाइयों में से पहले, ज्ञानेंद्र की निगरानी में हुई। ज्ञानेंद्र की नीयत पर सवाल भी उठाये गए। फिर जांच की लीपापोती हो गई। ज्ञानेंद्र और उनके पुत्र प्रिंस पारस की सार्वजनिक छवि उतनी अच्छी नहीं थी। लोग यह मानने को तैयार नहीं थे कि युवराज दीपेंद्र ने अकेले ही अपने पिता, माता, भाई, बहन और दादी को गोली मार दी होगी। दरबार हत्याकांड विदेशी षड्यंत्र भी साबित नहीं हो पाया। ज्ञानेंद्र 1950 के दशक में पहली बार चार साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे थे। तब ज्ञानेंद्र के दादा, राजा त्रिभुवन ने राणाओं के खिलाफ विद्रोह किया था, और दिल्ली निर्वासित हो गए थे। हालात ने उन्हीं ज्ञानेंद्र को 4 जून, 2001 को दोबारा से ताज पहनने का अवसर दिया। ज्ञानेंद्र ने पांच साल के कालखंड में लोकतांत्रिक ताकतों को अलग-थलग कर दिया। अंततः सत्ता में आये माओवादियों ने 28 मई, 2008 को नेपाल की संविधान सभा के ज़रिये राजशाही समाप्त कर दी। लेकिन, पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र और उनके परिवार को आवास, सुरक्षा सुविधाएं शासन द्वारा दिया जाना जारी रहा। नेपाल में जब तक राजाशाही थी, नरेश भगवान विष्णु के अवतार और हिन्दू राष्ट्र के संरक्षक माने जाते थे। विगत कुछ वर्षों से राजशाही समर्थक हिंदू राष्ट्र की वापसी के एजेंडे को सुलगाने लगे थे। 11 मार्च, 2025 को खबर आई कि नेपाल में इस एजेंडे के समर्थकों ने राजा ज्ञानेंद्र के साथ उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर भी लहराते हुए नारे लगाए। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र उससे पहले, 30 जनवरी, 2025 को गोरखपुर अपने इष्ट देव, गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आये थे, तब उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। गत 1 अप्रैल, 2014 को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता अशोक सिंघल ने कहा था, कि अगर नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हैं, तो नेपाल हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। फिर चौतारा में एक मंच योगी आदित्यनाथ के साथ साझा करते हुए, अशोक सिंघल ने वही बात दोहराई कि हिन्दू राष्ट्र और राजतंत्र की वापसी होगी। 17 नवंबर, 2015 को 89 वर्ष के अशोक सिंघल, गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में सिधार गए, नेपाल को हिन्दू राष्ट्र दोबारा से बनाने का सपना अधूरा रह गया। इस बीच, परदे के पीछे से ज्ञानेंद्र के लोग दिल्ली दरबार से संपर्क साधते रहे. अपरोक्ष रूप से ज्ञानेंद्र ने अपने दो निकटस्थ ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. कर्ण सिंह से भी राजशाही वापसी में मदद की उम्मीद तोड़ी नहीं थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां, माधवी राजे (किरण राज्य लक्ष्मी देवी), नेपाल के शाही परिवार से थीं। और डॉ. कर्ण सिंह की पत्नी महारानी यशो राज्य लक्ष्मी नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर परिवार से। दोनों अब दिवंगत हैं, लेकिन नेपाल के शाही परिवारों से भारतीय रजवाड़ों का भावनात्मक रिश्ता बरक़रार है। यह कहना कठिन है, कि हिन्दू राष्ट्र समर्थक दिल्ली के राजनीतिक गलियारों से कितनी मदद ज्ञानेंद्र के लोगों को मिल रही है, लेकिन नैतिक समर्थन मिलने से कोई इंकार नहीं कर सकता। विगत शुक्रवार को जो कुछ काठमांडो में हुआ, वो वीभत्स और विनाशकारी था। उस दिन टिंकुने में राजभक्तों का प्रदर्शन हिंसा में परिवर्तित हो गया, जब दुर्गा प्रसाई जीप दौड़ाकर सुरक्षाकर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों को कुचलने की कोशिश करने लगे। हिंसक भीड़ ने जड़ीबूटी प्रोसेसिंग एंड प्रोडक्शन कंपनी के आठ वाहनों को जला दिया, सीपीएन (एकीकृत समाजवादी) के मुख्यालय में आग लगा दी। कोटेश्वर में उन्होंने भटभटेनी सुपरमार्केट को लूट लिया, और जमकर तोड़फोड़ की। उग्र भीड़ ने पत्रकार सुरेश रजक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे उनकी वहीं झुलसकर मौत हो गई। पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान सबिन महर्जन की गोली लगने से मौत हो गई। एक बात तो है, नेपाल में लोग लगातार विफल गवर्नेंस से ऊबे हुए हैं। इसका दुष्परिणाम तो आना था। राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के डॉ. दुर्गा प्रसाई, 87 वर्षीय नवराज सुवेदी समेत 52 नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया गया है। ज्ञानेंद्र की सुरक्षा कम कर दी गई, पासपोर्ट ज़ब्त है। इस तांडव के बाद भी राजा समर्थकों ने आगामी दो हफ्ते देशव्यापी प्रदर्शन, और 20 अप्रैल को राजधानी में आंदोलन की घोषणा की है। राजा समर्थकों को लगता है, लोहा गरम है, इसलिए

आंदोलन की धार बनाये रखो। मंगलवार को आरपीपी केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व में राजतंत्र की बहाली के लिए अपने अभियान को आगे बढ़ाने का फैसला किया गया। राजेंद्र लिंगडेन के साथ पूर्व प्रजातंत्रवादी कमल थापा कन्धा मिलाने लगे हैं। पार्टी के उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। राजा समर्थक शीर्ष समूह में आरपीपी नेता पशुपति शमशेर राणा, प्रकाश चंद्र लोहानी सदस्य हैं। लेकिन, ये दोनों 'बूढ़े घोड़े' अब राजशाही की मशाल को आगे बढ़ाने की ताकत नहीं रखते हैं। फिर भी, पार्टी के नेताओं में लीड लेने की रेस लग गई है। चुनांचे, आरपीपी विभाजन की ओर भी बढ़ रही है। लेकिन, ये सारे उपक्रम करने के बाद, 80 की उम्र छूने वाले ज्ञानेंद्र सत्ता का सुख भोग भी पाएंगे? उनके बेटे, पारस की छवि एक लापरवाह, 'ड्रग एडिक्ट', गंभीर रूप से बीमार राजकुमार की है। ज्ञानेंद्र के पोते ह्रदयेंद्र ने अभी-अभी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है, और उन्हें शासन कला का प्रशिक्षण तक नहीं मिला है। नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की वापसी भी होती है, तो वहां का 'मोदी' कौन होगा? ये तमाम सवाल, विक्रम के कंधे पर वेताल जैसे हैं।

आप का नजरिया

संघ-भाजपा में तालमेल

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी अस्वस्थ कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया

इस्लामाबाद,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मीडिया में उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबरें आने के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से संपर्क किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

हालांकि राष्ट्रपति कार्यालय या पीपीपी की ओर से अपने सह अध्यक्ष के स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सुबह मीडिया आउटलेट्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति जरदारी को नवाबशाह से लाए जाने के बाद कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्टी के एक करीबी सूत्र ने बताया कि उनकी कुछ जांचें की जा रही हैं और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।

प्रेस सूचना विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज ने राष्ट्रपति से संपर्क किया और उनका हालचाल पूछा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस बीच, सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन को फोन कर जरदारी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा और अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। अक्टूबर 2024 में विमान से उतरते समय राष्ट्रपति के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। गिरने के बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने उनके पैर में प्लास्टर चढ़ा दिया।

69 वर्षीय राष्ट्रपति को हाल के वर्षों में स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हुई हैं। मार्च 2023 में उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में आंख की सर्जरी करवाई।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में ढाका-चटगांव राजमार्ग पर 12 घंटे में दो हादसे, 10 की मौत, 27 घायल

ढाका। बांग्लादेश के ढाका-चटगांव राजमार्ग पर लगभग 12 घंटों के दौरान दो सड़क हादसे में 10 यात्रियों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। सुबह हुए हादसे में जान गंवाने वाले सात लोगों में से किसी की भी अब तक पहचान नहीं हो पाई है। सुबह करीब सात बजे चटगांव के लोहागरा उप जिला में ढाका-चटगांव राजमार्ग पर एक यात्री बस और एक मिनी बस के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। लोहागरा पुलिस थाने के प्रभारी आरिफुर रहमान ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। यह हादसा चुंटी राजमार्ग खंड के जंगलिया इलाके में हुआ। रिलैक्स परिवहन की बस की कॉक्स बाजार जा रही एक मिनी बस से टक्कर हो गई। मिनी बस के सात यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी शव लोहागरा उप जिला स्वास्थ्य केंद्र भेज दिए गए हैं। इसके अलावा इसी राजमार्ग पर मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे कुमिला के चंदिना उप जिला में एक बस के बिजली के खंभे और पेड़ से टकरा जाने से तीन यात्रियों (सभी पुरुष) की मौत हो गई और कम से कम 25 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घायलों को चंदिना उप जिला स्वास्थ्य केंद्र से कमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

नेपाल-थाईलैंड प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता, कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

काठमांडू। थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा पर गए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पेटोंगट्रान शिनावात्रा के बीच बुधवार को बैंकाक में हुई मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। बैंकाक में दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच बैठक में शामिल हुईं नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा ने कहा कि थाईलैंड के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापना के 65 साल के बाद पहली बार नेपाल के प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा होना अपने आप में ऐतिहासिक है। इससे पहले थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने एक सरकारी इमारत में प्रधानमंत्री ओली का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बैठक के बाद संस्कृति और पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. आरजू ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

दक्षिण कोरियाः राष्ट्रपति के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 को, 14 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 अप्रैल को होना है। कहीं कोई अप्रिय स्थिति न बने इसके लिए 14 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने पुलिस बलों को गैफो अलर्ट पर रखा है, जो उच्चतम स्तर है और सभी उपलब्ध पुलिस बलों को आपातकालीन स्टैंडबाय पर रखता है। सभी संवैधानिक न्यायालय के जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस संवैधानिक न्यायालय परिसर में घुसने का प्रयास करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी। यदि यून फैसले के लिए अदालत में उपस्थित होते हैं, तो पुलिस राष्ट्रपति निवास से संवैधानिक न्यायालय तक के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाएगी और रास्ते में उनके पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अलग करेगी। लॉयर्स फॉर ए डेमोक्रेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष यून बोक-नाम, जिन्हें मिनब्यून के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि यून के महाभियोग के फैसले की तारीख बहुत देर से आई है, लेकिन फिर भी यह राहत की बात है।हालांकि, संवैधानिक न्यायालय के पास यून समर्थक प्रदर्शनकारियों ने कोरियाई और अमेरिकी झंडे लहराते हुए महाभियोग खारिज करो के नारे लगाए। पुलिस ने कथित तौर पर न्यायालय की घोषणा के बाद मंगलवार दोपहर तक संवैधानिक न्यायालय के पास लगभग 3,200 कर्मियों को तैनात कर दिया। न्यायालय यदि महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखता है, तो यून को पद से हटा दिया जाएगा। अगर इसे खारिज कर दिया जाता है, तो उन्हें मई 2027 तक अपने शेष कार्यकाल को पूरा करने के लिए बहाल कर दिया जाएगा।

इमरान के पुन : नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने पर घिरेगी सरकार

इस्लामाबाद,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दुनियां में शानदार क्रिकेटर के तौर पर मशहूर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्हें पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए नामांकित किया गया है। नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी 'पार्टियेट सेंट्रम' से जुड़े पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस (पीडब्ल्यूए) ने यह घोषणा की है। इससे पर राजनीतिक तौर पर पाकिस्तान की शाहबाज सरकार घिर सकती है, क्योंकि उस पर जबरन इमरान को जेल में बंद रखने के आरोप भी समय-समय पर लगते रहे हैं। यहां बताते चलें कि इससे पहले, 2019 में भी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का नाम नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया था। उस वक्त उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के प्रयासों के लिए यह नामांकन मिला था। दरअसल बालाकोट हवाई हमले के बाद इमरान खान ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की पहल की थी, जिसके समर्थन में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव भी पेश किया गया था।

पीडब्ल्यूए ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

पार्टियेट सेंट्रम ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इमरान खान को बार-बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए यूं नामित किए जाने से पाकिस्तान की मौजूदा सरकार की खासी किरकिरी होना लाजमी है। इमरान समर्थक इसे ढाल बनाकर शाहबाज सरकार पर निशाना साध सकते हैं। जानकारों की मानें तो इस समय पाकिस्तान की मौजूदा सरकार विश्व में हुए बदलाव से खासे दबाव में है।

रावलपिंडी की जेल में बंद हैं इमरान

इमरान खान 2023 से पाकिस्तान की रावलपिंडी स्थित अडियाला जेल में बंद हैं। जनवरी 2025 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने उन्हें 14 साल की सजा सुनाई। उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यहां बताते चलें कि 9 मई 2023 को इमरान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में सेना के अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

क्या इमरान को मिल सकता है नोबेल

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई चरणों में प्रक्रिया संपन्न होती है। यह तय करना नोबेल समिति के हाथ में होता है कि किसे अंतिम सूची में रखा जाएगा। इमरान खान का नामांकन एक बड़ा मुद्दा बन सकता है, क्योंकि वे इस समय जेल में बंद हैं और पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल जारी है।

बच्चों से दरिंदगी करने वालों को जेल से छूटने से पहले बनाया जाएगा नपुंसक

रोम। वर्ष 2014 में, साइप्रस ने दोषी बाल यौन अपराधियों के लिए अनिवार्य आजीवन कारावास की सजा लागू की थी। प्रस्ताव के अनुसार न्यूनतम सजा को 18 साल तक बढ़ाया जाएगा, और रिहाई की शर्त यह होगी कि उनका एंड्रोजन-ब्लॉकिंग दवाओं के साथ बधियाकरण किया जाएगा। बच्चों से दरिंदगी के दोषी ठहराए गए अपराधियों को जल्द ही जीवन भर जेल में रहने के बजाय रासायनिक ढंग से बधियाकरण करके जेल से बाहर भेजा सकता है। पिछले साल सितंबर में इटली में एक समान योजना पेश की गई थी। इस विवादास्पद योजना का नेतृत्व इटली की दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने किया था, जो 2022 से सत्ता में हैं। वह कानून और व्यवस्था पर सख्ती से कार्रवाई करना चाहती थीं और नए कानूनों के साथ-साथ कड़े दंड लाने की योजना बना रही थीं। उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से, उसने दर्जनों नए अपराधों को कायम करने और दंड में बढ़ोतरी करने वाले कानून पेश किए हैं। उनके रासायनिक बधियाकरण की योजनाओं की विपक्षी समूहों द्वारा 'चरमपंथी' और 'मानवता और न्याय का उल्लंघन' कहकर आलोचना की गई है। साइप्रस इस लिस्ट में सबसे नया यूरोपीय देश है, जो बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषियों को रोकने के लिए इस विवादास्पद तरीके का उपयोग करना चाहता है। साइप्रस के डेमोक्रेटिक एलाइनमेंट पार्टी के सांसद मिचालिस यियाकूमी ने देश में बाल शोषण के मामलों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए नए कानून की योजना बनाई है।यियाकूमी ने कहा कि संसदीय अध्ययन बताते हैं कि बाल बलात्कारी अक्सर फिर से अपराध करते हैं। यदि आजीवन कारावास नहीं लगाया जाता है, तो आगे के अपराधों और एक और बच्चे के जीवन के विनाश को रोकने के लिए यह अतिरिक्त दंड आवश्यक है। यह अस्वीकार्य है कि वे इतनी छोटी सजा काटें और बिना कड़े प्रतिबंधों के रिहा हो जाएं। यह विधेयक अभी साइप्रस में मंजूर नहीं हुआ है और इसे बाद में संसद में चर्चा के लिए पेश किया जाएगा, जबकि इसके विरोधी इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन मानते हैं। यह प्रक्रिया पहले से ही 12 यूरोपीय देशों में स्वैच्छिक रूप से उपयोग की जा रही है। रूस और पोलैंड में और कुछ अमेरिकी राज्यों में कुछ अपराधों के लिए अनिवार्य रासायनिक बधियाकरण की अनुमति है। 2024 में कजाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर रासायनिक बधियाकरण की घोषणा की। ग्यारह बाल यौन अपराधियों को देश के यौन अपराधियों पर नवीनतम कार्रवाई में एक साल में 24 इंजेक्शन लगवाए गए। उसी साल की शुरुआत में मेडागास्कर की संसद ने एक नया कानून मंजूर किया, जिसके तहत 10 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बलात्कार करने का दोषी पाए जाने पर सर्जिकल बधियाकरण और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। जबकि यदि पीड़ित की उम्र 10 से 13 साल के बीच है, तो उन्हें रासायनिक बधियाकरण और 15 से 20 साल के कठोर श्रम की सजा दी जाएगी।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वीडन ने बनाए परमाणु निरोधक बंकर

स्टॉकहोम,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच स्वीडन को लगने लगा है कि तीसरा विश्व युद्ध होगा। इसी आशंका के बीच स्वीडन ने आपनी तैयारी शुरु कर दी है। नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए 64 हजार से अधिक सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल बनाए हैं। इससे नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों के नुकसान से बचाया जा सकता है। स्वीडन की नागरिक सुरक्षा एजेंसी (एमएसबी) ने घोषणा की है कि वह अपनी नागरिक सुरक्षा बंकरों के नवीनीकरण के लिए 100 मिलियन क्रोनर का निवेश करेगी। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों से बचाना है।

स्वीडन में पहले से ही लगभग 64,000 सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। ये बंकर लगभग सात मिलियन नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं, जो स्वीडन की कुल जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा है। इसके बावजूद, स्वीडन ने अपने सुरक्षा उपायों को और अधिक उन्नत करने के लिए बंकरों की जांच और नवीनीकरण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। विशेष रूप से, मार्च 2024 में स्वीडन के नाटो में शामिल होने के बाद से इन बंकरों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने बताया कि इस नवीनीकरण परियोजना के तहत, बंकरों में मौजूद फिल्टर सिस्टम को उन्नत किया जाएगा ताकि रासायनिक और रेडियोलॉजिकल हमलों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, इन बंकरों को परमाणु हमलों, बम के टुकड़ों, शॉकवेव्स, और हीटवेव से बचाव के लिए भी डिजाइन किया गया है। बंकरों में नागरिकों को रेडियोधर्मी फॉलआउट, रासायनिक गैस, और जैविक हथियारों से सुरक्षा प्राप्त होगी।

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने जनवरी 2024 में कहा था, स्वीडन युद्ध में नहीं है, लेकिन शांति भी नहीं है। यह बयान यूरोप में बढ़ते सुरक्षा खतरे और एक संभावित बड़े संघर्ष की आशंका को दर्शाता है। स्वीडन में इस प्रकार की तैयारियां विशेष रूप से इसलिए की जा रही हैं क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति अस्थिर हो गई है।

ज्वालामुखी से निकला लावा

आईसलैंड में एक ज्वालामुखी से निकलता हुआ लावा।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी शरणार्थियों में से तीन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया

काठमांडू,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी नागरिकों को भूटान सरकार ने अपने यहां रखने से इनकार करते हुए उन सभी को वापस नेपाल भेज दिया है। इनमें से तीन भूटानी शरणार्थियों को नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिका जाने से पहले ये सभी 10 लोग नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविरों में रह रहे थे।

नेपाल के झापा जिले के एसपी मिलन केसी ने बुधवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने के बाद अवैध रूप से नेपाल में प्रवेश करने वाले 10 में से तीन भूटानी नागरिकों को मंगलवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता लगा है कि अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद भूटान सरकार ने उन्हें अपने यहां रखने से इनकार कर दिया जिसके बाद वो भारत के रास्ते नेपाल में दोबारा आ गए हैं।

अमेरिका की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा नेपाल में रह रहे भूटानी शरणार्थियों को ले जाया गया था लेकिन अब उनको अमेरिका से वापस भेजा जा रहा है। बीते सोमवार को अमेरिका से दिल्ली होते हुए थिंपू भेजे गए 10 नागरिकों को भूटान सरकार ने अपने यहां रखने से इनकार किया है। नेपाल में पुलिस नियंत्रण में लिए गए भूटानी नागरिकों ने बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद उन्हें जब सोमवार को थिंपू एयरपोर्ट पर उतारा गया तो वहां की सरकार ने प्रति व्यक्ति 30 हजार रुपये देकर भूटान से विदा कर दिया। नेपाल में गिरफ्तार किए गए भूटानी नागरिकों ने बताया कि चूंकि वो नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविर से अमेरिका गए थे इसलिए भूटान सरकार ने उन्हें दोबारा शरणार्थी शिविर में रहने के लिए भेजा है।

डेमोक्रेटिक बुकर 25 घंटे तक सीनेट में लगातार बोलते रहे राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के खिलाफ

वाशिंगटन,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी सांसद (सीनेटर) कॉरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यूजर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर बुकर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 25 घंटे और पांच मिनट लगातार बोलकर1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था।

खबर में बुकर के इस ऐतिहासिक भाषण पर विस्तार से चर्चा की गई है। 55 वर्षीय बुकर ने सोमवार शाम सात बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है। बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से फिलिबस्टर नहीं था। इसका सीधा मतलब है कि यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। न ही कार्यवाही को रोकने के लिए किसी विशिष्ट उपाय पर बहस के दौरान हुआ। यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ था। बुकर ने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया। कॉरी ने कहा कि पिछले 71 दिन में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकियों को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। बुकर ने मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला और ट्रंप की विदेश नीति का तीखा विरोध किया। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र भी पढ़े। इनमें ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र था। बुकर ने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का कई बार उल्लेख किया। इस दौरान कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। इनमें चक शूमर प्रमुख हैं। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है ।

नहीं थम रहे भूकंप के झटके, म्यांमार और थाईलैंड के बाद हिली पाकिस्तान की धरती

इस्लामाबाद। दुनिया में लगभग हर रोज कहीं न कहीं भूकंप के कम या ज्यादा झटके महसूस हो रहे हैं। म्यांमार और थाईलैंड में तबाही मचाने के बाद भूकंप ने अब पाकिस्तान में खबलची मचाई है। पाकिस्तान में देर रात भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की वजह से पाकिस्तान की धरती कांप उठी। रात में सोए लोगों की नींद खुल गई और वे घर से बाहर भागने लगे। फिलहाल, किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, पाकिस्तान में 2 अप्रैल को तड़के 2 बजकर 58 मिनट पर यह भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 थी। इसकी वजह से पाकिस्तान की धरती रात में ही डोलने लगी। लोगों को बेड हिलते महसूस हुए। फिलहाल, अब तक किसी के नुकसान की कोई खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे वक्त में आया है, जब म्यांमार और बैंकॉक में भूकंप की विनाशलीला दुनिया देख रही है। म्यांमार में पिछले सप्ताह आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,700 से अधिक हो गई है जबकि हजारों लोग घायल हैं।

उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक, पुरुष जिम्नास्टिक टीम ने प्राप्त किया तीसरा स्थान

प्रयागराज,02 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित अंतर रेलवे प्रतियोगिताओं में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ज़ोन को गौरवान्वित किया। उत्तर मध्य रेलवे की टीमों और खिलाड़ियों को महाप्रबंधक उत्तर उपेंद्र चंद्र जोशी ने शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह उपलब्धियां हासिल करेंगे।

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि 22 से 28 मार्च तक एमसीएफ रायबरेली (यूपी) में आयोजित अंतर रेलवे महिला हॉकी चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने कांस्य पदक जीता। टीम की कोच नीलम व मैनेजर रचना चौरसिया थीं। गुरजीत कौर और निशा वारसी सहित अन्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों से सज्जित उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में पिछली बार की चैम्पियन साउथ ईस्टर्न रेलवे को 5-3 से हराया।

उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 28 से 30 मार्च तक कोलकाता में आयोजित अंतर रेलवे जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने टीम चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इस टीम के कोच देवेंद्र झा और सहायक कोच देवेश थे। प्रतियोगिता में आदित्य सिंह राणा टूर्नामेंट के ऑल राउंड बेस्ट जिम्नास्ट और अंकुर शर्मा टूर्नामेंट के ऑल राउंड दूसरे बेस्ट जिम्नास्ट बने।

आदित्य सिंह राणा ने फ्लोर में रजत और रिंग्स में स्वर्ण पदक, आशीष कुमार ने फ्लोर में स्वर्ण, सिद्धार्थ वर्मा ने पॉमेल हॉर्स में गोल्ड और अंकुर शर्मा ने पैरेलल बार में रजत पदक प्राप्त किया।

इसके अलावा 24 से 26 मार्च तक वाराणसी के बीएलडब्ल्यू में आयोजित इंटर रेलवे गोल्फ चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में कार्यरत अमित कुमार ने रजत पदक जीता। इवेंट में इनका स्कोर 36 होल में 4 अंडर स्कोर रहा। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एसपी द्विवेदी, उपाध्यक्ष बीपी सिंह, महासचिव सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अजय सिंह, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमित मालवीय उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रैल में होने वाले विश्व कप चरण-1 के लिए नहीं मिला अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी टीम ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी वीज़ा प्राप्त करने में असमर्थ है और संभवत: 8 से 13 अप्रैल तक फ्लोरिडा में होने वाले विश्व कप स्टेज-1 प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएगी। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने खुलासा किया कि 16 सदस्यीय टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एएआई ने इंस्टाग्राम पर कहा, दुर्भाग्य से पिछले 40 दिनों में हमारे अथक प्रयासों और कई फॉलो-अप के बावजूद भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण अमेरिकी वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, हम आगामी विश्व कप प्रतियोगिता से बाहर होने के कगार पर हैं, जिसका हमारी भागीदारी और प्रतिस्पर्धी संभावनाओं पर गंभीर असर पड़ेगा। इस मुद्दे को हल करने और हमारी टीम के लिए संभावित झटके को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप जरूरी है। 2025 विश्व कप में पांच प्रतियोगिताएं शामिल हैं और यह 8 अप्रैल से 19 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें फ्लोरिडा, शंघाई, अंताल्या, मैड्रिड और नानजिंग मेजबान शहर होंगे। 2025 के लिए भारतीय टीम रिकर्व पुरुष: धीरज बोम्मदेवरा, तरूणदीप राय, अतनु दास और पार्थ सुशांत सालुंखे। रिकर्व महिला: अंकिता भक्त, दीपिका कुमारी, सिमरनजीत कौर और अंशिका कुमारी। कंपाउंड मैन: अभिषेक वर्मा, ऋषभ यादव, ओजस प्रवीण देवताले और उदय कंबोज। मिश्रित महिलाएं: मधुरा धमनगांवकर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, तानीपर्थी चिकिथा और अदिति स्वामी।

हार के बाद लखनऊ की पिच पर फूटा जहीर खान का गुस्सा, कहा-ऐसा लग रहा था जैसे पंजाब के क्यूरेटर ने तैयार की हो

लखनऊ। आईपीएल 2025 में घरेलू मैदान की पिच से परेशान होने वाली टीमों की सूची में अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी शामिल हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद, अब एलएसजी भी अपने होम ग्राउंड की पिच से निराश नजर आई। टीम के मेंटॉर ज़हीर खान ने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली 8 विकेट की हार के बाद अपनी नाराजगी ज़ाहिर की और कहा कि ऐसा लग रहा था मानो यहां पंजाब का क्यूरेटर काम कर रहा हो। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एलएसजी को आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद ज़हीर खान ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी जताई। मैच के बाद जहीर खान ने कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है, क्योंकि यह हमारा घरेलू मैदान है। आईपीएल में आपने देखा होगा कि टीमें अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोशिश करती हैं। लेकिन यहां क्यूरेटर ने इस बारे में नहीं सोचा। ऐसा लग रहा था जैसे यह पंजाब का क्यूरेटर था। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए भी एक नई जिम्मेदारी है, लेकिन उम्मीद है कि यह पहला और आखिरी मैच होगा जहां ऐसा हुआ। हमारे प्रशंसक हमें यहां जीतते हुए देखना चाहते हैं। हमें अपनी घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की जरूरत है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जहीर से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कप्तान ऋषभ पंत ने पिच को गलत पढ़ा, तो उन्होंने जवाब दिया, देखिए, हम तो वही करेंगे जो क्यूरेटर कहेगा, नहीं इसे बहाने के रूप में नहीं ले रहे, लेकिन पिछले सीजन में भी हमने देखा कि यहां बल्लेबाजों को दिक्कत होती थी और गेंदबाज हावी रहते थे।

अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी :फ्लेमिंग

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है।

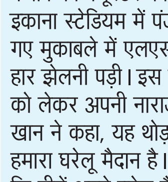

गुजरात ने बेंगलुरु को आठ विकेट से हराया

सिराज के बाद सुदर्शन और बटलर चमके

बेंगलुरु,02 अप्रैल (एजेंसियां)। पहले मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी और फिर जोस बटलर की तूफानी फिफ्टी से गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उसके घर में 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात की टीम की ये 18वें सीजन में दूसरी जीत है, जबकि आरसीबी को लगातार दो मैच में मिली जीत के बाद पहली हार का स्वाद चखना पड़ा है। गुजरात टाइटंस और आरसीबी के बीच यह मुकाबला एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। मैच में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। टॉस हारने के बाद आरसीबी की टीम ने लियाम लिविंगस्टोन और जितेश की पारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर खेल में 8 विकेट के नुकसान पर जैसे-तैसे 169 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम ने 13 गेंद रहते ही 170 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस तरह आरसीबी को अपने घर में ही हारकर शर्मसार होना पड़ा।गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में एक बार फिर से साईं सुदर्शन ने बल्लेबाजी में कमाल किया था। साईं सुदर्शन ने शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 36 गेंद में 49 रनों की पारी खेली। वह सिर्फ 1 रन से अपनी फिफ्टी चूक गए। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 7 चौके और 1 छक्का भी लगाया। वहीं कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर से बल्लेबाजी में असरदार नहीं रहे।

शुभमन के विकेट के बाद जोस बटलर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। कुछ देर तक क्रीज पर समय बिताने के बाद उन्होंने भी अपनी रफ्तार पकड़ी। इसके बाद तो मानों वह आरसीबी के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। बटलर गुजरात की तरफ से तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए 39 गेंद में 73 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं उनके साथ इंपैक्ट सब के रूप में शेफरन रदरफोर्ड 18 गेंद में 30 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात के लिए रदरफोर्ड ने विनिंग शॉट लगाया।

गुजरात के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी के गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। आरसीबी की टीम कसी हुई फील्डिंग के बावजूद सिर्फ 2 विकेट ही निकाल पाई। टीम की करफ से ये दोनों विकेट तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के नाम रहा। इसके अलावा और कोई भी गेंदबाज विकेट निकालने में सफल रहे।

आईपीएल 2025: एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर लगा मैच फीस का 25प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

मंगलवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी)और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए आईपीएल 2025 मैच के दौरान एलएसजी के तेज गेंदबाज दिग्वेश सिंह को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके चलते उन्हें उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना भरना होगा और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है।

दिग्वेश ने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया, आर्या डग-आउट की ओर जा रहे थे, तो दिग्वेश ने उनका पीछा किया और एक काल्पनिक नोटबुक पर लिखना शुरू कर दिया। हालांकि बल्लेबाज ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की। गौरतलब है कि पिछले साल दिल्ली प्रीमियर लीग में दोनों ने एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया था। दिग्वेश की इस हरकत को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन माना गया। दिग्वेश ने लेवल 1 अपराध के तहत अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करना स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। आईपीएल के नियमों के अनुसार, यदि किसी खिलाड़ी के चार डिमेरिट पॉइंट जुड़ जाते हैं, तो उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया जा सकता है। हालांकि, दिग्वेश पर अभी सिर्फ एक डिमेरिट पॉइंट लगा है, इसलिए उन्हें किसी निलंबन का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन अगर आगे भी इस तरह की कोई घटना दोहराई जाती है, तो उन पर सख्त कार्रवाई हो सकती है।

आरसीबी बनी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली आईपीएल टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंस्टाग्राम पर अपनी लोकप्रियता के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीम ने 18 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी बन गई है। आरसीबी ने अपने अनोखे और आकर्षक कंटेंट के जरिए फैंस से गहरा जुड़ाव बनाया है, जिससे सोशल मीडिया उनके लिए ब्रांड ग्रोथ और कमर्शियल एंगेजमेंट का एक मजबूत जरिया बन गया है। यह जानकारी फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में दी गई। पिछले साल नवंबर 2023 तक आरसीबी, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से पीछे थी। हालांकि, टीम की प्रभावी सोशल मीडिया रणनीति और फैंस की जबरदस्त निष्ठा ने उसे इस रेस में आगे ला दिया। अब आरसीबी के 18.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि सीएसके के 17.8 मिलियन और एमआई के 16.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आरसीबी ने 23 मार्च को 17 मिलियन का आंकड़ा छुआ था और महज 10 दिनों में 18 मिलियन तक पहुंच गई। आरसीबी की सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के पीछे उनकी हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ऐतिहासिक जीत भी एक बड़ी वजह रही। टीम ने 17 साल बाद सीएसके को उनके घरेलू मैदान पर हराया, जिससे फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम को जबरदस्त सपोर्ट मिला और फॉलोअर्स की संख्या में तेजी आई।

शार्लेट एडवर्ड्स बनीं इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की नई हेड कोच

लंदन,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को शार्लेट एडवर्ड्स को इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। पूर्व इंग्लैंड कप्तान एडवर्ड्स ने अपने देश के लिए 300 से अधिक मैच खेले हैं और अपने 20 साल के क्रिकेट करियर में दो वर्ल्ड कप और पाँच बार एशेज ट्रॉफी जीती है। 2017 में संन्यास लेने के बाद, एडवर्ड्स ने इंग्लिश घरेलू क्रिकेट और वैश्विक टी20 लीगों में कोचिंग की है। उन्होंने दक्षिणी वाइपर, द हंड्रेड में साउदर्न ब्रेव, विमेंस बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स और विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के साथ सफलता हासिल की है।

अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए एडवर्ड्स ने कहा, इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के नेतृत्व का फिर से हिस्सा बनने पर मैं बेहद रोमांचित हूं। इस टीम को आगे ले जाना और सफलता की ओर बढ़ाना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरे लिए फिर से तीन शेरों (इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम का लोगो) को धारण करना दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान है। इंग्लैंड की कप्तानी करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है और मैं हमेशा इस टीम और इसकी विरासत के प्रति समर्पित रहूंगी। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है, और मैं उनके साथ काम करने और उन्हें व्यक्तिगत और टीम स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा, हमारे सामने दो घरेलू सीरीज का त्वरित चुनौती है, जिसके बाद इस साल के अंत में भारत में आईसीसी महिला विश्व कप खेला जाना है।

अगले साल इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप भी होगा और इसके बाद 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में महिला क्रिकेट की पहली उपस्थिति होगी। मैं इस टीम के साथ ट्रॉफी जीतने और इसे आगे ले जाने के लिए तैयार हूं।

ईसीबी की डिप्टी सीईओ और इंग्लैंड महिला क्रिकेट की मैनेजिंग डायरेक्टर क्लेयर कॉनर ने कहा, जब हमने इस पद के लिए मानदंड तय किए, तो यह जल्दी स्पष्ट हो गया कि शार्लेट एडवर्ड्स सबसे बेहतरीन उम्मीदवार हैं।

उन्होंने आगे कहा, उनके पास अनुभव, जुनून और विशेषज्ञता है, जो इस टीम को सफलता की ओर ले जा सकती है। बतौर हेड कोच उन्होंने अलग-अलग टीमों के साथ बेहतरीन नतीजे दिए हैं। यह उनके निरंतर प्रयास और उच्च मानकों का प्रमाण है। वह एक सिद्ध विजेता हैं, जिन्होंने एक खिलाड़ी और अब कोच के रूप में लगातार सफलता हासिल की है।

शार्लेट एडवर्ड्स वर्तमान में हैम्पशायर से ईसीबी में शामिल हो रही हैं। इंग्लैंड महिला टीम की हेड कोच के रूप में उनका पहला मैच 21 मई को वेस्टइंडीज के खिलाफ कैंटरबरी में होगा। इंग्लैंड महिला टीम के नए कप्तान की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

वेस्ट इंडीज़ 1975 विश्व कप की ऐतिहासिक जीत की 50वीं वर्षगांठ मनाएगा

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

वेस्ट इंडीज़ अपनी ऐतिहासिक 1975 विश्व कप जीत की 50वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है, जिसे लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में 21 जून 1975 को हासिल किया गया था। उस समय इसे प्रूडेंशियल वर्ल्ड कप कहा जाता था। इस टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लाइव लॉयड की शानदार सेंचुरी ने वेस्ट इंडीज़ को 17 रन से जीत दिलाई थी और लॉयड ने ट्रॉफी उठाई थी।

वेस्ट इंडीज़ के इस ऐतिहासिक सम्मान समारोह का आयोजन बारबाडोस में होगा, हालांकि अभी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

विश्व प्रसिद्ध क्रिकेटर माइकल होल्डिंग ने इस योजना का स्वागत करते हुए कहा, यह एक बेहतरीन विचार है। मैं विस्तार से तो नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा है कि हम अपनी उपलब्धियों को मान्यता दे रहे हैं।

होल्डिंग, जो 1975 के विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा नहीं थे, 1979 और 1983 के विश्व कप में वेस्ट इंडीज़ का हिस्सा रहे। 1983 में भारत ने वेस्ट इंडीज़ को फाइनल में हराया था।

होल्डिंग ने आगे कहा, सभी अन्य देश अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं और हमें भी अपनी कहानी लिखनी चाहिए और अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए। 1975 की विश्व कप जीत वेस्ट इंडीज़ क्रिकेट इतिहास के सबसे महान क्षणों में से एक मानी जाती है, जो उनके विश्व क्रिकेट में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने के समय पर आई। वेस्ट इंडीज़ का प्रभुत्व अगले दशक तक बना रहा, लेकिन उसके बाद टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई, और तब से वह पूरी तरह से वापस नहीं आ सकी है। सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने हाल ही में मीडिया सम्मेलन में इस आयोजन की योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा, इस साल हम 1975 में हुई अपनी पहली विश्व कप जीत की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हम आयोजन के अंतिम चरण में हैं, कुछ चीज़ों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डॉ. शैलो ने स्पोर्ट्समैक्स वेबसाइट को बताया,यह हमारे वार्षिक कैलेंडर का एक प्रमुख हिस्सा होगा। इस जीत के 12 जीवित सदस्य हैं, और हम उनका सम्मान बारबाडोस में होने वाले इस समारोह में करेंगे। यह हमारे लिए एक शानदार आयोजन होगा, साथ ही हम अपनी घरेलू सीरीज का भी इंतजार कर रहे हैं, वर्तमान में जीवित 12 सदस्य हैं: गॉर्डन ग्रीनिज़ (73), अल्विन कालिचरन (76), रोहन कन्हाई (89), क्लाइव लॉयड (80), विव रिचर्ड्स (73), बर्नार्ड जूलियन (75), डेरेक मरे (81), वैनबर्न होल्डर (79), एंडी रॉबर्ट्स (74), कॉलिस किंग (73), लांस गिब्स (90) और मौरिस फोस्टर (81)। इस टीम के दो खिलाड़ी अब इस दुनिया में नहीं रहे - रॉय फ्रेडरिक्स (सितंबर 2000 में 57 वर्ष की आयु में निधन) और कीथ बॉयस (अक्टूबर 1996 में 53 वर्ष की आयु में निधन)।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

एसयूवी की मांग के बीच, इस साल मारुति की वैगनआर ने बेची सबसे ज्यादा गाड़ी

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

एसयूवी गाड़ियां का चलन दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है, लेकिन देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी की पुरानी गाड़ी वैगनआर ने फिर लोगों को चौंका दिया है। फाइनेंशियल ईयर 2025 में वैगनआर देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी है। उसने टाटा की पंच को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। पिछले वित्त वर्ष में देश में वैगनआर की बिक्री 1.98 लाख यूनिट रही जबकि टाटा की पंच 1.96 लाख यूनिट के साथ दूसरे नंबर पर रही। हुंडई की क्रेटा 1.94 लाख यूनिट के साथ तीसरे नंबर पर रही।

वैगनआर की जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टॉप 5 में ये अकेली छोटी गाड़ी है। बाकी सब एसयूवी या यूपी हैं। मारुति की अर्टिगा 1.90 लाख यूनिट के साथ चौथे और ब्रेजा 1.89 लाख यूनिट के साथ पांचवें नंबर पर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने कहा कि कई लोगों को लगता था कि हैचबैक गाड़ियां अब नहीं चलेंगी, लेकिन वैगनआर की बिक्री ने दिखा दिया कि अभी भी इस कैटगरी में दम है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा देश है और यहां हर तरह के ग्राहक हैं। कुछ लोग हैचबैक गाड़ियों को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि मारुति हर तरह की गाड़ियां बनाने और बेचने पर ध्यान दे रही है। इसमें एसयूवी भी शामिल हैं, जो कंपनी के लिए एक अहम क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि मारुति हर कैटगरी में गाड़ियां बेचती है। हम एसयूवी या किसी और कैटगरी को कम नहीं आंकते। हम ग्राहकों को विकल्प देकर उनकी पसंद को सीमित नहीं करना चाहते। बाजार में एसयूवी गाड़ियों की बहुत मांग है। पिछले कुछ साल में एसयूवी की बिक्री दोगुनी हो गई है। अब ये सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ियां हैं। इस साल में एसयूवी की बिक्री 54 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान कुल मिलाकर 43 लाख गाड़ियां बिकीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गोरी ने की...

आइए, इसकी पूरी कहानी को विस्तार से समझते हैं।

भारत में वक्फ की औपचारिक शुरुआत का श्रेय अक्सर अफगानी आक्रमणकारी और लुटेरे शासक मोहम्मद गोरी को दिया जाता है। गोरी अफगानिस्तान के घोर प्रांत से आया एक तुर्की शासक था, जिसने 12वीं सदी के अंत में भारत पर कई हमले किए। 1175 में उसने मुल्तान के इस्माइली शासक को हराया और 1192 में तराइन के दूसरे युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा किया। गोरी का मकसद सिर्फ सत्ता हासिल करना नहीं था, बल्कि इस्लामी संस्थानों को मजबूत करना भी था।

इतिहासकार विपुल सिंह की किताब इंटरप्रेटिंग मेडिएवल इंडिया और अयनुल मुल्क मुल्तानी की फारसी किताब इन्शा-ए-मेहरु के अनुसार, गोरी ने 1185 में मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव दान में दिए। इन गांवों का मैनेजमेंट शेख-अल-इस्लाम को सौंपा गया, जो उस समय एक प्रमुख मजहबी नेता की उपाधि थी। यह भारत में वक्फ का पहला दर्ज उदाहरण माना जाता है। गोरी का यह कदम धार्मिक और सामुदायिक कल्याण के लिए था, ताकि मस्जिद की देखभाल और मुसलमानों की शिक्षा के लिए संसाधन जुटाए जा सकें। हालांकि, कुछ वामपंथी इतिहासकार जैसे प्रोफेसर इरफान हबीब मानते हैं कि वक्फ की अवधारणा इससे पहले भी व्यक्तिगत स्तर पर मौजूद थी, लेकिन गोरी ने इसे शासकीय पहचान दी। इन दो गांवों से शुरू हुई यह परंपरा आगे चलकर लाखों एकड़ तक फैल गई। गोरी की मृत्यु 1206 में हुई, लेकिन उसके गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाया।मोहम्मद गोरी का गुलाम और सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक साल 1206 में दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान बना। उसने 1206 से 1210 तक शासन किया और भारत में इस्लामी शासन की नींव रखी। ऐबक के दौर में वक्फ को औपचारिक रूप से लागू करने का कोई स्पष्ट दस्तावेज नहीं मिलता, लेकिन उसने इस्लामिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए, जो वक्फ के विकास में मददगार साबित हुए। ऐबक ने दिल्ली में कुतुब मीनार और कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद की नींव रखी। ये मजहबी स्थल बाद में वक्फ सम्पत्तियों का हिस्सा बने। इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी की किताब तारीख-ए-फिरोज शाही के मुताबिक, उस दौर में शासक अक्सर मस्जिदों और मदरसों के लिए जमीनें दान करते थे। ऐबक का शासन छोटा था, लेकिन उसने इस्लामी कानूनों को लागू करने की शुरुआत की, जिसने वक्फ को मजबूत करने का रास्ता खोला। उसकी मृत्यु के बाद उसका दामाद इल्तुतमिश सत्ता में आया, जिसने वक्फ को और व्यवस्थित किया।

दिल्ली सल्तनत का तीसरा सुल्तान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश 1211 से 1236 तक शासक रहा। उसे भारत में इस्लामी शासन को मजबूत करने वाला पहला शासक माना जाता है। इल्तुतमिश ने न सिर्फ सल्तनत को संगठित किया, बल्कि इस्लामी कानूनों और परंपराओं को व्यवस्थित करने में भी अहम भूमिका निभाई। वक्फ इसकी एक बड़ी मिसाल है। इल्तुतमिश के शासन में मस्जिदों, मदरसों और अन्य मजहबी कार्यों के लिए सम्पत्तियां दान करने की प्रथा बढ़ी। बदायूं में शम्सी मस्जिद, जिसका निर्माण उसके शासनकाल में हुआ, एक वक्फ सम्पत्ति का उदाहरण है। इतिहासकार बताते हैं कि इल्तुतमिश ने वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर कमेटियां बनाईं, जिन्हें मुतवल्ली कहा जाता था। ये कमेटियां सम्पत्ति की देखभाल और उससे होने वाली आय को जन-कल्याण में लगाने का काम करती थीं। इल्तुतमिश के दौर में ज्यादातर सम्पत्ति शासकों के पास होती थी, इसलिए वे ही वाकिफ (दानदाता) बनते थे।उसकी बनाई मस्जिदें और मदरसे वक्फ के तहत संरक्षित किए गए। विद्वान अमीर अफाक अहमद फैजी के मुताबिक, बदायूं में मिरान मुलहिम की कब्र और बिलग्राम में ख्वाजा मजद अल-दीन का मकबरा भी इल्तुतमिश के समय की वक्फ सम्पत्तियों के उदाहरण हैं। इल्तुतमिश ने वक्फ को एक संस्थागत रूप दिया, जो बाद के शासकों के लिए आधार बना। मुगल काल में वक्फ ने नया आयाम लिया। बाबर (1526-1530) ने 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई जीतकर मुगल साम्राज्य की नींव रखी। उसके बाद हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब जैसे शासकों ने वक्फ को और संगठित किया। बाबर और हुमायूं: बाबर ने अपने छोटे शासन में वक्फ को बढ़ावा दिया। उसने दिल्ली में मस्जिदें बनवाईं, जो बाद में वक्फ सम्पत्ति बनीं। हुमायूं का शासन अस्थिर रहा, लेकिन उसने भी इस काम को जारी रखा।अकबर (1556-1605): अकबर ने वक्फ को व्यापक रूप दिया। उसने लखनऊ में फरांगी महल को वक्फ किया, जो एक बड़ा इस्लामिक शिक्षण केंद्र बना। अकबर ने मजहबी कार्यों के लिए जमीनें दान कीं और वक्फ के प्रबंधन को मजबूत करने के लिए नियम बनाए। शाहजहां (1628-1658): शाहजहां ने ताजमहल के रखरखाव के लिए 30 गांव और एक परगना वक्फ में दिया। विद्वान अमीर अफाक अहमद फैजी लिखते हैं कि यह मुगल काल में वक्फ का सबसे बड़ा उदाहरण था। शाहजहां ने दिल्ली में जामा मस्जिद भी बनवाई, जो वक्फ सम्पत्ति का हिस्सा बनी। औरंगजेब (1658-1707): औरंगजेब ने भी वक्फ को बढ़ावा दिया, लेकिन उसका फोकस मजहबी कार्यों पर ज्यादा था। उसने कई मस्जिदों और कब्रिस्तानों के लिए जमीनें दान की। मुगल काल में वक्फ सम्पत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी। शासकों के अलावा आम लोग भी अपनी जमीनें दान करने लगे। ग्रामीण इलाकों में मुस्लिम समुदाय के फैलने और धर्म परिवर्तन के साथ वक्फ का दायरा बढ़ता गया।ब्रिटिश शासन में वक्फ को कानूनी और संगठित रूप मिला। उससे पहले यह व्यक्तिगत और समुदाय स्तर पर चलता था। प्रोफेसर इरफान हबीब बताते हैं कि ब्रिटिश सरकार ने वक्फ को नियंत्रित करने की कोशिश की, ताकि उसकी सम्पत्तियों का प्रबंधन व्यवस्थित हो सके। साल 1913 में वक्फ बोर्ड की शुरुआत: 1913 में ब्रिटिश सरकार ने मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट पारित किया। इसका मकसद वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी करना और उनके दुरुपयोग को रोकना था। यह पहला मौका था जब वक्फ को सरकारी स्तर पर मान्यता मिली। साल 1923 का वक्फ एक्ट: 5 अगस्त 1923 को मुसलमान वक्फ एक्ट 1923 लाया गया, जिसने वक्फ को कानूनी आधार दिया। इस एक्ट के तहत वक्फ सम्पत्तियों का रजिस्ट्रेशन और प्रबंधन शुरू हुआ। बोर्ड बनाए गए, जिनमें समुदाय के लोग और सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे।

हबीब कहते हैं, ब्रिटिश काल में जमींदार और नवाब अपनी अतिरिक्त सम्पत्तियां दान कर दिया करते थे। यह प्रथा पहले से थी, लेकिन इसे संगठित करने की कोशिश ब्रिटिश सरकार ने की। इस दौर में वक्फ की सम्पत्तियां मस्जिदों, कब्रिस्तानों और मदरसों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि इसमें नकदी और इमारतें भी शामिल हुईं। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में लाई। इसे लेकर सरकार और विपक्ष में जमकर रस्साकशी चली। इसी बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र छेड़ दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 1911 में जिन्ना मुस्लिम वक्फ एक्ट लेकर आए थे, और 1954 तक इसे जिन्ना लॉ के नाम से जाना जाता था। हिंदुओं और मुसलमानों के अलग-अलग कानूनों ने इस देश में विभाजन को जन्म दिया। तो आखिर क्या है ये जिन्ना का मुस्लिम वक्फ एक्ट? ये भी समझ लेते हैं।

मोहम्मद अली जिन्ना 20वीं सदी की शुरुआत में कांग्रेस का नेता था। वो एक बड़ा वकील था और उस समय तक उसका इस्लामी कट्टरता वाला चेहरा सामने नहीं आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1911-1913 के दौरान जिन्ना ने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के तहत इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में एक महत्वपूर्ण कानून को पेश करने में अहम भूमिका निभाई, जिसे मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट, 1913 कहा जाता है। यह एक्ट वक्फ सम्पत्तियों से संबंधित कानूनी विवादों को सुलझाने के लिए बनाया गया था। 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश अदालतों और प्रिवी काउंसिल ने कई फैसले दिए, जिनमें वक्फ की वैधता पर सवाल उठे। खास तौर पर, 1894 के अब्दुल फतह बनाम सईदन मामले में प्रिवी काउंसिल ने फैसला दिया कि अगर कोई वक्फ अपने परिवार के लाभ (वक्फ-अलाल-औलाद) के लिए बनाया गया है, तो वह इस्लामी कानून के तहत वैध नहीं होगा। इस फैसले ने भारत में मुस्लिम समुदाय में चिंता पैदा की, क्योंकि पारिवारिक वक्फ उनकी परंपरा का हिस्सा थे।

इस समस्या को हल करने के लिए मुस्लिम नेताओं ने ब्रिटिश सरकार से एक नया कानून बनाने की मांग की। जिन्ना तब इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य था। उसने इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया। 7 मार्च 1911 को यह बिल पेश किया गया, जिसे बाद में संशोधनों के साथ 1913 में पारित किया गया। यह कानून 7 मार्च 1913 को लागू हुआ। इसका मकसद था कि पारिवारिक वक्फ को कानूनी मान्यता मिले और प्रिवी काउंसिल के फैसले से सामने आया असमंजस खत्म हो। निशिकांत दुबे का दावा है कि 1954 तक इसे जिन्ना लॉ कहा जाता था, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेजों में कहीं भी इसका जिक्र नहीं मिलता। चूँकि यह जिन्ना के प्रयासों से आया था, इसलिए इसे जिन्ना लॉ के रूप में जोड़ा जाता है। लेकिन आधिकारिक तौर पर इसका नाम हमेशा मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट-1913 ही रहा।साल 1923 में मुसलमान वक्फ एक्ट 1923 पारित हुआ, जो वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन से जुड़ा था। आजादी के बाद भारत सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए 1954 में एक नया वक्फ एक्ट बनाया। इसके बाद 1995 और 2013 में इसमें संशोधन हुए और अब 2025 में वक्फ संशोधन बिल पेश किया जा रहा है। वक्फ की कहानी सिर्फ शासकों तक सीमित नहीं है। 7वीं सदी में अरब व्यापारियों ने दक्षिण भारत में इस्लाम के साथ वक्फ की परंपरा लाई। मालाबार क्षेत्र में मस्जिदें और कब्रिस्तान इसके शुरुआती उदाहरण हैं।इतिहासकार सतीश चंद्रा की किताब मेडिएवल इंडिया के मुताबिक, दक्कन के बहमनी सल्तनत और विजयनगर साम्राज्य के बीच संपर्क में भी वक्फ का जिक्र मिलता है। स्वतंत्रता के बाद 1954 में वक्फ एक्ट आया, जिसे 1995 और 2013 में संशोधित किया गया। आज वक्फ बोर्ड के पास 9.4 लाख एकड़ जमीन है, जो इसे देश का तीसरा सबसे बड़ा जमींदार बनाती है। दो गांवों से शुरू हुआ वक्फ आज 9.4 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। इसमें 8.7 लाख से ज्यादा सम्पत्तियां शामिल हैं। मस्जिदें, दरगाहें, कब्रिस्तान और इमामबाड़े इसके बड़े हिस्से हैं।वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब की चिंता है, जिस सम्पत्ति का कोई मालिक नहीं होता, उसके सब मालिक बन जाते हैं। वक्फ के साथ भी यही हुआ। कई जगह इसका दुरुपयोग हुआ। वे कहते हैं कि लोग संशोधन बिल पर शक करते हैं कि सरकार इसके जरिए जमीनों पर कब्जा करना चाहती है। हबीब कहते हैं, वक्फ समाज के लिए बना था। इसे उसी भावना से चलाना चाहिए। मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली कहते हैं, वक्फ में कोई गैर-कानूनी कब्जा नहीं होता। यह आरोप बेबुनियाद हैं। मुसलमानों ने अपनी जमीनें दान की हैं। मौलाना खालिद कहते हैं, वक्फ इस्लाम में नमाज और हज जितना अहम है। यह 1400 साल से चली आ रही परंपरा है। लेकिन वे मानते हैं कि इसमें नीयत बदल गई है। आज वक्फ बोर्ड की ताकत और उससे जुड़े विवाद सरकार के लिए चुनौती हैं। यह संशोधन कितना कारगर होगा, यह वक्त बताएगा। लेकिन राजगोपाल जैसे लोगों का दर्द और सवाल अभी अनसुने हैं।

नया वक्फ...

तीसरा, तिलकायत श्री गोविंदलाल जी महाराज बनाम राजस्थान सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिरों की सम्पत्तियों के प्रबंधन का अधिकार सेक्युलर मामला है, धार्मिक नहीं।

किरेन रिजिजू ने 2014 में हुए संशोधन की बात करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले 123 सम्पत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दिया। ये सरकारी सम्पत्ति थी। उन्होंने कहा कि लोग समझदार हैं, ऐसे काम करने से वोट नहीं मिलता है। उन्होंने बताया कि 1995 में जो प्रावधान नहीं थे, उन्हें 2013 में जोड़ा गया था। इसमें बताया गया है कि वक्फ बोर्ड को जमीन वही व्यक्ति दान कर सकता है, जिसने कम से कम 5 वर्ष इस्लाम की प्रैक्टिस की हो। वक्फ बोर्ड में सब शिया, सुन्नी, बोहरा और पिछड़े मुस्लिम भी रहेंगे, महिलाएं भी रहेंगी। इसमें मुस्लिम विशेषज्ञों को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल में 4 गैर-मुस्लिम सदस्य रह सकते हैं और 2 महिलाएं होनी ही चाहिए। साथ ही किसी भी धर्म/मजहब के 3 सांसद इसमें रहेंगे। इसके अलावा 10 सदस्य मुस्लिम समिति से होंगे, इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के 2 पूर्व जज रहेंगे। एक वकील भी रहेगा। 4 प्रतिष्ठित लोग विभिन्न क्षेत्रों से रहेंगे। एक अधिकारी भी रहेंगे। 10 मुस्लिम सदस्यों में ही 2 महिलाएं रहेंगी।किरेन रिजिजू ने बताया कि वक्फ बोर्ड में जो प्रावधान जरूरी नहीं थे, उन्हें देश के कानून के हिसाब से कर दिया गया है। किरेन रिजिजू ने इस आंकड़े की भी चर्चा की, जिसमें बताया गया है कि रेलवे और डिफेंस के बाद सबसे अधिक जमीनें वक्फ बोर्ड की है। उन्होंने बताया कि रेलवे की सम्पत्तियां देश की सम्पत्ति है, इसी तरह डिफेंस की सम्पत्ति भी देश की है। वहीं उन्होंने कहा कि वक्फ की प्रॉपर्टी प्राइवेट होती है, दुनिया में सबसे अधिक वक्फ सम्पत्ति भारत में है। उन्होंने सवाल उठाया कि इसके बावजूद देश के मुस्लिम गरीब क्यों है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार दलित मुस्लिमों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि चंद वोटों और सत्ता के लिए मुस्लिमों को गुमराह किया जा रहा है। किरेन रिजिजू ने कहा कि 2006 में 4.90 लाख वक्फ सम्पत्तियां थीं, जिसकी आय थी 163 करोड़ रुपए। 2013 में बदलाव के बाद भी मात्र 3 करोड़ रुपए ही आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सच्चर कमिटी ने भी कहा है कि अच्छे से प्रबंधन होता तो उसी वक्त वक्फ प्रॉपर्टी से 12,000 करोड़ रुपए का राजस्व आता। किरेन रिजिजू ने कहा कि सोचिए इससे कितने मुस्लिमों को फ़ायदा होता। आज कुल वक्फ सम्पत्तियां 8.72 लाख वक्फ सम्पत्तियां हो गई हैं।

लोकसभा में बुधवार 2 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल पेश करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि नया कानून बनने के बाद वक्फ बोर्ड एक कानून-सम्मत संस्था होगी, इसमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी सदस्य होंगी। सम्पत्ति का आधिकारिक लेखा-जोखा होगा। उसकी ऑडिट होगी। इस कानून का मजहब से कोई लेना-देना नहीं होगा। इस कानून के जरिए सरकार मस्जिदें छीन लेंगी, सम्पत्ति अधिग्रहीत कर लेगी वगैरह वगैरह महज अफवाहें हैं जिसे जानबूझ कर फैलाया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम सब किसी न किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से आते हैं, लेकिन सब भारतीय हैं। राज्य सरकारों को अधिकार दिए गए हैं कि जो सम्पत्ति पंजीकृत है, उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो विवादित सम्पत्तियां हैं और अदालत में पेंडिंग हैं, उनमें सरकार कैसे हस्तक्षेप कर सकती है?

इसी तरह, रिजिजू ने याद दिलाया कि कैसे सीएए बिल के समय कुछ लोगों ने कहा था कि इसके लागू होने से मुस्लिमों की नागरिकता चली जाएगी, आज ये कानून लागू है लेकिन गलत साबित होने के बावजूद ऐसी बातें करने वालों ने माफी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि कोई भी मुस्लिम जब वक्फ क्रिएट करता है तो उस परिवार में महिला का अधिकार सुनिश्चित करने के बाद ही वो ऐसा करेगा। उसी प्रॉपर्टी पर वक्फ बनाया जा सकता है जिसमें शत-प्रतिशत हिस्सा हो, महिलाओं-बच्चों का अधिकार नहीं छीना जा सकता है।किरेन रिजिजू ने कहा कि समाज में महिलाओं को दबाने का काम करने वाले यहां जोर-जोर से बोल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेपीसी का सुझाव मानते हुए कलक्टर के ऊपर के अधिकारियों को विवादित वक्फ सम्पत्ति के मामले में जाँच का अधिकार दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनजातीय समाज के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किया गया है कि अनुसूचित जनजाति की सम्पत्तियों में वक्फ सम्पत्तियां क्रिएट नहीं की जा सकेंगी। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अब कोर्ट भी जाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने वाले प्रावधान को हटा दिया गया है। जमीन हड़पने के लिए इस प्रावधान का गलत इस्तेमाल किया गया। किरेन रिजिजू ने कहा कि आज पूरे देश का ईसाई समुदाय और चर्चों के लोग आज कह रहे हैं कि वक्फ संशोधन बिल जल्दी पारित हो, क्योंकि इसके सेक्शन-40 का दुरुपयोग होता था। उन्होंने इस दौरान विपक्षी दलों को याद दिलाया कि इस बिल का विरोध करने पर उन्हें केरल के ईसाईयों का विरोध झेलना पड़ेगा। उन्होंने तमिलनाडु के तिरुचांदुराई स्थित 1500 वर्ष पुराने मंदिर को और यमुनानगर में स्थित एक गुरुद्वारे के अलावा केरल में 600 ईसाई परिवारों की जमीनों को वक्फ सम्पत्ति घोषित किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें अब जमीन वापस मिल जाएगी। किरेन रिजिजू ने कहा कि अब भी मौका है, विपक्षी दल इस वक्फ बिल का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके जैसे एक साधारण व्यक्ति को इस पुण्यकार्य का मौका दिया है, करोड़ों गरीब उन्हें दुआ देने वाले हैं। उन्होंने अपील की कि सब इस दुआ में शामिल हों, ये दुआ उन्हें अकेले क्यों मिले। उन्होंने अंत में एक शेर के साथ अपनी बात खत्म की : मेरी हिम्मत को तो सराहो, मेरे हमराही बनो / मैंने एक शमा जलाई है हवाओं के खिलाफ...

13000 वर्ग ...

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मार्च 2024 तक अतिक्रमण के तहत कुल वन भूमि से इस क्षेत्र को बाहर रखा गया था या नहीं। वन क्षेत्र या रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (आरएफए) में सरकार की तरफ से आधिकारिक तौर पर वन के रूप में नामित भूमि शामिल है, भले ही उस पर पेड़ न हों।

लोकतंत्र में शासन...

कनिमोझी ने सवाल किया था कि सरकार प्रवेश के लिए परीक्षाओं को अपने संस्थानों तक सीमित नहीं रख सकती। वह इन परीक्षाओं का विकेंद्रीकृत क्यों नहीं कर सकती, जहां राज्य बोर्ड परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर राज्य भरते हैं। केंद्रीय मत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत पिछली यूपीए सरकार ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है और मेडिकल प्रवेश परीक्षा केंद्रीकृत है।

उन्होंने कहा, प्रश्न का मूल यह है कि आप नीट परीक्षा को खत्म क्यों नहीं कर देते और राज्यों को अधिकार क्यों नहीं दे देते। उन्होंने कनिमोझी को संबोधित करते हुए कहा, पिछली यूपीए सरकार ने इस मॉडल की शुरुआत की थी। हमें इसे आगे बढ़ाना है। आप उस सरकार का हिस्सा थीं। वह उस समय इस पर राजी हो सकती थीं।

नेपाल सीमा से ...

सिद्धार्थनगर से लगती सीमा पर तो ब्रिटेन के पाउंड स्टर्लिंग, अमेरिकी डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात के दिरहम, दक्षिण कोरियाई वॉन और चीनी युआन करेंसी के भी एक्सचेंज की सुविधा खुलेआम मिल रही है। बॉर्डर पर मिले आबिद ने दावा किया कि कितनी भी करेंसी हो एक्सचेंज होगी। बस कुछ समय लगेगा। महराजगंज जिले में सोनौली बॉर्डर पर मनी एक्सचेंज की दुकानें खुलेआम सजी हुई हैं। नौतनवा में डॉलर और दिरहम का एक्सचेंज हो रहा है। कमीशन पर सौदेबाजी होती है। इसका तीसरा बड़ा केंद्र ठूठीबारी है। निचलौल रोड से कोतवाली गेट से पहले तक भारतीय रुपए को नेपाली और नेपाली को भारतीय में बदलने की सुविधा खुलेआम मिलती है, लेकिन दिरहम और डॉलर के लिए थोड़ी मुश्किल और थोड़ा मोलभाव ज्यादा होता है। पान के एक दुकान में ही सारी करेंसी बदली जा रही है, खुलेआम।नेपाल से लगते भारतीय क्षेत्रों में अवैध मनी एक्सचेंज देश की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। आईबी और एसएसबी के अधिकारी यह कहते तो हैं, लेकिन इस धंधे को रोकना अब इनके बस में नहीं है। सोनौली बॉर्डर पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि अवैध मनी एक्सचेंज में कमीशन सोने की तस्करी पर निर्भर करता है। सोना तस्करी बढ़ेगी तो कमीशन भी बढ़ेगा। तस्करी घटी तो कमीशन भी उसी के साथ घटेगा। नवंबर से जनवरी के बीच कमीशन सात प्रतिशत तक पहुंच गया था। यानि, नेपाल से सोना भारत लाया जा रहा है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार नेपाल से हर साल करीब 10 टन सोने की तस्करी भारत में की जाती है। फाउंडेशन का दावा है कि सोने के बाद नेपाल से सबसे ज्यादा मानव तस्करी होती है।

मनी एक्सचेंज का सीधा जुड़ाव मनी लॉन्ड्रिंग से है। इसका उपयोग नेपाल में टेरर फंडिंग के रूप में किया जा रहा है। इसके प्रमाण मिलने के बाद एफएटीएफ ने नेपाल को ग्रे सूची में शामिल कर दिया है। भारत-नेपाल संबंधों के जानकार बताते हैं कि इस सूची में उन देशों को ही शामिल किया जाता है जो आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। विदेशों से नेपाल के बैंक खातों में धन भेजा जाता है। नेपाली करेंसी में रकम निकालकर भारत पहुंचाई जाती है। यहां से भारतीय रुपए में बदलकर काठमांडू पहुंचाया जाता है। यह पैसा टेरर फंडिंग के काम आता है।

भारतीय सेना ने...

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में पाकिस्तान सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की है। भारत की ओर से पड़ोसियों के इस दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। एक अप्रैल को कृष्णा घाटी इलाके में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से एक लैंड माइन में विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरदस्त गोलीबारी की गई। उनकी ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की ओर हालात पर काबू पाया। फिलहाल स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन मंगलवार दोपहर 1.10 बजे किया गया। तत्काल ही भारतीय सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया। विस्फोट और दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में दुश्मन के पांच सैनिक घायल हुए हैं।जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने एक बयान में बताया कि 1 अप्रैल 2025 को एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित तरीके से प्रभावी ढंग से जवाब दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने के लिए 2021 के महानिदेशक सैन्य अभियान की समझ के सिद्धांतों को बनाए रखने की अहमियत को दोहराती है। 25 फरवरी 2021 को दोनों देशों के बीच समझौते को नया रूप देने के बाद से जम्मू और कश्मीर की सीमाओं पर संघर्ष विराम उल्लंघन दुर्लभ हो गया है।

भारत में वापस...

लेकिन पुरानी राजनीति को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने (एआईएडीएमके) की सरकार पर भी सवाल उठाए। साथ ही कहा कि जब आपकी सरकार 10 साल तक सत्ता में थी, तब आपने इस मुद्दे पर क्या किया? क्या आपने कभी इस पर बात की? इसके साथ ही स्टालिन ने कच्चातीवु द्वीप के पास श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि 2024 में अब तक 500 से अधिक मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है, और यह स्थिति रोज़ बढ़ती जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कच्चातीवु द्वीप को वापस पाना ही इस समस्या का हल है और केंद्र सरकार को श्रीलंका के साथ समझौते में संशोधन करना चाहिए।हालांकि इससे पहले विपक्ष के नेता एडप्पादी पलानीस्वामी ने कच्चातीवु के श्रीलंका को हस्तांतरण का इतिहास बताया। सात ही डीएमके पर आरोप लगाया कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए इस मुद्दे की अनदेखी की। पलानीस्वामी ने कहा कि 1974 में जब कच्चातीवु श्रीलंका को दिया गया था, तब तमिलनाडु में डीएमके की सरकार थी। पलानीस्वामी ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता ने 2008 में कच्चातीवु को वापस पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था, लेकिन यह मामला अभी भी अनसुलझा है। इसके साथ ही पलानीस्वामी ने डीएमके पर आरोप लगाते हुए कहा कि डीएमके ने इस मुद्दे को राजनीतिक कारणों से उठाया है, क्योंकि 2026 के चुनाव से पहले यह एक चुनावी मुद्दा बन गया है।

मनमाने किराये ...

विधेयक पर विपक्षी सांसदों के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। इससे पहले चर्चा का जवाब देते हुए नायडू ने कहा यह विधेयक भारत में विमानन के क्षेत्र में नई क्रांति का उदय करेगा। इसके माध्यम से केपटाउन संधि एवं प्रोटोकॉल को मंजूर किया है। इस पर भारत पहले ही हस्ताक्षर कर चुका है। अभी विमानन कंपनियों के विवादों के कारण उनके विमान खड़े हो जाते हैं। इससे उद्योग को खासा नुकसान पहुंचता है। खासतौर पर जो भी विमान को पट्टे पर देता है, उसे कई तरह से हानि उठानी पड़ती है। इसलिए केंद्र का मानना था कि विमान को पट्टे पर देने के लिए एक स्पष्ट कानून होने चाहिए। इसीलिए यह विधेयक लाया गया है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कानून से विमानन क्षेत्र को कई तरह की सुविधाओं को लाभ मिलेगा। विधेयक पारित होने से पट्टे पर विमान लेने की लागत में 8 से 10 फीसदी की कमी आएगी। इसका सीधा लाभ यात्री किराये में मिल सकेगा। नायडू ने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय विमानन क्षेत्र ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। देश के विमानन क्षेत्र की तरक्की दुनिया के लिए मिसाल है। देश में करीब 359 विमान थे जो कि अब 840 हो गए हैं। इसमें हर दिन चार हजार यात्राओं का प्रबंधन किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि देश के बहुत से हिस्सों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से जोड़ा जाए।

नायडू विपक्ष की तरफ से किराये की विसंगतियों को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब भी दिया और कहा कि किसी भी देश में किराये के लिए सामान नीति नहीं होती। इस पर संतुलित रुख अपनाना होता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि किसी तरह की अनियमितता और कानून के खिलाफ काम करने पर सरकार की तरफ से कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने हवाईअड्डे पर मिलने वाले खाने के महंगे सामान से जल्द निजात दिलाने का आश्वासन भी दिया और कहा कि 25 रुपए में समोसा मिल सकेगा।

मंगल आज कर्क राशि में करेंगे गोचर

ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह 3 अप्रैल को मिथुन राशि से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क चंद्रमा की राशि है और यह मंगल देव की नीच राशि मानी जाती है। जबकि मकर राशि में ये उच्च के माने जाते हैं। मंगल ग्रह कर्क और सिंह राशि में अधिक शुभ फल देते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल ग्रह जिन्हें मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह माना गया है वह 3 अप्रैल को कर्क राशि में गोचर करेंगे। ग्रहों के सेनापति मंगल देव 3 अप्रैल 2025 को कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और 6 जून 2025 तक इसी राशि में रहेंगे। मंगल का यह गोचर विशेष रूप से ऊर्जा और साहस में वृद्धि करेगा, जिससे कुछ जातकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मंगल ग्रह भूमि, जमीन-जायदाद, प्रापर्टी, युद्ध, सेना, रक्त और क्रोध के कारक ग्रह माने जाते हैं। जब भी मंगल ग्रह राशि परिवर्तन करते हैं तो इनका विशेष प्रभाव लोगों के जीवन पर पड़ता है। कर्क राशि में मंगल ग्रह का गोचर करने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा और धन लाभ के मौके बनेंगे।

मंगल दिनांक 3 अप्रैल, 2025 रात्रि के 01:35 मिनट पर चंद्र की राशि कर्क में प्रवेश करने जा रहे हैं। यहां सेनापति ग्रह मंगल 7 जून 2025 तक विराजमान रहेंगे। नीच अवस्था में होने के कारण मंगल नकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। इस गोचर का प्रभाव कर्क राशि के जातकों पर नकारात्मक पड़ने वाला है। जातक अपने बल में कमी महसूस करेंगे शारीरिक दुर्बलता और मानसिक अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। जातक हीन भावना महसूस कर सकते हैं। वैदिक ज्योतिष में भूमि पुत्र मंगल को अग्नि का कारक कहा गया है इसलिए चन्द्रमा की राशि कर्क में जाकर वो नीच के हो जाते हैं। चन्द्रमा जल का कारक है और अग्नि जल का कोई मेल नहीं है इसलिए मंगल पूर्ण बलहीन होकर अपना कोई भी शुभ प्रभाव यहां नहीं देते हैं। मंगल के लिए कर्क राशि नीच राशि कहलाती है इसलिए मंगल का यह गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नवग्रहों में सेनापति का दर्जा मंगल को प्राप्त है। यह गोचर शीघ्रता से परिणाम देने वाला साबित होगा और देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी। मंगल के कारण प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना विमान में खराबी, रेल दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का कर्क राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि – कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। मनमुटाव हो सकता है।

वृष राशि–मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य से काम लें। कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। धन- लाभ होने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन राशि –किसी भी तरह के वाद- विवाद से दूर रहें। धन- हानि हो सकती है, इसलिए खर्च सोच- समझकर ही करें। लेन- देन के लिए समय शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क राशि – तनाव का सामना करना पड़ सकता है। गुस्सा करने से नुकसान हो सकता है, इसलिए गुस्से पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

सिंह राशि – व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। धन- हानि हो सकती है। लेन- देन न करें। इस समय निवेश करने से नुकसान हो सकता है। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि – आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन- खर्च न करें। निवेश सोच- समझकर ही करें। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

तुला राशि– कार्यक्षेत्र में दबाव और तनाव रह सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ अनबन हो सकती है।

वृश्चिक राशि – शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों को इस गोचर से सावधान रहने की आवश्यकता है। अधिक मेहनत करनी होगी। अधिक खर्चों से बचने का प्रयास करें। लेन- देन से दूर रहें। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मकर राशि – जीवनसाथी के साथ मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। खान- पान का विशेष ध्यान रखें नहीं तो स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि –गुस्से पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। अधिक खर्च करने से बचें। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधूर बनाए रखने के लिए जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें।

मीन राशि – संतान पक्ष की तरफ से कुछ समस्याएं हो सकती हैं। आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। खर्चा सोच- समझकर ही करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

माता जयंती को समर्पित ध्वज मंदिर

माँ काली व माँ भद्रकाली से पूर्व माँ के जिस स्वरुप का शब्दों के माध्यम से स्मरण किया जाता है,वह नाम है माँ जयंती का और माँ जयंती से ही शुरु होता है माँ का एक सुन्दर मन्त्र...

जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा
नमोऽस्तुते।

अर्थात् जयंती, मंगला, काली, भद्रकाली, कपालिनी, दुर्गा, क्षमा, शिवा,धात्री,स्वाहा और स्वधा- इन नामों से प्रसिद्ध माँ जगदम्बिके आपको मेरा नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती के अर्गलास्तोत्र का यह पहला श्लोक है। इस मन्त्र के बारे कहा गया है,यहां मंत्र सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाला है। इसमें आदि शक्ति मातेश्वरी के 11 नामों का स्मरण होता है, इन्हीं 11 नामों में माँ का प्रथम नाम है जयंती अर्थात् 'जयति सर्वोत्कर्षेण वर्तते इति'। सबसे प्रमुख एवं विजयशालिनी सर्व सौभाग्य दायिनी माँ जयंती का भव्य दरबार कहां पर स्थित है इस विषय पर आज हम अपने पाठकों के सम्मुख इस दुर्लभ एवं खोजपरक आलेख के माध्यम से प्रकाश डाल रहे है।

माँ जयंती की महिमा अनंत व अगोचर है। जनपद पिथौरागढ़ के आंचल में माता जयंती का भव्य दरबार पवित्र पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। जनपद मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तय करने के पश्चात् आगे 5 किलोमीटर की दुर्गम चढ़ाई चढ़ने के बाद माँ जयंती के भव्य भवन के दर्शन होते हैं। जिस चोटी पर माता का मन्दिर विराजमान है वह पर्वत शिखर पिथौरागढ़ जनपद की सबसे ऊंची चोटियों में एक है। यहां से चारों ओर पर्वत मालाओं का नजारा बड़ा ही भव्य दिखाई पड़ता है। दूर-दूर तक फैले पर्वतों के शिखर इस चोटी के सामने बहुत ही छोटे प्रतीत होते हैं। समुद्र तल से लगभग 21 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर को ध्वज मंदिर भी कहते हैं। माँ जयंती को समर्पित इस मंदिर से थोड़ा सा पहले एक अद्भुत गुफा है। इस गुफा में भगवान शंकर एक भव्य अलौकिक स्वरूप में पिंडी के रूप में विराजमान है जिन्हें खण्डे नाथ के नाम से पुकारा जाता है। शिव और शक्ति की यह पावन भूमि युगों- युगों से पूजनीय है। स्कंद पुराण के मानस खण्ड में यहाँ का सुन्दर वर्णन मिलता है। इस स्थान की महिमा के बारे में जब ऋषियों ने व्यास जी से पूछा 'ध्वजपर्वत' की स्थिति, तीर्थस्थान, नदियों का उद्गम एवं वहां स्थित शिवलिङ्गों के माहात्म्य का वर्णन करें। ध्वज पर्वत कहाँ पर स्थित है ? उस पर आरुढ़ होने का क्या फल है ? वहाँ किन देवों की पूजा होती है।

ऋषियों के इस प्रश्न पर व्यासजी ने उत्तर दिया-मुनिवरों! 'रामगङ्गा' के बांई ओर 'पावन' पर्वत है। उसके दक्षिण में 'ध्वज' पर्वत है। उसका शिखर उन्नत है । अनेक

धातुओं और औषधियों से वह प्रदीप्त है। सिद्ध, विद्याधर, यक्ष आदि के परिवारों से वह पर्वत वेष्टित है। दिव्य धातुओं की इसमें सहस्रशः खानें हैं। 'हिमालय' को नमस्कार करता हुआ यह 'ध्वजा' की तरह स्थित है। 'श्यामा' (काली नदी) के तीरवासी सिद्धों और चित्रसेनादि गन्धर्वों से यह सेवित है। इस पर्वत पर विशेषत: सिद्धों एवं विद्याधर-गणों का वास है। यहाँ 'चतुर्दशी के दिन आरूढ़ होने पर कामनायें पूर्ण होती हैं। पूर्णिमा के दिन जागरण करने से आठों सिद्धियाँ प्राप्त की जाती हैं। 'शनिप्रदोष' के दिन वहाँ जाने पर कुछ भी शेष नहीं रह जाता।

सर्वसिद्धिदायक एवं धनधान्यवर्धक 'ध्वजेश' का माहात्म्य बतलाते हुए व्यास जी ने कहा है कि इस स्थान पर गणनायक 'विकुम्भ'' ने ' भगवान शंकर' की ध्वजा धारण की है। 'ध्वज' की आकृति के रूप में उन्नत शिखर पर 'ध्वजेश' शिव विराजमान हैं। उनका पूजन कर निःसन्देह सब सिद्धियाँ मिलती हैं । उनका पूजन न करने पर दुःख सम्भावित रहता है । 'कनेल' के फूलों से 'ध्वजेश' का पूजन करने पर सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं। 'ध्वजेश' के अतिरिक्त कोई अन्य देव अभीष्ट सिद्धि दायक नहीं हैं। इस पर्वत पर औषधियों का विशाल भंडार बताया जाता है। इस स्थान से एक प्रसन्न नामक वैश्य की भी कथा जुड़ी हुई है। पुराणों के अनुसार वह धार्मिक, जितेन्द्रिय, मितभाषी और अतिथिपूजक था। उसी के समान उसका पुत्र 'सत्यधर्मा' भी बड़ा शिवभक्त एवं सत्यनिष्ठ था समय के चलते चक्र में एक बार उसे दरिद्रता ने आ घेरा। वह अपनी पत्नी समेत निर्जन वन में आ गया यहाँ एक शिवयोगी से उसकी भेंट हुई दोनों शाम्ब सदाशिव का ध्यान करते हुए ध्वज पर्वत पर पहुंचे शिव एवं शक्ति की कृपा से उन्हें यहां अलौकिक सिद्धियां प्राप्त हुई तथा ज्ञात हुआ कि चतुर्दशी को 'ध्वजेश' का पूजन करने पर मानवों को अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो मनुष्य एकाकी 'ध्वजेश' का पूजन कर रात्रिजागरण करता है, उसे सिद्धि प्राप्त होती है।

ध्वज क्षेत्र की महिमा का बखान करते हुए स्कंद पुराण के मानस में महर्षि व्यास जी ने लिखा है 'ध्वज' के दाहिनी ओर 'ध्वजगुहा' है । वहाँ शंकर का पूजन करके गङ्गा स्नान का फल प्राप्त होता है । फिर 'ध्वज' के पूर्व भाग में 'सिद्धगुहा' है, वहां 'सिद्धेश' का पूजन कर सिद्धजल से स्नान करने पर गूंगापन दूर होता है। ध्वज-पर्वत से 'नन्दा', 'चर्मण्वती'' तथा 'सत्यवती' ये तीन नदियाँ निकलती हैं । इनका जल पीने से गोदान का फल मिलता है। ये तीनों नदियाँ 'काली' (श्यामा) नदी में मिलती हैं । 'नन्दा' और 'चर्मण्वती' के मध्य 'चर्मेश' का पूजन कर शिवलोक प्राप्त होता है । 'नन्दा' में स्नान कर 'ध्वजेश' का पूजन करने से धन-लाभ होता है। उसके पश्चिम भाग में 'कालिका' का पूजन तथा कालिका-जलों में स्नान कर 'शिवलोक' प्राप्त होता है। 'ध्वज' के पश्चिम में 'कालापी'' नदी है। उसमें स्नान करने से गङ्गास्नान का फल मिलता है। उसके मूल में महादेवी और शंकर का पूजन होता है। आगे बला नदी और कालापी का सङ्गम है । वहाँ बलेश शंकर का पूजन होता है। यहां की विराट महिमां को लेकर अलौकिक गाथाओं का भंडार है, जिसे पुराणों में विस्तार के साथ पढ़ा जा सकता है माँ जयंती को समर्पित इस पावन स्थल की महिमा कुल मिलाकर अपरम्पार है।

– रमाकांत पंत

देवी के दर्शन से दूर होते हैं कष्ट

नवरात्र की पावन अवधि चल रही है, जो माता रानी की कृपा प्राप्ति हेतु बहुत ही शुभ मानी जाती है। भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी देवी को समर्पित कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी मान्यताएं दूर-दूर तक फैली हुई हैं। उत्तर प्रदेश में स्थित कई मंदिरों का इतिहास सालों पुराना है, जिन्हें लेकर पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं।

अन्नपूर्णा मंदिर

काशी, जिसे भगवान शिव की नगरी के रूप में जाना जाता है, वहां देवी पार्वती के ही स्वरूप को समर्पित माता अन्नपूर्णा का मंदिर स्थित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में माता के इस स्वरूप के दर्शन करने से सुख-समृद्धि के साथ-साथ अन्न-धन का भी आशीर्वाद मिलता है। इस मंदिर की एक खासियत यह भी है कि यह देश का इकलौता मंदिर है, जो श्री यंत्र के आकार में है। नवरात्र में यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

मां विशालाक्षी मंदिर

वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर स्थित मां विशालाक्षी मंदिर भी 51 शक्तिपीठों में से एक है। साथ ही यह भी मान्यता है कि भगवान विश्वनाथ मां विशालाक्षी मंदिर में विश्राम करते हैं, जिस कारण इस मंदिर की प्रसिद्धि और भी बढ़ जाती है। यही कारण है कि नवरात्र की पावन अवधि में इस स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

माता ललिता मंदिर

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, प्रयागराज में प्रयाग संगम में मां सती के हाथ की उंगली गिरी थी। इसलिए यह मंदिर भी 51 शक्तिपीठों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस स्थान पर माता ललिता रूप में विराजमान हैं। मान्यता है कि पवित्र संगम में स्नान के बाद इस शक्तिपीठ में दर्शन और पूजन करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नवरात्र में यहां माता के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ती है।

कात्यायनी शक्ति पीठ

वृंदावन के राधाबाग के पास बना मां कात्यायनी मंदिर इस क्षेत्र में स्थित सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। यह मंदिर देवी पार्वती को समर्पित है, जो कात्यायनी रूप में हैं। यह मंदिर में 51 शक्तिपीठों में शामिल है।

इस स्थान को मां शक्तिपीठ के नाम से भी जाना जाता है। पूरा मंदिर सफेद संगमरमर से बना है और इसके खंभे काले पत्थर से बने हुए हैं, जो इसे आकर्षक बनाते हैं। इसी के साथ मुख्य प्रांगण के रास्ते में दो शेरों की मूर्तियां बनी हुई हैं।

मां विंध्यवासिनी धाम

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में गंगा नदी के किनारे माता विंध्यवासिनी का मंदिर स्थापित है। देवी के इस स्वरूप को महामाया या योगमाया का स्वरूप माना जाता है। माता त्रिकोण यंत्र पर स्थित तीन रूपों को धारण करती हैं अर्थात महालक्ष्मी, महाकाली तथा महासरस्वती का रूप। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का अस्तित्व सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी बना रहेगा।

नवरात्रि – असंतुलन से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का समय

अष्टाँग योग के पाँच नियमों में से एक नियम है 'तप' जिसका अर्थ है अपअश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम केने शरीर को किसी भी रूप में कष्ट देकर तपाना। तप, एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो कि नकारात्मक कर्मों को निष्फल करने में और आत्मिक उत्थान में सहायक होती है। उपवास भी स्वयं को तपाने का एक माध्यम है। यही कारण है कि शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए, नवरात्रों में उपवास किए जाते हैं। देवी माँ के दस 'शक्ति'- रूप- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रकान्ता, कुशमंदा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री तथा अपराजिता, इन नौ रातों और दस दिनों में समाये हुए हैं। इस प्रकार, नवरात्रों में, प्रत्येक रात की एक विशेष शक्ति है और उस शक्ति का एक विशेष उद्देश्य।

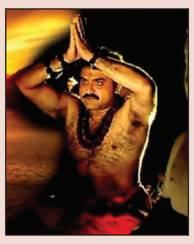

इस अवधि के दौरान मौसम परिवर्तन होता है, अर्थात सृष्टि की विभिन्न शक्तियाँ एक असंतुलन से संतुलन की ओर बढ़ती हैं। चूँकि, हम इस सृष्टि के पूर्ण अंश हैं, तो इस समय में हमारी प्राण शक्ति भी सृष्टि की अन्य शक्तियों की तरह एक संतुलन, एक पुनः निर्माण की प्रक्रिया से होकर गुजरती है। इस समय शरीर को अल्प और सुपाच्य आहार के माध्यम से हल्का रखा जाता है तथा सम्पूर्ण विषहरण के लिए, उपवास के अलावा कुछ विशेष मन्त्रों का जाप भी किया जाता है।

नौ दिनों तक शरीर को पुनः संगठित किया जाता है और दसवें दिन एक नयी ऊर्जा, एक नयी शक्ति को ग्रहण किया जाता है। साधक की क्षमता व आवश्यकता अनुसार ही 'गुरु' उसके लिए उपवास व मन्त्र साधना निर्धारित करते हैं। बिना किसी निरिक्षण या वज़न घटाने के उद्देश्य से किए गए उपवास का शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो कि शरीर में असंतुलन पैदा करता है। किसी भी उपवास या साधना का परिणाम तभी फलित होता है जब वह वैराग्य भाव से किया जाता है। इसलिए किसी भी उपवास या साधना से पूर्व वैराग्य भाव अति आवश्यक है जो कि अष्टाँग योग और सनातन क्रिया के अभ्यास द्वारा सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

–अश्विनीजी गुरुजी
ध्यान आश्रम

सायरा बानो और फरीदा जलाल संग ईद का जश्न मनाया ताहा शाह

ताहा शाह बदुशा के लिए 2025 की ईद यादगार रही। और क्यों न हो, जब उन्होंने रमज़ान के पाक महीने के समापन का जश्न सायरा बानो और फरीदा जलाल जैसी दिग्गज हस्तियों के साथ मनाया? कोई भी होता, तो यह खास मौका बन जाता! ताहा ने अपनी ईद सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा, लीजेंड सायरा जी और फरीदा जी की मौजूदगी में ईद किसी जादू से कम नहीं लगती। उनकी गरिमा, समझदारी और स्नेह हर पल को आशीर्वाद बना देता है। उनकी कहानियों, उनकी रोशनी और उनके द्वारा दी गई बेपनाह मोहब्बत के लिए दिल से शुक्रगुजार हूँ।

इस जश्न में ताहा की 'हीरामंडी' टीम भी शामिल हुई। फरीदा जलाल, जो पहले से मौजूद थीं, उन्होंने कुदसिया बेगम (ताजदार की दादी) की भूमिका निभाई थी। इनके साथ 'हीरामंडी' के लेखक मोइन बेग भी इस खास मौके का हिस्सा बने। ताहा ने सभी के साथ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें एक फोटो दिलीप कुमार और सायरा बानो के खूबसूरत पोर्ट्रेट के साथ खिंचवाई गई उनकी तस्वीर भी शामिल थी।

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में ताजदार बलोच के किरदार से जबरदस्त प्रसिद्धि पाने वाले ताहा शाह बदुशा अब अपनी अगली फिल्म 'पारो – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' की रिलीज़ की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में वह प्रसिद्ध मराठी अभिनेत्री तृप्ति भोइर के साथ नज़र आएंगे। यह फिल्म दुनिया भर के फिल्म समारोहों में तथा चुनिंदा भारतीय फिल्म बिरादरी के लोगों के लिए प्रदर्शित की जा चुकी है, 'पारो' ब्राइड्स, जिन्हें मोलकी ब्राइड्स के नाम से भी जाना जाता है, उनकी पीड़ा और संघर्ष को उजागर करने के लिए फिल्म की काफी सराहना हो रही है।

करीना कपूर खान, आदित्य रॉय कपूर, रोहित सराफ और अन्य सितारें भारत में विविएन वेस्टवुड के डेब्यू शो में हुए शामिल

फैशन इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित लग्ज़री ब्रांड्स में से एक, यूके स्थित विवियन वेस्टवुड ने 1 अप्रैल को भारत में अपना पहला शो आयोजित किया। मुंबई के प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया में हुए इस भव्य आयोजन में पूरा बॉलीवुड सितारों से जगमगा उठा। करीना कपूर खान, मीरा राजपूत, रोहित सराफ, दिशा पटानी, राधिका मर्चेंट, अंजलि मर्चेंट, आदित्य रॉय कपूर, विजय वर्मा, मानुषी छिल्लर, जान्हवी कपूर, ट्विंकल खन्ना, पत्रलेखा, वाणी कपूर सहित कई बड़े सितारों ने इस हाई-प्रोफाइल फैशन इवेंट में शिरकत की। अधिकतर सेलिब्रिटीज ने दिवंगत डिज़ाइनर को श्रद्धांजलि देने के लिए विवियन वेस्टवुड के क्रिएशन्स पहने थे।

मुंबई में हुए इस फैशन शो का उद्देश्य भारत की समृद्ध पारंपरिक टेक्सटाइल विरासत को सम्मानित करना और प्रदर्शित करना था। इस आयोजन में विवियन वेस्टवुड के स्प्रिंग-समर 2025 कस्टम लुक्स और आर्काइव पीस पेश किए गए। इसके अलावा, एक विशेष कैप्सूल कलेक्शन भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें हाथ से बुने चंदेरी सिल्क और खादी कॉटन, ऊन व सिल्क से तैयार विवियन वेस्टवुड के हाई-कॉउचर लुक्स शामिल थे। खादी, जिसे महात्मा गांधी ने पुनर्जीवित किया था, भारत में स्वतंत्रता का प्रतीक मानी जाती है।

हाल के वर्षों में, भारत धीरे-धीरे ग्लोबल फैशन इंडस्ट्री में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। अबू जानी-संदीप खोसला, गौरव गुप्ता, फाल्गुनी-शेन पीकॉक, राहुल मिश्रा, मनीष मल्होत्रा जैसे भारतीय डिज़ाइनर न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड के बड़े सितारों को भी अपने डिज़ाइन्स में स्टाइल कर रहे हैं। वहीं, मौनी रॉय जैसी भारतीय हस्तियां भी दुनिया भर के फैशन वीक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम : राघव जुयाल

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं।राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हू और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं।राघव हाल ही में एक्शन फिल्म 'किल' में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है।उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर 'किल' के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए 'स्लो मोशन किंग' के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस 3' में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2' जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'सोनाली केबल' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

'बैटमैन' अभिनेता वैल किल्मर ने 65 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

'बैटमैन' फेम हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर का 65 वर्ष में निधन हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी एक खबर के अनुसार अभिनेता के निधन की पुष्टि उनकी बेटी मर्सिडीज किल्मर ने किया है। वह निमोनिया से पीड़ित थे। कैलिफोर्निया में जन्में अभिनेता ने अपने अभिनय की पढ़ाई एक्टिंग स्कूल जुइलियार्ड से की थी। अभिनेता वैल किल्मर 1990 के दशक में हॉलीवुड के सबसे प्रमुख कलाकारों में से एक थे। वैल किल्मर के

...नांकि, वह कैंसर से ठीक ...वजह से उनका निधन हो ... अंतिम सांस ली। वैल के ...ं तो किल्मर को 'बैटमैन' ...ल्मों के लिए जाना जाता ...बाल और लुक्स के लिए ...जाते थे। किल्मर ने 1984 में आई फिल्म 'टॉप सीक्रेट' के साथ अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था। कॉमेडी फिल्मों में शानदार अभिनय कर फिल्मी दुनिया में एक बेहतर मुकाम हासिल की।

अभिनेता 'टॉप सीक्रेट', 'रियल जीनियस' के साथ एक्शन फिल्म 'टॉप गन' और 'विलो', 'द घोस्ट एंड द डार्कनेस', 'द सेंट', 'द प्रिंस ऑफ इजिप्ट', 'अलेक्जेंडर' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। इससे पहले वह कॉमेडी शो 'रियल जीनियस' में दिखाई दिए थे। उन्हें 1986 की हिट 'टॉप गन' में अभिनेता टॉम क्रूज के सह-कलाकार के रूप में पहचान मिली।वैल किल्मर 1995 में आई 'बैटमैन फॉरेवर' से छा गए। अभिनेता की अंतिम रिलीज साल 2022 में आई 'टॉप गन: मेवरिक' थी, जिसमें वह अभिनेता टॉम क्रूज के साथ दिखाई दिए थे।

राशि खन्ना ने अपनी एनर्जेटिक जिम रूटीन से फिटनेस को बनाया मजेदार!

कौन कहता है कि वर्कआउट सिर्फ पसीना बहाने और थकने का नाम है? पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना फिटनेस को एक नया रूप दे रही हैं, जहां मेहनत और मस्ती का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है! अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाने वाली राशि इन दिनों जिम में पहले से ज्यादा मेहनत कर रही हैं, लेकिन उनके वर्कआउट सेशन्स में सिर्फ इंटेंस एक्सरसाइज़ ही नहीं, बल्कि ढेर सारी मस्ती और जोश भी शामिल है। भी शेयर कर रही हैं, यह साबित करते हुए कि मेहनत और मस्ती एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ लिखा, एवरी डे, आई शो अप। एवरी डे, आई कम्प्लेन। एवरी डे, आई सर्वाइव। रिलेटेबल?

राशि के फिटनेस सफर की यह झलक प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है, लोग उनकी मेहनत और पॉजिटिव एनर्जी की तारीफ कर रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' में अपने दमदार किरदार से सबका दिल जीतने वाली राशि आज की सबसे प्रतिभाशाली पैन-इंडिया स्टार्स

अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में, राशि एकदम बीस्ट मोड में नजर आ रही हैं-वेट लिफ्टिंग, एगिलिटी ड्रिल्स और जबरदस्त वर्कआउट कर रही है। लेकिन जो चीज़ उनकी रूटीन को सबसे ज्यादा प्रेरणादायक बनाती है, वो है उनकी इंफेक्शियस एनर्जी और चुलबुला अंदाज। एक्सरसाइज़ के बीच-बीच में वह अपने ट्रेनर के साथ मजेदार पल में से एक मानी जाती हैं और वह स्क्रीन के अंदर और बाहर, दोनों जगह अपने फैंस को लगातार प्रभावित कर रही हैं।

राशि ने हाल ही में इस साल के लिए कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट्स की ओर इशारा किया है, हालांकि अभी तक ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। इसके अलावा, उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया, जिससे फैंस के बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। फिटनेस, मस्ती और प्रोफेशनल सफलता को बैलेंस करते हुए राशि खन्ना लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की सबसे शानदार और दमदार कलाकारों में से एक हैं!

सनी देओल-रणदीप हुड्डा स्टारर जाट का पहला गीत टच किया रिलीज

अभिनेता सनी देओल-रणदीप हुड्डा स्टारर ...पकमिंग एक्शन फिल्म ...ाट' का पहला गाना जारी ... गया है। धमाकेदार डांस ...बर 'टच किया' में ...भिनेत्री उर्वशी रौतेला ...कर थिरकती नजर आईं। ... में उर्वशी रौतेला के साथ ...म में खलनायक रणतुंगा ...किरदार निभा रहे रणदीप ...र अभिनेता विनीत कुमार ... नजर आए। उर्वशी को ...केदार डांस मूव्स के साथ ...ब थिरकती नजर आईं। ... सॉन्ग को मधुबंती बागची ... ने अपनी आवाज दी है, ...लिखे हैं और संगीत थमन ...पहले अभिनेत्री ने बताया ...ाद अभिनेता सनी देओल ...र उत्साहित और खुश हैं।

प्रोजेक्ट को लेकर उर्वशी ने बताया था, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं।

उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं। उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं.धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता–पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्त्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 अप्रैल 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 09:44 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 07:03 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 12:00 तक
करण : कौलव प्रातः 10:43 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 06:22 तक
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी ,
कात्यायनी पूजनम् , खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए डिस्कॉम्स उठाएं प्रभावी कदम : भजनलाल

जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत् मॉनिटरिंग करें और लाइनों में सुधार, ट्रांसफार्मर और जीएसएस स्थापित करने से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करें। साथ ही, डिस्कॉम्स बिजली छीजत घटाने को प्राथमिकता देते हुए इसे न्यूनतम करने का लक्ष्य प्राप्त करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम्स) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स उन ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करें, जहां गत वर्ष विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं थी। टीएण्डडी और एटीएण्डसी लॉसेज को न्यूनतम करने के लिए फीडर्स लेवल मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, खराब मीटर्स का रिपेयर और रिप्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन निगम को पीक टाइम से पहले मेंटेनेंस पूरा करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम) ए तथा सी कम्पोनेन्ट्स मील का पत्थर साबित होंगे। इन कम्पोनेंट में अपेक्षित गति लायी जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण में आरडीएसएस योजना की अहम भूमिका है। इस योजना की प्रभावी क्रियान्विति से घरेलू एवं अघरेलू उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी और उन्हें ट्रिपिंग की समस्या से भी निजात मिलेगी। जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम्स इस योजना की प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें। जो कॉन्ट्रेक्टर्स योजना के कार्यों को संपादित करने में अनावश्यक देरी कर रहे हैं, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को सोलर प्लांट लगाते हुए निःशुल्क 150 यूनिट्स बिजली प्रतिमाह उपलब्ध कराएगी। जिन अल्प आय वर्ग के घरों पर सोलर प्लांट का स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां पर सामुदायिक सोलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस योजना की त्वरित क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने डिस्कॉम्स को लंबित घरेलू एवं अघरेलू कनेक्शन शीघ्र जारी करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लंबित कृषि कनेक्शन्स को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए। डिस्कॉम्स के अधिकारी प्रतिदिन कृषि कनेक्शन जारी करने की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेंजे। मुख्यमंत्री ने पीएचईडी कनेक्शनों को जारी करने की स्थिति, 33 और 11 केवी जीएसएस के निर्माण और खराब ट्रांसफार्मर के रिप्लेसमेंट की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। बैठक में ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, डिस्कॉम्स चैयरमेन आरती डोगरा, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, जोधपुर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल, अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा उपस्थित रहे।

राजस्थान फार्मर रजिस्ट्री में देश में अव्वल : राजस्व मंत्री

जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में फार्मर रजिस्ट्री में पीएम किसान के 81 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन कर राजस्थान ने देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके सफल प्रयासों का ही परिणाम है कि फार्मर रजिस्ट्री में प्रदेश के 73 लाख से अधिक किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाबद्ध रूप से कार्य कर फार्मर रजिस्ट्री के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए।

मीणा बुधवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से राजस्व तथा उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को सीमाज्ञान, आपसी सहमति से बंटवारा, भू–रूपांतरण के लंबित प्रकरणों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सीमाज्ञान के लिए संचालित ई–धरती पोर्टल में आवश्यक संशोधन कर इसे और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करें। राजस्व मंत्री ने कहा कि राजस्व से संबंधित लंबित प्रकरणों का व्यवस्थित और समयबद्ध निस्तारण कर अधिकारी जीरो पेंडेंसी पर कार्य करना सुनिश्चित करें। बैठक में श्री मीणा ने राजस्व मंडल एवं अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों, संभागीय आयुक्त न्यायालयों, जिला कलक्टर न्यायालयों के लंबित वादों की स्थिति की भी समीक्षा की।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

7 करोड़ की लागत से बने फूड कोर्ट पर चला बुलडोजर

अजमेर,02 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 7 करोड़ की लागत से बना फूड कोर्ट हटाने की कार्रवाई तेज हो गई है। प्रशासन ने पहले इसके कुछ हिस्से को तोड़ा था, लेकिन अब इसे पूरी तरह से ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है।17 मार्च को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 7 अप्रैल तक इस अवैध निर्माण को हटाकर रिपोर्ट पेश की जाए। प्रशासन ने आदेश का पालन करते हुए दोपहर चार बजे से फूड कोर्ट को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस दौरान वहां लगे पौधों और पेड़ों को सुरक्षित निकालने का भी प्रयास किया गया।

यह फूड कोर्ट आनासागर झील और उसके आसपास के वेटलैंड क्षेत्र में बना था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया। नगर निगम की टीम ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेश का पालन करते हुए कार्रवाई शुरू की।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत प्रशासन ने तबीजी और हाथीखेड़ा में वेटलैंड विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें तबीजी गांव के पास 9.50 हैक्टेयर, गैस बॉटलिंग प्लांट के पास 10.50 हैक्टेयर और हाथीखेड़ा के पास 0.75 हैक्टेयर भूमि शामिल है।

कोटा में भव्य महाछप्पन भोग

मेवों से बनेंगे महल और देव प्रतिमाएं वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज करने पहुंचेगी टीम

कोटा,02 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री अग्रसेन संस्कार सेवा समिति के तत्वावधान में 6 से 8 अप्रैल तक एक अद्वितीय धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होने जा रहा है। श्री महालक्ष्मी माता एवं खाटू श्याम बाबा के महाछप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए टीम कोटा पहुंच रही है। समिति के महामंत्री अशोक अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 40 कारीगरों द्वारा देसी घी से तैयार किए गए विविध व्यंजन छप्पन भोग में शामिल होंगे। इस दौरान चिरौंजी, अंजीर, मूंगफली, बादाम, मखाना, नारियल, हल्दी आदि से 18 भव्य महल बनाए जाएंगे। संस्थापक अध्यक्ष टीसी गुप्ता और प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि राजमा से काली माता, भुने हुए चने से विष्णु भगवान, मिक्स मेवा और सुपारी से दुर्गा माता, बादाम और मूंगफली से साईं बाबा, मोती और मखाने से गणेश जी, काबुली चने से गणपति सहितकुल 9 भव्य देव प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं।

मौसमी बीमारियों से बचाव की हो पुख्ता तैयारियां : खींवसर

जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष भी राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी एवं हीटवेव की चेतावनी दी गई है। इसे देखते हुए सभी जिलों में अधिकारी अलर्ट मोड में रहते हुए जल्द से जल्द आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। किसी भी चिकित्सा संस्थान में जांच, दवा एवं उपचार से संबंधित व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आगामी गर्मियों में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, राज्य स्तर से अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करें।

भाजपा संकल्प पत्र में दिए हर वादे को पूरा करेगी

पांच साल पूरा होने पर एक भी वादा शेष नहीं बचेगा : सैनी

चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)। समालखा पानीपत में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की उपलब्धियां गिनवाई और कार्यकर्ताओं को पार्टी की नींव बताया। भाजपा जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों को संबोधित करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि संगठन की नींव कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और परिश्रम पर टिकी हुई है। पार्टी के मंडल अध्यक्ष जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण भाव से भाजपा आज इस मुकाम पर पहुंची है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर में पहुंचने पर आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रशिक्षण शिविर के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के लिए इस तरह के प्रशिक्षण पार्टी के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों में पार्टी की नीतियों, विचारों और कर्तव्यों को समझने का जहां अवसर मिलता है, वहीं संगठनात्मक कौशल निखारने का अवसर भी प्राप्त होता है।

हरियाणा के लोग दिल खोलकर करेंगे प्रधानमंत्री का स्वागत

चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में बीजेपी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को दो बड़ी सौगातें देंगे जिसमें हिसार स्थित एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा और यमुनानगर में 800 मेगावाट बिजली की यूनिट का शिलान्यास करेंगे।

प्रॉपर्टी टैक्स वृद्धि का भाजपा ने किया कड़ा विरोध

तत्काल वापसी की मांग

चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)। चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स में की गई बढ़ोतरी को लेकर आज एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महापौर हरप्रीत कौर बबला ने की, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बबला, और सभी भाजपा पार्षद उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान भाजपा पार्षदों ने सर्वसम्मति से इस अन्यायपूर्ण टैक्स वृद्धि का विरोध किया और इसे जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने वाला फैसला करार दिया। पार्षदों ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय हाउस की मंजूरी के बिना लिया गया है, जो पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ है।

प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा, हम इस अव्यवहारिक और बिना किसी समुचित परामर्श के लागू किए गए कर वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। यह फैसला आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने वाला है और भाजपा इसकी तत्काल वापसी की मांग करती है।

बंडारू ने राष्ट्रीय और हरियाणा के विकास में ओडीशा के लोगों के योगदान की सराहना की

चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा राजभवन में मंगलवार को ओडीशा दिवस का आयोजन किया गया। 1 अप्रैल, 1936 को ओडीशा का अलग राज्य के रूप में गठन हुआ। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की। उन्होंने हरियाणा और पूरे देश के विकास में ओडीशा के लोगों के अमूल्य योगदान की सराहना की।

राज्यपाल ने ओडीशा की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर प्रकाश डाला, और भारत की विरासत पर इसके गहन प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओडिशा न केवल प्राचीन मंदिरों और समृद्ध परंपराओं की भूमि है, बल्कि एक ऐसा राज्य भी है जिसने भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ओडिशा के मेहनती और कुशल कार्यबल ने विभिन्न क्षेत्रों में हरियाणा के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरियाणा में रहने वाले ओडिया समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भी इस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, राज्यपाल के एडीसी अमित यशवर्धन और राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने विविधता में एकता के महत्व को दोहराते हुए कहा कि ओडिशा की सांस्कृतिक समृद्धि भारत के बहुलवादी लोकाचार को मजबूत करती है। उन्होंने हरियाणा के प्रगतिशील वातावरण के साथ सहजता से जुड़ते हुए अपनी परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में ओडिया समुदाय के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में पद्मश्री डॉ. डी. बेहरा, निदेशक, पल्मोनरी मेडिसिन, फोर्टिस हेल्थकेयर, मोहाली, डॉ. आर.के. राठो, प्रोफेसर और वायरोलॉजी विभागाध्यक्ष, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, डॉ. सूर्य नारायण पांडा, यूरोसर्जरी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, डॉ. रघुनाथ साहू, अधीक्षक फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमईआर, और भाभाग्रही पात्रा, संयुक्त सचिव, उत्कल सांस्कृतिक संघ, चंडीगढ़ शामिल रहे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर साधा निशाना

यह किसी के नहीं, भाजपा के भी नहीं, नया चेहरा बनेगा सीएम

पटना (एजेंसियां)। वफ़्फ़ कानून को लेकर जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर चोट करते हुए कहा कि यह व्यक्ति (नीतीश कुमार) किसी का नहीं है। न यह भाजपा का है और न ही यह मुसलमानों का है। जब इस कालखंड का इतिहास लिखा जाएगा तो इस कानून को बनने का भाजपा से भी ज्यादा दोष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सर पर होगा।

इसके साथ-साथ जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर चोट करते हुए कहा कि वफ़्फ़ की जमीन से, उसकी संपत्ति से या उसके कार्यकलाप से सरकार को कितना मतलब है यह मैं नहीं जानता हूं। सरकार को सिर्फ इससे मतलब है कि बस हिंदू और मुस्लिम होता रहे।

दूसरी बात है कि लोकसभा में सरकार को बहुमत नहीं है और अगर वह कानून ला रहे हैं तो वह कानून इसलिए बना पा रहे हैं क्योंकि नीतीश कुमार जैसे लोग सरकार की मदद में खड़े हैं। क्योंकि अगर नीतीश कुमार जैसे लीडर अगर लोकसभा में इस बिल के पक्ष में वोट ना दें तो किसी भी हालत में सरकार यह कानून नहीं बना सकती है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा वाले मुसलमान को न तो अपना वोटर मानते हैं और न अपना समर्थक मानते हैं। एक तरह से खींचतान और राजनीतिक लड़ाई ही है लेकिन नीतीश कुमार जैसे लोग जो रोज मुसलमानों को यह बताते हैं कि हम आपके हितैषी हैं या फिर आज उनकी पार्टी में जो मुस्लिम है और राजनीति करते हैं, ऐसे लोगों को जरूर इस बात की चिंता करनी चाहिए कि आप जब गांधी की बात करते हैं, लोहिया की बात करते हैं, जयप्रकाश नारायण की बात करते हैं, तो क्या वफ़्फ़ कानून के पक्ष में वोट देकर अपना दो मुंहा चरित्र नहीं दिखा रहे हैं। जब इस कालखंड का इतिहास लिखा जाएगा तो इस कानून को बनने का भाजपा से भी ज्यादा दोष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सर पर होगा।

जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर चोट करते हुए कहा कि नीतीश जी का यह पुराना तरीका है। यही नीतीश कुमार एनआरसी के पक्ष में वोट दिया था। उस समय मैं उनके दल में था। उस समय मैं जदयू पार्टी का सर्वेसर्वा था। पार्टी की बैठक हुई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि हम लोग इसके पक्ष में नहीं, बल्कि इसके विरोध में हैं, लेकिन पार्लियामेंट में सीएएनआरसी के पक्ष में वोट कर दिया। जब मैं नीतीश कुमार को सामने से इस बात पर चर्चा की तो उन्होंने कहा कि आप बाहर में जाकर कह दीजिए कि बिहार में यह बिल लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कह दीजिये कि हम दौरे पर थे और लोकसभा में नेता सब कैसे वोट दे दिया, यह हमको पता ही नहीं चला। उस समय मुझे लगा कि यह व्यक्ति (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) किसी का नहीं है। यह बीजेपी का भी नहीं है और ना ही मुसलमानों का है। नीतीश कुमार पार्टी में कह रहे हैं कि मैं इसके विरोध में हूं, पार्लियामेंट में बिल के पक्ष में वोट किया और जब मैं विरोध कर रहा हूं तो मुझे कह रहे हैं कि बाहर जाकर कह दो कि हम लोग बिहार में लागू नहीं करेंगे। हर वर्ग को साधने की, उन्हें बेवकूफ बनाने की नीतीश कुमार की पुरानी रीति रही है और नीतीश कुमार का चरित्र कहीं ना कहीं जनता देख रही है और देख कर ऊब चली है अब।

महात्मा गांधी सेतु पर महाजाम से लोग परेशान

सुबह दो ट्रक की टक्कर के कारण गई थी एक की जान

पटना (एजेंसियां)। पटना को उत्तर बिहार को जोड़ने वाली महात्मा गांधी सेतु पर महाजाम पर से लोग परेशान हैं। इस बार कारण यह है कि बुधवार सुबह सेतु पर दो ट्रकों के बीच टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सेतु पर हड़कंप मच गया। देखते ही देखते जाम लग गया। सुबह से जारी इस महाजाम में हजारों गाड़ियां फंसी हुई हैं। चिलचिलाती धूप में सेतु पर गाड़ियों में फंसे लोग परेशान हैं। पटना और वैशाली की पुलिस जाम पर काबू पाने की कोशिश में जुटी है।

बताया जा रहा है कि वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना अंतर्गत महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर दो के समीप एक अनियंत्रित ट्रक ने आगे चल रही ट्रक को टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

राहगीरों का कहना है कि ट्रक चालक को नींद आ गई थी, और वह पीछे से जाकर दूसरे ट्रक से टकरा गया। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ मौके पर जुट गई। राहगीरों द्वारा घटना की सूचना गंगा ब्रिज थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद शव को ट्रक से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया गया।

मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के चंदौली निवासी मोहम्मद सलीम के पुत्र मोहम्मद वसीम के रूप में हुई है। महात्मा गांधी सेतु से जाम हटवाने के तमाम प्रयास फिलहाल नाकाम साबित हो रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस यातायात को सुचारू करने के प्रयास में जुटी हुई है। गंगा ब्रिज थाना के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि सड़क हादसे में चालक की मौत की सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि जाम हटाने की कोशिश जारी है।

कांग्रेस ने बिहार में किया बड़ा फेरबदल

20 जिलाध्यक्षों को बदल दिया

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतरने के लिए कांग्रेस अपनी तैयारियों में कमी नहीं रखना चाहती है। 18 मार्च को कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया था। अब नए प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार राम की तैनाती की 14 दिन के अंदर ही कई जिलों के जिलाध्यक्ष बदल गए। जिन जिलाध्यक्षों पर काम नहीं करने का आरोप लगा था, उन्हें हटा दिया था। इस तरह कुल 20 नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। खास बात यह है कि कांग्रेस ने गया और कटिहार में दो-दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाए हैं। इधर, पटना शहर इकाई के जिलाध्यक्ष शशिरंजन चुने गए हैं। वहीं रंजीत कुमार को कार्यकारी जिलाध्यक्ष चुना गया है। इसी तरह पटना ग्रामीण एक के जिलाध्यक्ष सुमित कुमार सन्नी को बनाया गया है। वहीं उदय चंद्रवंशी को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है। पटना ग्रामीण दो के जिलाध्यक्ष गुरुजीत सिंह होंगे। वहीं नीतू निशाद को कार्यकारी जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

इस फेरबदल की घोषणा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से की गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों की सूची भी जारी की है। कांग्रेस ने बिहार में जातीय समीकरण ध्यान में रखते हुए यह फेरबदल किया है। पार्टी का दावा है कि यह नियुक्ति बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पार्टी को उम्मीद है कि नए अध्यक्ष अपने-अपने जिलों में पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

नीतीश सरकार के मंत्री बोले-

वक्फ की संपत्ति हड़पने की साजिश नहीं गरीब अल्पसंख्यकों को मिलेगा न्याय

गया (एजेंसियां)। वक्फ संशेधन बिल को लेकर देश में घमासान मचा हुआ है। इस मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। साथ ही राजनीतिक सियासत भी तेज हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने विपक्ष पर हमला किया। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल दो अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जाएगा। वक्फ बिल के माध्यम से अल्पसंख्यक परिवारों में गरीबों और महिलाओं को न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। जो लोग विरोध कर रहे हैं, वे वक्फ की संपत्ति को हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें इस बात की चिंता हो रही है।

देश के प्रधानमंत्री चाहते हैं कि वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल देश में रहने वाले अल्पसंख्यकों के लाभ के लिए हो। उन्हें रोजगार, शिक्षा और जीवन में सुधार मिले, यही हमारा प्रयास है। वक्फ बिल का हम स्वागत करते हैं और आने वाले समय में चंद मुट्ठी भर लोग भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। देश के मुसलमान और अल्पसंख्यक उनके झांसे में नहीं आने वाले हैं। देश के बड़ी आबादी वाले मुसलमानों के न्याय के लिए वक्फ बिल संशोधन लाने का काम किया गया है। आने वाले समय में गरीब मुसलमान भाई-बहनों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं सबका साथ, सबका विकास और सबका सहयोग। इस बिल से कुछ लोगों को लग रहा है कि नुकसान हो रहा है। जिनका कब्जा वक्फ की संपत्तियों पर था, अब वह कब्जे से बाहर होगा। सारी संपत्ति का मालिक इस देश में रहने वाले गरीब अल्पसंख्यक होंगे। उनका अधिकार होगा।

वक्फ बिल पास होने पर बिहार विधानसभा चुनाव में असर पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई असर नहीं पड़ेगा। हम न्याय कर रहे हैं। इससे हमारा समर्थन बढ़ेगा। अब मुसलमान भाई जाग गए हैं और उनके झांसे में आने वाले नहीं हैं। हम ईद के मौके पर कई इलाकों में गए थे। सब लोगों ने कहा कि हम मोदी जी और नीतीश कुमार जी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि अब अल्पसंख्यक समाज विपक्ष के लोगों के घड़ियाली आंसू बहाने का काम करते थे। उनके झांसे में आने वाले नहीं हैं। सारे देश के मुस्लिम हमारे साथ हैं। और चंद मुट्ठी भर नेता भ्रम फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकना चाह रहे हैं। उनका अब चलने वाला नहीं है। आने वाले बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

तेज रफ्तार कार ने मासूम को कुचला, इलाज के दौरान हुई मौत

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले में एक तेज रफ्तार कार ने घर के पास खेल रहे मासूम को कुचल दिया, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा चंडी थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव में मंगलवार की शाम हुआ। मृतक की पहचान गांव के संजय कुमार के तीन वर्षीय बेटे रंजन कुमार के रूप में हुई है। इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार, रंजन कुमार मंगलवार की शाम अपने घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान मुड़ल विगहा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही मारुति कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। कार इतनी तेज थी कि वह बच्चे को कुचलते हुए निकल गई। हादसे के तुरंत बाद कार चालक मौके से गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद परिजन आनन-फानन में मासूम को लेकर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई और इलाज शुरू किया, लेकिन देर रात मासूम ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया और बच्चे के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। गुस्साए परिजन बुधवार को शव को लेकर चंडी थाना पहुंचे और आर-ोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

इस घटना को लेकर चंडी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने में जुट गई है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और इस घटना में उचित कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी स्कूल में घुसे असामाजिक तत्व, प्रिंसिपल को बेरहमी से पीटा

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बड्डवा में दबंगों ने स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल की पिटाई कर दी। इस घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रिंसिपल ने मामले की सूचना पुलिस को दी, लेकिन पुलिस के आने से पहले ही आरोपी फरार हो गए। घटना को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभय करण ने बताया कि गांव के कुछ दबंग लंबे समय से स्कूल की जमीन पर अपना दावा कर रहे थे। आरोपियों का कहना है कि स्कूल की जमीन उनके पूर्वजों की संपत्ति है। इसी विवाद को लेकर पहले भी कई बार बहस हो चुकी थी, लेकिन इस बार आरोपियों ने हद पार कर दी और स्कूल में घुसकर उन्हें बेरहमी से पीटा। पीड़ित प्रिंसिपल के अनुसार, हमलावरों ने न केवल उनकी पिटाई की, बल्कि उनका मोबाइल भी छीन लिया। प्रिंसिपल ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद थाना प्रभारी विजय चौधरी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि दबंग लोग अक्सर स्कूल में घुसकर विवाद खड़ा करते हैं और सरकारी जमीन को अपना बताते हैं। शिकायत मिलने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

सीवान में भीषण हादसे में व्यवसायी की मौत

सीवान (एजेंसियां)। सीवान में एक हार्डवेयर दुकान के मालिक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच उनकी बाइक नीलगाय से टकरा गई। जब तक वह संभल पाते तब तक वह तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि व्यवसायी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लो-गों भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

बताया जा रहा है कि जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के बसाव गांव निवासी सवालिया सिंह का पुत्र आपुल सिंह बसंतपुर में हार्डवेयर की दुकान चलाते थो। वह रोज की तरह मलमलिया की ओर पैसे वसूल करने गए थे। मंगलवार रात नौ बजे वह पैसा वसूल कर घर लौट रहे थे, तभी मलमलिया मोड़ पर उसकी बाइक एक नीलगाय से टकरा गई। नीलगाय से टकराने के बाद आपुल सड़क पर गिर गए और फिसलते हुए सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आ गए। इसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

इधर, पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो वहां कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बसंतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेजा गया। मृतक की पहचान बसाव गांव निवासी सांवलिया सिंह के 34 वर्षीय पुत्र आपुल सिंह के रूप में हुई है। एनएच 331 पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई, जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई दो करोड़ का हेरोइन जब्त

म्यांमार से लाया गया था बिहार

पटना (एजेंसियां)। नारकोटिक्स टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 520 ग्राम हेरोइन जप्त किया है। यह कार्रवाई मुजफ्फरपुर में की गई है। जब्त हेरोइन का बाजार मूल्य लगभग दो करोड़ रुपए बताये जा रहे हैं। नारकोटिक्स टीम ने इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। टीम का कहना है कि हेरोइन का उपयोग रेव पार्टियों में किया जाता है।

मुजफ्फरपुर जंक्शन में एनसीबी की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ हेरोइन की बड़ी खेप के साथ दो तस्कर को पकड़ा है। गिरफ्तार शख्स ने बताया कि वह असम के दीमापुर से अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन से लेकर आ रहा था, जिसे पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदयाल के तस्कर को देने वाला था। एनसीबी रेल पुलिस आरपीएफ की टीम के सहयोग सेकार्रवाई करते हुए

गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किये गये दोनों तस्कर पूर्वी चंपारण जिले के रहने वाले है। इस संबंध में एनसीबी की टीम ने बताया कि जब्त मादक पदार्थ की कीमत एक करोड़ रुपए आंकी गई है। एनसीबी की टीम ने मुज़फ्फरपुर जंक्शन पर आई डिब्रूगढ़ लालगढ़ अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन से एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक करोड़ के हेरोइन के साथ कैरियर और रिसीवर गिरफ्तार किया गया है। युवक की जांच के दौरान दो पैकेट मादक पदार्थ हेरोइन बरामद किया गया जिसकी कीमत एक करोड़ बताई गई है। एनसीबी में गिरफ्तार आरोपी युवक के निशानदेही पर ही मादक पदार्थ के रिसीवर नीतीश सहनी को पूर्वी चंपारण के सुगौली से गिरफ्तार किया गया है। पकड़ा गया आरोपी पैडलर था और वह दूसरे को देने के लिए आया हुआ था।

गिरफ्तार शख्स की पहचान पूर्वी चंपारण के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के मझार निवासी अक्षय सहनी (29) के रूप में की गई है। युवक के पास मौजूद नीले रंग के बैग की जांच की गई तो बैग के अन्दर दो काले रंग के पैकेजिंग टेप में लपेटा हुआ पैकेज बरामद हुआ, दोनों पैकजों के अंदर 260-260 कुल 520 ग्राम हेरोइन पाया गया। पकड़े गए आरोपी की निशान देही पर छतौनी थाना क्षेत्र में दुकान पर खड़े रिसीवर नितीश सहनी को पकड़ा गया, जो सुगौली थाना पूर्वी चंपारण का रहने वाला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com